नई दिल्ली | गुरूवार , 09 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :93 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी ...
@ विचार धोखे की कीमतः कैसे फास्ट फैशन दक्षिण एशिया ...
@ व्यापार कैबिनेट ने 13,037 करोड़ रुपए के जयपुर मेट्रो...

सक्षिप्त खबर

पश्चिम बंगालः हल्दिया में भाजपा कार्यकर्ता का शव मिला

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के हल्दिया में बुधवार शाम को भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता का शव बरामद किया गया। यह घटना पार्टी की 9 अप्रैल को होने वाली बहुचर्चित चुनावी रैली से ठीक 24 घंटे पहले हुई। इस रैली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करने वाले हैं।

मृत भाजपा कार्यकर्ता की पहचान महादेव बिस्वास के रूप में हुई है। उनका शव बुधवार शाम को पूर्वी मिदनापुर जिले के एक प्रमुख औद्योगिक शहर हल्दिया के बालूघाटा इलाके में हल्दी नदी के किनारे से बरामद किया गया।

उसका शरीर खून से लथपथ था और उस पर कई चोटों के निशान थे।

उसकी मृत्यु का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि, उसके परिवार का मानना ??है कि यह हत्या का मामला है।

पता चला है कि मृतक भाजपा कार्यकर्ता मंगलवार शाम से लापता था। उसकी पत्नी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि उसके पति मंगलवार शाम को काम पर जाने के लिए घर से निकले थे और वापस नहीं लौटे।

उसने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि यह हत्या का स्पष्ट मामला है। उसका गला सूजा हुआ है, और उसके अंगों पर गंभीर चोटों के निशान हैं।

असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 296 सीटों पर मतदान आज

कुल 2.5 करोड़ मतदाता करेगें मताधिकार का उपयोग

राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का शोर अब पूर्ण रूप से थम चुका है। गुरुवार को इन तीनों क्षेत्रों की कुल 296 सीटों पर एक ही चरण में मतदान होने हैं। इसके साथ ही उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 सीटों पर वोटिंग कराई जाएगी। असम की बात करें तो यहां कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। खास बात यह है कि 18-19 वर्ष आयु वर्ग के करीब 5.75 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। असम की 126 सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है।

वहीं, केरल में 140 सीटों के लिए 833 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुख्य राजनीतिक दलों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत जरूरी है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 थर्ड जेंडर वोटर्स शामिल हैं।

पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। यहां सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है। कुल 9.44 लाख मतदाताओं में लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया था। असम में 1,388 नामांकन दाखिल हुए थे, जिनमें 817 उम्मीदवार थे। केरल में 2,117 नामांकन के साथ 1,252 उम्मीदवार और पुडुचेरी में 514 नामांकन के साथ 442 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। कुल मिलाकर 4,019 नामांकन दाखिल हुए, जिनमें 2,511 उम्मीदवार शामिल थे।

हालांकि, स्क्रूटनी और नाम वापसी के बाद अंतिम उम्मीदवारों की संख्या घटकर लगभग 1,900 से ज्यादा रह गई है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत 'साइलेंस पीरियड' लागू है। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में मतदान के बाद 4 मई को मतगणना होगी और उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे। अब सभी की नजरें मतदान प्रतिशत और चुनाव परिणामों पर टिकी हैं।

सभी पोलिंग बूथ पर पोलिंग कर्मी पहुंचने शुरू हो गए हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो पाए।

होर्मुज से टैंकर गुजरने पर ईरान ने लगाई रोक

लेबनान पर हमले के बाद की कार्रवाई

एजेंसी ■ तेहरान

लेबनान पर इजरायल के ताबड़तोड़ हमले के बाद ईरान ने होर्मुज को लेकर बड़ा फैसला किया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार जवाबी कार्रवाई के तहत होर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों के गुजरने पर रोक लगा दी है।

दूसरी ओर हिज्बुल्लाह ने भी चेतावनी दी कि अगर सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया, तो 'समझौता टूट सकता है।' संगठन का कहना है कि अगर इजरायल ने हमले जारी रखे, तो जवाब दिया जाएगा।

ब्रिटिश अखबार द गार्डियन के अनुसार, कई शिपिंग सोर्स के मुताबिक, ईरानी नेवी ने तेहरान की इजाजत के बिना होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश करने वाले जहाजों को तबाह करने की धमकी दी है, और यह भी कहा है कि पानी के रास्ते से ट्रांजिट बंद रहेगा।

मैसेज में कहा गया, 'समुद्र में जाने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को... टारगेट करके तबाह कर दिया जाएगा।

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लेबनान में इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों के गुजरने पर रोक लगा दी है। फार्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान और यूएस के बीच सीजफायर लागू होने के बाद आज सुबह दो तेल टैंकरों को स्ट्रेट से गुजरने दिया गया। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 'लेबनान पर इजरायली हमलों के साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों का गुजरना रोक दिया गया है। इस बीच इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने एक वीडियो बयान जारी कर लेबनान पर 'सरप्राइज अटैक' की जानकारी दी। काट्ज ने कहा कि मिलिट्री ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों हिज्बुल्लाह सदस्यों को टारगेट किया। काट्ज ने कहा, 'आईडीएफ ने लेबनान में कमांड सेंटर्स पर सैकड़ों हिज्बुल्लाह लड़ाकों पर सरप्राइज स्ट्राइक किया।

ऑपरेशन बीपर्स के बाद हिज्बुल्लाह को यह सबसे बड़ा झटका है।

तमिलनाडु में चुनाव से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, मुख्य सचिव हटाए गए

एजेंसी ■ चेन्नई

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राज्य के मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदम को पद से हटा दिया है। उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है।

चुनाव आयोग ने अपने आधिकारिक आदेश में तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि इन बदलावों को बिना किसी देरी के लागू किया जाए और उसी दिन शाम 6 बजे तक अनुपालन रिपोर्ट सौंपी जाए। आयोग का यह कदम चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।एक अन्य अहम बदलाव में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संदीप मित्तल को डायरेक्टरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन (डीवीएसी) और आर्म्ड पुलिस का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

उन्होंने डेविडसन देवासिर्वथम की जगह ली है, जिन्हें आयोग के निर्देश पर पद से हटा दिया गया है।

चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि हटाए गए अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव संबंधी जिम्मेदारी में नहीं लगाया जाएगा। इससे साफ है कि आयोग चुनाव में किसी भी तरह के पक्षपात या सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है।आमतौर पर चुनाव के दौरान इस तरह के उच्चस्तरीय प्रशासनिक बदलाव इसलिए किए जाते हैं ।पेज नं -2

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर रखा बरकरार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखते हुए तटस्थ रुख अपनाया है। यह निर्णय बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा और छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने दो दिनों की चर्चा के बाद सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दी। आरबीआई के इस फैसले का उद्देश्य मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि बैंक दर और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) की दर 5.50 प्रतिशत पर यथावत रखी गई है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) की दर भी 5.00 प्रतिशत पर बरकरार है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक हालात लगातार चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं।

आरबीआई गवर्नर ने 2025 को एक चुनौतीपूर्ण वर्ष बताया, लेकिन यह भी कहा कि अक्टूबर की नीति के बाद से मुद्रास्फीति में कमी आई है। उन्होंने बैंकिंग प्रणाली की बेहतर कार्यकुशलता को अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख सहारा बताया।

गौरतलब है कि यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद हुई। इस घटनाक्रम से वैश्विक बाजारों में सकारात्मक माहौल बना और भारतीय शेयर बाजार में भी तेजी देखने को मिली।आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, खासकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, भारत की विकास दर पर दबाव डाल सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी कारक भारत की आर्थिक गति के लिए प्रमुख जोखिम बने हुए हैं।

मल्होत्रा ने यह भी कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। आपूर्ति-पक्ष की बाधाएं और ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण महंगाई के फिर से बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पेज नं -2

युद्ध विराम के बाद शेयर बाजार ने लगाई बड़ी छलांग, मार्केट कैप करीब 17 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सत्र में दमदार तेजी देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 2,946.32 अंक या 3.95 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,563.90 और निफ्टी 873.70 अंक या 3.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,997.35 पर था।

बाजार में चौतरफा तेजी देखी गई। इसका नेतृत्व रियल्टी और ऑटो स्टॉक्स ने किया। निफ्टी रियल्टी (6.75 प्रतिशत) और निफ्टी ऑटो (6.69 प्रतिशत) की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी प्राइवेट बैंक (5.56 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (5.54 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (5.46 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरबेल्स (5.23 प्रतिशत) और निफ्टी इन्फ्रा (4.13 प्रतिशत) की मजबूती के साथ बंद हुआ। कोई भी सूचकांक लाल निशान में बंद नहीं हुआ। पेज नं -2

शराब घोटाला- सौम्या और तांत्रिक केके की जेल से रिहाई, हाईकोर्ट से मिली थी जमानत

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में जेल में बंद सौम्या चौरसिया और तांत्रिक केके जेल से बाहर आ गए हैं। दरअसल, एक महीने पहले सौम्या को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि, जिस दिन इस केस में चालान पेश होगा, उस दिन उन्हें रिहाई मिलेगी।

आर्थिक अपराध शाखा ने बुधवार को रायपुर स्पेशल कोर्ट में 1500 पन्नों का 8वां पूरक चालान पेश किया है। चालान में घोटाले के समय पूर्व सीएम भूपेश बघेल की उपसचिव रही सौम्या चौरसिया, तांत्रिक केके श्रीवास्तव और देवेंद्र डडसेना की भूमिका की जानकारी दी गई है।

वहीं जेल से बाहर आने के बाद केके श्रीवास्तव ने कहा कि मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसमें कुछ टिप्पणी करना ठीक नहीं है। भूपेश बघेल से मेरे आज के संबंध नहीं हैं। मेरे बहुत पुराने संबंध हैं। मेरे सुंदरलाल पटवा से भी संबंध थे। मैं आदमी को व्यक्तिगत पसंद करता हूं, भाजपा नेताओं से भी मेरे संबंध हैं। किसी पार्टी से नहीं।

केके ने आगे कहा कि कुंभ मेले के बाद मैंने दाढ़ी और बाल बढ़ा लिया। इसलिए नहीं कि मैं तांत्रिक हूं। पूजा पाठ करना गलत नहीं है। आने वाला समय कौन जानता है। भगवान जानेगा। मुझे कार्रवाई की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि मैंने कोई गुनाह नहीं किया। किसी से मित्रता कोई गुनाह नहीं है। इसके बाद वे लग्जरी कार से रवाना हो गए।

चालान में घोटाले से जुड़े कई अहम दस्तावेज, लेन-देन और सबूत शामिल किए गए हैं। इससे पहले शराब घोटाले में (राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने अब तक कुल 51 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है।

देवेंद्र डडसेना की भूमिका- पैसों का मैनेजमेंट और ट्रांजैक्शन

जांच में सामने आया है कि, देवेंद्र डडसेना राजीव भवन का पुराना अकाउंटेंट रहा है। उसने शराब घोटाले और कई स्त्रोतों से अवैध पैसे लेने, सुरक्षित रखने और निर्देशानुसार आगे भेजने का काम किया। पेज नं -2

सरकार किसान भाइयों-बहनों के हितों को हमेशा प्राथमिकता देती है : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इन फैसलों में किसानों के हित, स्वच्छ ऊर्जा विकास और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इन फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार किसान भाई-बहनों के हित को हमेशा प्राथमिकता देती है।

उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, 'वैश्विक चुनौतियों के बीच भी किसान भाई-बहनों का हित सदैव हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है।

इसी दिशा में वर्ष 2026 के खरीफ सीजन के लिए न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी (एनबीएस) की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इससे अन्नदाताओं को पहले की तरह किफायती दरों पर उर्वरक मिलते रहेंगे।

इस फैसले से फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ेगी, जिससे खरीफ फसल के लिए डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगे।

कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश में दो बड़े जलविद्युत परियोजनाओं को भी मंजूरी दी। पेज नं -2

'अहंकार और अपराधबोध': प्रियंका गांधी ने खेड़ा विवाद पर भाजपा को निशाना बनाया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के परिवार पर लगाए गए आरोपों और उसके बाद हुई पुलिस कार्रवाई के चलते विवाद और बढ़ गया है। विपक्ष ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और प्रियंका गांधी वाड्रा ने उनका (पवन खेड़ा का) बचाव किया है।

घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और इसे दुरुपयोग बताया। फेसबुक पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर किया गया यह बेशर्म हमला केवल उनके अहंकार और कुकर्म को दर्शाता है। कांग्रेस का हर व्यक्ति, बल्कि संविधान में विश्वास रखने वाला और यह समझने वाला हर भारतीय कि सवाल उठाना और सत्ता को चुनौती देना एक मजबूत लोकतंत्र का आधार है, पवन खेड़ा के साथ खड़ा है, क्योंकि उनके घर में तोड़फोड़ की गई है और एक ऐसे मुख्यमंत्री द्वारा उनका पीछा किया जा रहा है, जिसने शासन करने का अपना नैतिक अधिकार खो दिया है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की फेसबुक पोस्ट में पुलिस कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया गया है और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला बताया गया है। संवैधानिक सिद्धांतों का हवाला देते हुए, उन्होंने पार्टी लाइन से परे व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास किया है।

वायनाड सांसद की ये टिप्पणियां ऐसे समय आईं जब असम पुलिस ने खेड़ा को ढूंढने के प्रयास तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी रिनिकी सरमा की शिकायत के बाद खेड़ा के खिलाफ जालसाजी, मानहानि और आपराधिक साजिश समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रिनिकी ने खेड़ा के आरोपों को निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है और उन पर दस्तावेज गढ़ने और गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है। इस बीच, खेड़ा ने एक वीडियो संदेश के जरिए फिर से अपनी बात रखी। इस संदेश में कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें डराया नहीं जा सकता।

उन्होंने असम सरकार पर गंभीर मुद्दों का समाधान करने के बजाय असहमति को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

उनके अनुसार, जांच एजेंसियों को विपक्षी आवाजों को निशाना बनाने के बजाय दावों की जांच करनी चाहिए।

उनके दिल्ली स्थित आवास पर पुलिस की तलाशी और हैदराबाद में उनकी कथित आवाजाही ने राजनीतिक लड़ाई को और तेज कर दिया है।

कांग्रेस ने खेड़ा का समर्थन करते हुए इस मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है।

दिल्ली सरकार ने प्रवासी मजदूरों के लिए एलपीजी सिलेंडर दोगुना किए, विशेष आउटरीच अभियान शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रवासी मजदूरों को सस्ता और आसान एलपीजी उपलब्ध कराने के लिए एक बड़ी पहल शुरू की है। केंद्र सरकार द्वारा दिए गए नए आवंटन के बाद दिल्ली में 5 किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडरों की रोजाना उपलब्धता को दोगुना कर दिया गया है। अब प्रतिदिन 684 सिलेंडरों के बजाय 1,368 सिलेंडर उपलब्ध होंगे।भारत सरकार ने 'प्रवासी मजदूर' श्रेणी के तहत 5 किलोग्राम वाले एफटीएल सिलेंडरों के आवंटन में 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। इसी के अनुरूप दिल्ली सरकार ने 7 अप्रैल को जारी आदेश में इस बढ़े हुए कोटे को लागू कर दिया है। इस फैसले से दिल्ली में रहने वाले लाखों प्रवासी मजदूरों को खाना पकाने के ईंधन की उपलब्धता आसान हो जाएगी।

सरकार ने बढ़े हुए आवंटन की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए विशेष आउटरीच अभियान शुरू करने का फैसला किया है। सभी जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रवासी मजदूरों की अधिक आबादी वाले इलाकों में विशेष शिविर आयोजित करें। जिन मजदूरों को सिलेंडर लेने में कोई दिक्कत आ रही है, वे अपने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं और अपने क्षेत्र में शिविर लगाने का अनुरोध कर सकते हैं।ये विशेष शिविर तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के अधिकृत एलपीजी वितरकों के माध्यम से चलाए जाएंगे। पात्र प्रवासी मजदूर आधार कार्ड जमा करके और भुगतान कर 5 किलोग्राम का एफटीएल सिलेंडर आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। जिला प्रवर्तन टीमें मांग का आकलन करने और पूरे वितरण प्रक्रिया की निगरानी करने का काम करेंगी, ताकि व्यवस्था पारदर्शी और कुशल बनी रहे।

भारतीय स्टील इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 26 में दर्ज की 10.7 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। भारत की स्टील इंडस्ट्री का उत्पादन वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत बढ़कर 168.4 मिलियन टन हो गया है। इससे विश्व के दूसरे सबसे बड़े स्टील उत्पादक के रूप देश का आधार मजबूत हुआ है। यह जानकारी स्टील मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई।

मंत्रालय के मुताबिक, वित्त वर्ष 26 में घरेलू मांग प्रमुख विकास चालक बनी रही, जिसमें तैयार स्टील की खपत 164 मिलियन टन रही, जो बुनियादी ढांचे, निर्माण, रेलवे और विनिर्माण क्षेत्रों में बढ़ी हुई गतिविधि के कारण लगभग 7-8 प्रतिशत तक बढ़ गई।

बयान में कहा गया कि सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और शहरीकरण पर लगातार जोर देने से इस अवधि के दौरान स्टील की खपत में बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की एक प्रमुख उपलब्धि भारत का मजबूत निर्यात प्रदर्शन रहा। अप्रैल-मार्च के दौरान तैयार इस्पात का निर्यात 35.9 प्रतिशत बढ़कर 60 लाख टन से अधिक हो गया, जबकि आयात में 31.7 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। बयान में बताया गया है कि इस बदलाव से भारत ने स्टील के शुद्ध निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति पुन: प्राप्त कर ली है और मध्य पूर्व, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया जैसे वैश्विक बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत की है।

बाजारों के विविधीकरण और भारतीय स्टील उत्पादों की बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता ने भी निर्यात में वृद्धि को बढ़ावा दिया।

वित्त वर्ष 26 उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उद्योग में निरंतर निवेश जारी रहा। इस दौरान भारत की कुल स्टील उत्पादन क्षमता बढ़कर 2.2 करोड़ टन तक पहुंच गई और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के निवेशों के समर्थन से 2030 तक 3 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है।

सेल, टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी प्रमुख कंपनियों ने क्षमता विस्तार, टेक्नोलॉजी अपग्रेड और वैल्यू एडेड स्टील उत्पादन में निवेश जारी रखा, जो दीर्घकालिक मांग वृद्धि में उनके विश्वास को दर्शाता है। भारत में स्टील की कीमतों में पिछले तीन वर्षों में गिरावट देखी गई।

बिहार : बांका में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, पिस्टल व उपकरणों के साथ एक गिरफ्तार

बांका । बिहार के बांका जिले में पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण के एक बड़े गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया है। धोरैया थाना क्षेत्र के सरवा गांव में चल रही अवैध हथियार फैक्ट्री से दो अर्द्धनिर्मित पिस्टल, पिस्टल के पुर्जे और हथियार बनाने के कई उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मौके से आरोपी बोध नारायण मंडल को गिरफ्तार कर लिया है।

मंगलवार को एसटीएफ पटना की आर्म्स सेल से मिली गुप्त सूचना के आधार पर बांका पुलिस ने यह कार्रवाई की। बुधवार को बौसी एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष छापेमारी दल ने सरवा गांव स्थित आरोपी बोध नारायण मंडल (48 वर्ष) के घर पर छापा मारा।

छापे के दौरान पुलिस को दो अधूरी पिस्टल, पिस्टल का बैरल, स्लाइड, बट सहित कई अन्य पुर्जे बरामद हुए। इसके अलावा लेथ मशीन के पार्ट्स, ग्राइंडर, ड्रिल बीट, डाई, सात जिंदा कारतूस (एचपीएम 32) और हथियार निर्माण के अन्य औजार भी जब्त किए गए। आरोपी बोध नारायण मंडल को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। इस मामले में धोरैया थाना कांड संख्या 101/26 के तहत आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने बताया कि यह अवैध फैक्ट्री काफी समय से चल रही थी और यहां स्थानीय स्तर पर पिस्टल जैसी घातक हथियार बनाए जा रहे थे। बरामद सामग्री की कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। छापेमारी दल में धोरैया थानाध्यक्ष अमित कुमार, पुअनि आसिफ अख्तर और एसटीएफ आर्म्स सेल के सदस्य शामिल थे। पुलिस अब इस अवैध हथियार नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। जांच में यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये हथियार कहां सप्लाई किए जा रहे थे और कितने समय से यह गोरखधंधा चल रहा था।

बांका पुलिस अधीक्षक ने इस सफल कार्रवाई पर टीम को बधाई दी है और कहा है कि जिले में अवैध हथियारों और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि किसी को ऐसी कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए केंद्रीय और राज्य बलों की 150 कंपनियों को तैनात किया जाएगा

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को सूचित किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के निर्देशानुसार राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के दोनों चरणों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) और अन्य राज्यों की सशस्त्र पुलिस शाखाओं सहित अतिरिक्त बलों की 150 कंपनियां तैनात करने का निर्णय लिया गया है।

इससे पहले 20 मार्च को चुनाव आयोग ने बताया था कि पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के दोनों चरणों में सीएपीएफ, आईआरबी और अन्य राज्यों की सशस्त्र पुलिस शाखाओं सहित कुल 2,400 बल कंपनियां तैनात की जाएंगी।

अब गृह मंत्रालय के नए निर्देश के अनुसार राज्य चुनावों के दोनों चरणों में तैनात किए जाने वाले बलों की कुल संख्या 2,550 होगी। तैनात की जाने वाली 150 अतिरिक्त कंपनियों में से 95 कंपनियां सीएपीएफ की होंगी और शेष 55 कंपनियां आईआरबी और अन्य राज्यों की सशस्त्र पुलिस शाखाओं की होंगी। 85 सीएपीएफ कंपनियों में से 32 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की, 55 सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की, छह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की और दो सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की होंगी।

20 मार्च को जारी चुनाव आयोग के पिछले आदेश के अन्य प्रावधान यथावत रहेंगे। चुनाव आयोग के पिछले आदेश के अनुसार, 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान समाप्त होने के बाद, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम), स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्रों की सुरक्षा के लिए सीएपीएफ की 200 कंपनियां मतदान वाले राज्य में तब तक तैनात रहेंगी।

जेम पोर्टल पर खरीद में उत्तर प्रदेश सबसे आगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेम पोर्टल पर उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में किए गए क्रय एवं 26 नवंबर, 2024 को जारी की गई जेम क्रय नीति की बुधवार को समीक्षा की। इस दौरान सीएम ने कहा कि भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश की जेम क्रय नीति की सराहना की।

समीक्षा के दौरान सीएम को अवगत कराया गया कि केंद्र सरकार ने इसे आदर्श नीति घोषित करते हुए अन्य प्रदेशों को भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने को कहा। इस नीति से शासकीय क्रय में शुचिता, पारदर्शिता व समावेशिता में भारी वृद्धि हुई, जिससे प्रदेश सरकार को निरंतर आर्थिक व सामाजिक लाभ भी प्राप्त हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इसको लेकर प्रसन्नता व्यक्त की कि जेम पोर्टल पर खरीद में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 22,337 करोड़ की खरीद जेम पोर्टल द्वारा की गई, जो सरकार की पारदर्शी नीति को प्रमाणित करती है। उत्तर प्रदेश द्वारा खरीद में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों का योगदान 43 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गया है। इस बढ़ोतरी में उत्तर प्रदेश आधारित सूक्ष्म व लघु उद्योग का योगदान 82 प्रतिशत पाया गया है।

ह्यमुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जेम पोर्टल के रिवर्स ऑक्शन पद्धति द्वारा 9700 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई। इसके साथ ही महिला उद्यमियों के व्यवसाय में 44 प्रतिशत, एससी-एसटी उद्यमियों के व्यवसाय में 48 प्रतिशत एवं स्टार्टअप उद्यमियों के व्यवसाय में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस पारदर्शी प्रक्रिया के कारण शासकीय क्रय प्रक्रियाओं में शिकायतों में भी 80 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई, जिससे क्रय प्रक्रिया त्वरित एवं प्रभावी हो सकी।

बेहतर जेम क्रय प्रणाली के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश के क्रेताओं को कुल 42,648 करोड़ का व्यवसाय प्राप्त हुआ। इसमें से इन्हें 15,617 करोड़ का व्यवसाय उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुआ, जबकि शेष 27 हजार से अधिक का व्यवसाय केंद्र सरकार व अन्य राज्यों द्वारा मिला। यह राज्य सरकार के विक्रेताओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को दर्शाता है।

शेष पेज - 01

तमिलनाडु में चुनाव से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, मुख्य सचिव हटाए गए...

ताकि निष्पक्ष माहौल बना रहे और सभी राजनीतिक दलों को बराबरी का अवसर मिल सके।

तमिलनाडु में इस समय चुनावी गतिविधियां तेज हैं और सभी प्रमुख पार्टियां प्रचार के अंतिम चरण में हैं। ऐसे में आयोग की यह कार्रवाई स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इन अचानक हुए शीर्ष स्तर के बदलावों का असर प्रशासन और चुनावी तैयारियों पर तुरंत पड़ने की संभावना है, क्योंकि नए अधिकारी संवेदनशील समय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालेंगे।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर रखा बरकरार...

हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है और देश की मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक स्थिर और सक्षम है।

मौद्रिक नीति समिति ने यह भी संकेत दिया कि मुद्रास्फीति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन इसमें बढ़ोतरी का जोखिम बना हुआ है। मौसम में अनिश्चितता के चलते खाद्य कीमतों में उछाल आ सकता है, जबकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें चालू खाता घाटे को बढ़ा सकती हैं। ऐसे में आरबीआई ने फिलहाल 'वेट एंड वॉच' यानी स्थिति पर नजर रखने की रणनीति अपनाना उचित समझा है।

आरबीआई का मानना है कि मौजूदा हालात में जल्दबाजी में ब्याज दरों में बदलाव करने के बजाय स्थिति का आकलन करना ज्यादा समझदारी भरा कदम है। केंद्रीय बैंक ने संतुलित रुख अपनाते हुए एक ओर महंगाई को नियंत्रित रखने और दूसरी ओर आर्थिक विकास को समर्थन देने की कोशिश की है।

युद्ध विराम के बाद शेयर बाजार ने लगाई बड़ी छलांग...

लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में मजबूत बढ़त देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2,198.95 अंक या 4.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56,799.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 694.75 अंक या 4.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,538.05 पर था। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई गेनर्स थे। केवल टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड ही लाल निशान में बंद हुए।

बाजार में तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप लगभग 17 लाख करोड़ रुपए बढ़कर करीब 446 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 429 लाख करोड़ रुपए था।

वेंचुरा के रिसर्च हेड विनीत बोलिंजकर ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध विराम से जोखिम में सुधार हुआ है और इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट आई है।

उन्होंने आगे कहा कि निवेशकों को अपने पोर्टफलियो में ऐसे लार्जकैप को शामिल करना चाहिए, जिनकी आय मजबूत हो।

युद्ध विराम के ऐलान के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 14 प्रतिशत कम होकर 94 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

शराब घोटाला- सौम्या और तांत्रिक केके की जेल से रिहाई, हाईकोर्ट से मिली थी जमानत...

इस तरह उसने आपराधिक षड़यंत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए पूरे सिंडिकेट को सहयोग किया।

चालान के मुताबिक तांत्रिक कृष्ण कुमार श्रीवास्तव उर्फ केके श्रीवास्तव की भूमिका भी जांच में अहम पाई गई है। उस पर आरोप है कि, उसने सिंडिकेट के अवैध उगाही तंत्र के जरिए कैश के उठाव, एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना, उसके प्रबंधन, निवेश और घोटाले की रकम को खपाने में सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर अवैध धन अर्जित किया।

चालान में सौम्या चौरसिया, तांत्रिक के.के. श्रीवास्तव और देवेंद्र डडसेना की भूमिका की जानकारी दी गई है।

चालान में सौम्या चौरसिया, तांत्रिक के.के. श्रीवास्तव और देवेंद्र डडसेना की भूमिका की जानकारी दी गई है।

सौम्या चौरसिया पर पद के दुरुपयोग का आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपसचिव रही सौम्या चौरसिया पर आरोप है कि, उन्होंने अपने शासकीय पद का दुरुपयोग करते हुए शराब घोटाले से जुड़े सिंडिकेट को संरक्षण, समन्वय, प्रशासनिक सुविधा और समर्थन दिया।

जांच में उनकी सक्रिय संलिप्तता, अवैध लाभ और षड़यंत्र के जरिए शासन को राजस्व में भारी नुकसान पहुंचाने की भूमिका प्रमाणित होने का दावा किया गया है।

EOW का दावा- साजिश और अवैध लाभ के पुख्ता सबूत

EOW ने बताया कि केस में संलिप्त अन्य शासकीय, अशासकीय और राजनीतिक व्यक्तियों के साथ-साथ संबंधित संस्थाओं, फर्मों और कंपनियों के खिलाफ जांच अभी जारी है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे भी अलग-अलग अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किए जाएंगे।

सरकार किसान भाइयों-बहनों के हितों को हमेशा प्राथमिकता देती है : पीएम मोदी...

इनमें कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1,720 मेगावाट) और कलाई-II जलविद्युत परियोजना (1,200 मेगावाट) शामिल हैं।

पीएम मोदी ने लिखा, 'कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के साथ हम भारत के स्वच्छ ऊर्जा इकोसिस्टम को मजबूत कर रहे हैं और अरुणाचल प्रदेश में एकीकृत विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में बताया, 'पूर्वोत्तर में स्वच्छ ऊर्जा और विकास को बड़ा बढ़ावा। अरुणाचल प्रदेश में कलाई-II जलविद्युत परियोजना की मंजूरी से बिजली आपूर्ति मजबूत होगी, सतत ऊर्जा का उत्पादन होगा और क्षेत्र में बुनियादी ढांचा व अवसर बढ़ेंगे।

इन परियोजनाओं से हजारों मेगावाट स्वच्छ बिजली का उत्पादन होगा, जिससे राष्ट्रीय ग्रिड मजबूत होगा और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण (फेज-2) को मंजूरी दी गई। पीएम मोदी ने लिखा, 'जयपुर एक बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड के लिए तैयार है। जयपुर मेट्रो फेज-2 को कैबिनेट की मंजूरी मिली है।

आई-गॉट में सभी विभागों को ऑन-बोर्ड होना जरूरी: मुख्य सचिव

सभी अधिकारी कर्मचारी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होंगे

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य शासन के सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट ट्रेनिंग कार्यक्रम से अपने विभाग को अनिवार्य रूप से ऑन-बोर्ड कर लें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ऑन-बोर्ड हो जाये मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होने को कहा है। राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभागीय स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे अपने-अपने विभाग की आवश्यकता अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स तय कर लें, जिससे उन्हे प्रशिक्षित किया जा सके। आई-गॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत साधना सप्ताह के मौके पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य शासन के विभागों के प्रमुख अधिकारी सहित विभागीय सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव, अनुभाग अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी जिलों के प्रमुख अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए।

कार्यशाला के प्रारंभ में बताया गया की कर्मचारियों को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म आई-गॉट और ई-एच.आर.एम.एस. से जुड़ते हुए उनकी क्षमता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि 'आई-गॉट' प्लेटफॉर्म पर ए.आई का उपयोग बढ़ रहा है और यह कर्मचारियों को स्मार्ट एवं प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने शत् प्रतिशत ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने पर जोर दिया। कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों को यह भी अवगत कराया गया कि प्रशिक्षण केवल कौशल विकास तक ही नहीं, बल्कि जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे प्रत्येक कर्मचारी अपने विभाग की योजनाओं और कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।

छात्रों को मिलेगा 5 किलो का सिलेंडर, बस इन दस्तावेजों की पड़ेगी जरुरत...

रायपुर। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर कलेक्टरेट परिसर में एलपीजी गैस वितरकों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने स्पष्ट किया कि जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक है, लेकिन वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए कुछ कड़े फैसले लिए गए

प्रशासन ने बाहर से आकर पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है।

नियम: अब विद्यार्थी अपने आधार कार्ड और निवास प्रमाण पत्र दिखाकर गैस एजेंसियों से सीधे 5 किलो का छोटा सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें लंबे आधिकारिक कागजी काम की जरूरत नहीं होगी।

बुकिंग के लिए अब करना होगा इंतजार

वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए प्रशासन ने रिफिल बुकिंग के समय में बदलाव किया है:

शहरी क्षेत्र एक सिलेंडर लेने के 25 दिन बाद ही अगली बुकिंग की जा सकेगी।

ग्रामीण क्षेत्र ग्रामीणों को अगली बुकिंग के लिए 45 दिन का इंतजार करना होगा।

रोक: वर्तमान में नए गैस कनेक्शन और सिंगल से डबल कनेक्शन करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

अपर कलेक्टर ने साफ किया कि एम्स, मेकाहारा अस्पताल, वृद्धाश्रम और अनाथालयों में गैस की सप्लाई किसी भी सूरत में बाधित नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि: डिलीवरी कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

नियमों के विरुद्ध सिलेंडर लेने या बाधा डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

03 वर्षीय मासूम के गले का सफल ऑपरेशन, निकाला गया सिक्का

ईएनटी, एनेस्थीसिया और पीडियाट्रिक टीम की तत्परता से टली बड़ी दुर्घटना

रायपुर। जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की सजगता और त्वरित चिकित्सा व्यवस्था से एक 03 वर्षीय मासूम की जान बचाने में बड़ी सफलता मिली है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि मुंगेली विकासखंड के ग्राम कोसमतरा निवासी 03 वर्षीय हिमांशी साहू ने खेल-खेल में अचानक एक सिक्का निगल लिया, जो उसके गले की आहार नली में सिक्का फंस गया। परिजनों ने तत्काल बच्ची को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां एक्स-रे जांच में पुष्टि हुई कि बच्ची के गले की आहार नली में सिक्का फंसा हुआ है। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने बिना देर किए दूरबीन (एंडोस्कोपिक) तकनीक से सफल ऑपरेशन कर बच्ची के गले से सिक्का सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सिविल सर्जन डॉ. एम.के. राय ने बताया कि समय पर मिली चिकित्सा सहायता से बच्ची सुरक्षित है और अब पूरी तरह स्वस्थ है।

जिला चिकित्सालय के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कमलेश सत्यपाल, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार बेलदार एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मधु ध्रुव सहित पूरी टीम ने दूरबीन (एंडोस्कोपिक) तकनीक से सफल ऑपरेशन कर बच्ची के गले से सिक्का सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

बिजली जीवन का अहम अंग, इसकी साइबर सुरक्षा के प्रति अलर्ट रहना आवश्यक : एमडी शुक्ला

7वीं वेस्टर्न रीजन साइबर सिक्योरिटी को-ऑर्डिनेशन फोरम की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज मुख्यालय, डंगनिया स्थित राज्य भार प्रेषण केंद्र में राष्ट्रीय स्तर की 7वीं वेस्टर्न रीजन साइबर सिक्योरिटी को-ऑर्डिनेशन फोरम की बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानव जीवन में पहले पंचतत्व—भूमि, गगन, वायु, अग्नि और नीर—को महत्वपूर्ण माना जाता था, किंतु वर्तमान समय में बिजली को छठवां तत्व माना जा सकता है, क्योंकि इसके बिना विकास और सुख-सुविधाओं की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली के उत्पादन से लेकर पारेषण एवं वितरण तक पूरा तंत्र कंप्यूटरीकृत प्रणाली पर ऑपरेट होता है, ऐसे में साइबर हमलों के प्रति सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। दो दिवसीय बैठक के उद्घाटन सत्र में मुख्य अभियंता शारदा सोनवानी ने स्वागत भाषण दिया। प्रथम दिवस में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए साइबर सुरक्षा से बचाव के लिए केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुपालन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में ग्रिड इंडिया के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी टी. श्रीनिवास ने कहा कि वर्तमान में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ऑनलाइन प्रणाली पर संचालित हो रही है, ऐसे में पूरे तंत्र की साइबर सुरक्षा, उसकी मॉनिटरिंग एवं फॉलो-अप अत्यंत आवश्यक है। वहीं, डब्ल्यूआरएलडीसी के सत्येंद्र रघुवंशी ने कहा कि साइबर स्वच्छता हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। इसके लिए सभी राज्यों को अपने डेटा को सुरक्षित रखते हुए निर्धारित मानकों एवं गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करना चाहिए।

बैठक में छत्तीसगढ़ सहित महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, गोवा, दमन एवं दीव के राज्य भार प्रेषण केंद्रों के वरिष्ठ अधिकारी भी आनलाइन व प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए। दूसरे सत्र में छत्तीसगढ़ की जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के अधिकारी साइबर सुरक्षा सत्रों में अपनी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा किया। साथ ही ग्रिड इंडिया एवं एनटीपीसी के विशेषज्ञ साइबर सुरक्षा की चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस को चकमा देकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जलाया असम मुख्यमंत्री का पुतला

रायपुर । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व शर्मा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी चौक के पास एकत्रित होकर असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके पुतले का दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पुतला दहन रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रणनीति के तहत पहले एक पुतला जलाया, जिसे पुलिस ने छीन लिया। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने पुलिस को चकमा देते हुए दूसरा पुतला आग के हवाले कर दिया और अपना विरोध दर्ज कराया।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने शीर्ष नेतृत्व के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भाजपा नेताओं द्वारा इस प्रकार की भाषा का प्रयोग बंद नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगी।

इस अवसर पर कुलदीप जुनेजा पंकज शर्मा आकाश शर्मा दिनेश ठाकुर जी श्रीनिवास सुनील भुवाल अविनय दुबे बंशी कन्नौजे हीरेंद्र देवांगन ओम श्रीवास विनोद ठाकुर सुधा सरोज सुयश शर्मा मिलिंद गौतम कमल धृतरलहरे जसबीर ढिल्लन मुन्ना मिश्रा प्रवीण चंद्राकर वेंकट कुमार ईश्वर चक्रधारी आकाश दीवान डूमेंद्र दीप अनीश मनिहार प्रदीप देवांगन हाजरुन बानो राजू यादव गणेश साहू दिवाकर साहू सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय ने रायपुर जिला बार एसोसिएशन चुनाव 2026 पर लगा दी रोक

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रायपुर जिला बार एसोसिएशन के होने वाले चुनाव पर 17 अप्रैल तक रोक लगा दी है। इस फैसले के बाद बार एसोसिएशन की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पर ब्रेक लग गया। रायपुर जिला बार एसोसिएशन प्रदेश के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण संघों में से एक है। चुनाव पर रोक लगने से अधिवक्ताओं को झटका लगा है

मिली जानकारी के अनुसार, उच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि न्याय क्षेत्र में महिलाओं का योगदान पुरुषों के बराबर है, ऐसे में पुरुषों के लिए का कोई वैधानिक आधार नहीं बनता है। मुख्य चुनाव अधिकारी रामनारायण व्यास ने बताया कि कोर्ट ने 17 अप्रैल तक चुनाव पर रोक लगा दी

क्या होगा ?

उच्च न्यायालय मामले की अगली सुनवाई तक चुनावी गैर-सरकारी संगठन की नज़रें अब कोर्ट के विस्तृत आदेश पर टिकी है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन : स्कॉर्पियो में बैठकर फिनिश लाइन तक पहुंचीं 2 खिलाड़ी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में 22 मार्च को बस्तर हेरिटेज मैराथन-2026 का आयोजन किया गया था। जिसमें मेहनत की नहीं, बल्कि 2 खिलाड़ियों ने 'जुगाड़' की बदौलत दौड़ पूरी की थी। 42 किलोमीटर की मैराथन में 2 महिला प्रतिभागी गाड़ी के सहारे फिनिश लाइन तक पहुंची और जीत हासिल की। दरअसल, जगदलपुर के लालबाग मैदान से चित्रकोट जलप्रपात तक 42 किमी की दौड़ हुई थी। लोहंडीगुड़ा की प्रतिभागी प्रमिला मंडावी ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि, दूसरे और तीसरे स्थान पर रही नेहा और कौशल्या नेताम ने दौड़ के दौरान वाहन का इस्तेमाल किया।

शिकायत के बाद जब प्रशासन हरकत में आया और जांच शुरू की गई, तो CCTV फुटेज में लड़कियां गाड़ी में बैठी नजर आई। अब उनकी प्राइज मनी रुकवा दी गई है। जिन्होंने दौड़कर जीत हासिल की उन्हें प्राइज नहीं दिया जाएगा।

युवाओं में असुरक्षा और बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के कारण अवसाद के निरंतर मामले आ रहे सामने: डॉ सोनिया

रायपुर । महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में युवा पीढ़ी और अवसाद विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन हुआ इस महत्वपूर्ण विषय में प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉक्टर सोनिया परियल विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शिरकत की वहीं आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी ,आइक्यूएसी सेल के डॉ प्रेमचंद्राकार डॉ शांतनु पाल सहित प्राध्यापकों की विशेष मौजूदगी रही महाविद्यालय के बच्चों में विषय को रेखांकित करने के लिए यह आयोजन किया गया था इस विषय पर विचार रखते हुए विशेषज्ञ वक्ता डॉ सोनिया परियल ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में युवाओं में अवसाद के मामले असुक्षा और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण सामने आ रहे हैं उनका कहना था कि अवसाद की कई स्वरूप हो सकते हैं इन स्वरूपों के चलते पीड़ित व्यक्ति में कई प्रकार की शारीरिक दुर्बलताएं सामने आती है जिन्हें काउंसलिंग और दवा के माध्यम से ठीक किया जाता है डॉ परियल ने अवसाद से जुड़े कई रोचक प्रसंग को प्रस्तुत करते हुए जीवंत तरीके से इस बीमारी से निपटने के तरीके बताएं उनका कहना था कि एक दौर था चर्चित अभिनेत्री दीपिका पादुकोण डिप्रेशन के शिकार हुई थी परन्तु अभिनेत्री ने मनोचिकित्सक की सहायता से अवसाद की बीमारी से लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की आज वह एक सफल अभिनेत्री के रूप में मौजूद हैं परियल का मानना है की दुनिया के 90% लोग किसी न किसी मानसिक अस्वस्थता के शिकार हैं उन्होंने बताया कि मनुष्य का मस्तिष्क कंप्यूटर की तरह कार्य करता है जिसमें एक वक्त में परेशानी आ सकती है ऐसे में मनुष्य के सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट को धैर्य ,संयम प्रेम, सहायता और पारिवारिक सामांजस्य के माध्यम से अवसाद के मामलों से बचाया जा सकता है आत्महत्या के बढ़ते मामलों में ज्यादातर प्रकरण अवसाद के कारण सामने आते हैं इसलिए जरूरी है कि सामाजिक, आर्थिक शिक्षा गरीबी ,भुखमरी इत्यादि मामलों मैं एक विशेष माहौल बनाकर सहयोग का वातावरण तैयार किया जाए तो अवसाद के मामले कम किया जा सकते हैं ।

रजिस्ट्रार दुर्गावती कुंजाम सस्पेंड, यूनियन ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

छत्तीसगढ़ नर्सिंग काउंसिल में बड़ी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नर्सिंग काउंसिल रजिस्ट्रार दुर्गावती कुंजाम को निलंबित कर दिया गया है। प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों को नियमों के विरुद्ध मान्यता देने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद यह कदम उठाया गया है। वहीं, यूनियन अध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने इस मामले में संलिप्त इंस्पेक्शन कमेटी के अधिकारियों को भी तत्काल बर्खास्त करने की मांग उठाई है।

नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी है। बिना अस्पताल और कैंपस वाले कॉलेजों को मान्यता मिलने से भविष्य में प्रदेश को ऐसे नर्स और स्वास्थ्यकर्मी मिलेंगे जिन्हें प्रैक्टिकल ज्ञान नहीं होगा। यह न केवल छात्रों के भविष्य बल्कि मरीजों की जान के साथ भी खिलवाड़ है।

बिना मान्यता और कैंपस के चल रहे थे कॉलेज

यूनियन अध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने बताया कि पिछले 25 वर्षों में प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की संख्या 150 तक पहुंच गई है। रायपुर के बजाज कॉलोनी और धमतरी जैसे इलाकों में कई कॉलेज एक ही कैंपस में संचालित हो रहे हैं।

बिहार में जाली नोटों पर सख्ती, भारत-नेपाल सीमा के बैंकों में लगेंगी 'नोट सॉर्टिंग मशीनें'

पटना। बिहार में जाली नोटों के कारोबार को रोकने के लिए सरकार ने पहल शुरू की है। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने भारत-नेपाल सीमा के समीप स्थित बैंक शाखाओं में 'नोट सॉर्टिंग मशीन' अनिवार्य रूप से लगाए जाने के निर्देश दिए हैं, जिससे जाली नोटों के संचलन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

मुख्य सचिव ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और आम जनता की सुविधा के लिए अधिक से अधिक 'करेंसी एक्सचेंज' केंद्र स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बुधवार को '40वीं राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक' की अध्यक्षता करते हुए यह भी कहा कि राज्य में सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और सुधार के लिए नियमित अंतराल पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएं।

बैठक में 'बैनिंग ऑफ अनरेगुलेटेड डिपॉजिट स्कीम्स' एक्ट 2019 और 'बिहार प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट्स ऑफ डिपॉजिटर्स' एक्ट 2002 के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की गई तथा आर्थिक अपराध इकाई को दोषी संस्थाओं के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद ने बताया कि अब बैंकों द्वारा की जाने वाली वास्तविक कॉल '1600' से शुरू होने वाले नंबरों से आएंगी। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि बैंकों की आधिकारिक वेबसाइट के लिंक के अंत में 'आई एन (इन)' होना अनिवार्य है, जिससे आम जनता असली और नकली वेबसाइट के बीच अंतर कर सके। उन्होंने बताया कि वित्त विभाग और आरबीआई द्वारा सोशल मीडिया, रेडियो जिंगल्स (मैथिली और भोजपुरी) और समाचार पत्रों के माध्यम से धोखाधड़ी के प्रति निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

आरबीआई ने 'डिजिटल पेमेंट्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म' के बारे में बताया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से वास्तविक समय में धोखाधड़ी का पता लगाने और संदिग्ध संस्थाओं को चिह्नित करने में सक्षम है। बैठक में वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर और विशेष सचिव मुकेश कुमार लाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल । दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति ली जे म्युंग द्वारा उत्तर कोरिया में कुछ व्यक्तियों द्वारा ड्रोन उड़ाने पर खेद व्यक्त करने के बाद उत्तर कोरिया ने लगातार दो मिसाइलें दागीं।

ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि उन्होंने उत्तर कोरिया के वॉनसन इलाके से सुबह करीब 8:50 बजे मिसाइलों का पता लगाया। ये मिसाइलें लगभग 240 किलोमीटर दूर तक गईं। यह इस साल उत्तर कोरिया द्वारा किया गया चौथा पुष्ट बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण (लांच) था।

जेसीएस ने कहा, 'हमारी सेना दक्षिण कोरिया और अमेरिका की संयुक्त रक्षा रणनीति के तहत उत्तर कोरिया की विभिन्न गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही है और किसी भी उकसावे का करारा जवाब देने की क्षमता और तैयारी बनाए रखती है। जेसीएस ने आगे कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने प्रक्षेपण की गतिविधि पर नजर रखी और संबंधित जानकारी आपस में साझा की। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया द्वारा मंगलवार को प्योंगयांग इलाके से एक अज्ञात मिसाइल दागे जाने के ठीक एक दिन बाद हुआ है, जिसका विश्लेषण दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।

माना जाता है कि मंगलवार सुबह दागी गई यह मिसाइल प्रक्षेपण के तुरंत बाद गायब हो गई, जो स्पष्ट रूप से विफलता का मामला है।

सोमवार को राष्ट्रपति ली द्वारा उत्तर कोरिया में ड्रोन उड़ाने की घटनाओं पर खेद व्यक्त करने के बाद लगातार दो ड्रोन लॉन्च किए गए। कैबिनेट की बैठक में ली ने ड्रोन उड़ानों पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इन घटनाओं से प्योंगयांग के साथ अनावश्यक सैन्य तनाव पैदा हुआ है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, ली की यह टिप्पणी अभियोजकों द्वारा पिछले सप्ताह सितंबर से जनवरी के बीच उत्तर कोरिया में ड्रोन उड़ाने के आरोपी तीन व्यक्तियों पर अभियोग लगाने के बाद आई है।

कैबिनेट ने खरीफ सीजन 2026 के लिए फॉस्फेट और पोटेशियम उर्वरकों पर 41,533 करोड़ रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को खरीफ सीजन 2026 (01 अप्रैल, 2026 से 30 सितंबर, 2026 तक) के लिए फॉस्फेट और पोटेशियम (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरें निर्धारित करने के उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

कैबिनेट नोट के मुताबिक, खरीफ सीजन 2026 के लिए अनुमानित बजटीय आवश्यकता लगभग 41,533.81 करोड़ रुपए होगी, जो खरीफ सीजन 2025 के बजटीय आवश्यकता से लगभग 4,317 करोड़ रुपए अधिक है। खरीफ सीजन 2025 का बजट 37,216.15 करोड़ रुपए था।

इस मंजूरी से किसानों को रियायती, किफायती और उचित कीमतों पर उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही, उर्वरकों और अन्य सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हाल के रुझानों को देखते हुए फॉस्?फेट और पोटेशियम उर्वरकों पर दी जाने वाली सब्सिडी तर्कसंगत हो सकेगी। डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड सहित फॉस्?फेट और पोटेशियम उर्वरकों पर सब्सिडी खरीफ सीजन 2026 के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को ये उर्वरक किफायती कीमतों पर आसानी से उपलब्ध हो सकें।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी सफलता; स्थापित हुआ 1,360 मीट्रिक टन वजनी बीम

अहमदाबाद । मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट ने 1,360 मीट्रिक टन वजनी बीम को सफलतापूर्वक स्थापित कर मील का पत्थर हासिल किया। यह जानकारी बुधवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से दी गई।

इसे गुजरात के मणिनगर इलाके में स्थापित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के सबसे अधिक वजनी बीम में से एक को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। इसे लेकर 3.5 घंटे में लगाया गया है।

पोर्टल बीम की लंबाई 34 मीटर है और इसका क्रॉस सेक्शन 5.5 मीटर चौड़ा और 4.5 मीटर लंबा है।अधिकारियों ने बताया कि मणिनगर रेलवे स्टेशन के पास कुल पांच ऐसे बीम लगाने की योजना है।

प्रत्येक बीम को पूर्वनिर्मित रूप में मौके पर ही तैयार किया जाता है और एक एकीकृत भारी इकाई के रूप में स्थापित किया जाता है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 'पूरी लॉन्चिंग प्रक्रिया बेहद कम समय में, लगभग साढ़े तीन घंटे में, सख्त सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पूरी की गई। यह ऑपरेशन भारतीय रेलवे के समन्वय से, यातायात और बिजली पूरी तरह बंद रखते हुए किया गया।

लिफ्टिंग ऑपरेशन 2,200 मीट्रिक टन क्षमता वाली क्रॉलर क्रेन का उपयोग करके किया गया, जिसमें 260 टन की स्टैंडबाय क्रेन, 80 टन की क्रेन, मैन लिफ्टर और एंकरिंग फ्रेम के साथ एक लिफ्टर बीम सिस्टम की सहायता ली गई।

इस व्यवस्था में भारी भार को सुरक्षित रूप से संभालने के लिए 75 मिमी व्यास के प्रीस्ट्रेस्ड मैकलॉय बार, लिफ्टिंग बीम और हेवी-ड्यूटी स्लिंग का उपयोग किया गया।

अधिकारियों ने इसमें शामिल इंजीनियरिंग चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा: 'इस ऑपरेशन में कई इंजीनियरिंग चुनौतियां हैं, जिनमें लगभग 1,360 मीट्रिक टन के अति-भारी भार को उठाना शामिल है - जो भारतीय रेलवे बुनियादी ढांचे पर अब तक किए गए सबसे भारी भारों में से एक है - साथ ही सीमित समय सीमा के भीतर संपूर्ण निर्माण कार्य को पूरा करने की आवश्यकता भी है।

सीमित कार्यक्षेत्र, ओवरहेड उपकरण और कई सक्रिय रेलवे लाइनों के कारण अतिरिक्त जटिलताएं उत्पन्न हुईं, जिसके लिए लगभग 15 मीटर की ऊंचाई पर सटीक स्थापना आवश्यक थी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना, जिसे औपचारिक रूप से मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर कहा जाता है, महाराष्ट्र के मुंबई को गुजरात के अहमदाबाद से जोड़ने वाली 508 किलोमीटर लंबी हाई स्पीड लाइन है।

आईपीएल 2026: केकेआर को राहत, अगले मैच में बतौर गेंदबाज नजर आ सकता है 25.20 करोड़ रुपए का ये खिलाड़ी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज कैमरून ग्रीन लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रीन आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने थे, उन्हें केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा था, उन्होंने टीम के शुरुआती मुकाबलों में एक विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केकेआर को सूचित किया था कि आईपीएल 2026 की शुरुआत में कैमरून ग्रीन एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। सीए ने 30 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ केकेआर के पहले मैच के बाद जारी एक बयान में कहा, 'कैमरून को पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका इलाज चल रहा है, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ समय तक गेंदबाजी से दूर रहने की जरूरत है। कैमरून फिलहाल भारत में अपनी गेंदबाजी का भार धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं, ताकि लगभग 10-12 दिनों में वापसी कर सकें।

बैटिंग ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से 16 मैच खेले थे, जिसमें 50.22 की औसत से 452 रन बनाने के साथ उन्होंने 6 विकेट भी अपने नाम किए थे।

सीबीआई ने जीएसटी रिश्वत मामले में सुपरिटेंडेंट और इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के एक मामले में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) विभाग के एक सुपरिटेंडेंट और एक इंस्पेक्टर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन की मंजूरी के बदले रिश्वत मांगने और लेने का आरोप है।

सीबीआई ने 7 अप्रैल 2026 को जीएसटी, रानीपेट रेंज (तमिलनाडु) के सुपरिटेंडेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी सुपरिटेंडेंट ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन मंजूर कराने के लिए उनसे 30,000 रुपए रिश्वत मांगी थी। मोलभाव के बाद रिश्वत की रकम 15,000 रुपए तय हुई। आरोपी ने शिकायतकर्ता को 7 अप्रैल को ही 15,000 रुपए देने का निर्देश दिया।

सीबीआई ने तुरंत जाल बिछाया और आरोपी सुपरिटेंडेंट को 15,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। ट्रैप की आगे की कार्रवाई के दौरान जीएसटी रानीपेट रेंज के इंस्पेक्टर की संलिप्तता भी सामने आई। जब सीबीआई टीम पहुंची तो आरोपी इंस्पेक्टर ने रिश्वत की नोटों को टॉयलेट के कमोड में छिपा दिया और टीम को देखते ही फ्लश कर दिया। हालांकि, सीबीआई टीम ने तुरंत टॉयलेट से 15,000 रुपए की रकम बरामद कर ली।

दोनों आरोपियों, सुपरिटेंडेंट और इंस्पेक्टर, को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई अब इस पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ऐसे और कौन-कौन से मामले में दोनों शामिल रहे हैं।

सीबीआई के सूचना अनुभाग ने जारी प्रेस रिलीज में कहा कि यह कार्रवाई भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई की जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाती है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सीबीआई लगातार सक्रिय है।

सीबीआई ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी सरकारी अधिकारी द्वारा उनसे रिश्वत मांगी जाए या भ्रष्टाचार का कोई मामला उनके संज्ञान में आए तो वे तुरंत सूचना दें।

यह गिरफ्तारी जीएसटी विभाग में बढ़ रहे भ्रष्टाचार के मामलों पर नकेल कसने की दिशा में सीबीआई की एक और बड़ी सफलता मानी जा रही है।

एस जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री, द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर जोर

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने के लिए ठोस कदम उठाने पर सहमति जताई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के बीच बुधवार को नई दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय वार्ता में वीज़ा सुविधा, ऊर्जा सहयोग और प्रत्यर्पण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जयशंकर ने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक और सकारात्मक तरीके से जुड़ने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों को आपसी सहयोग के नए रास्ते तलाशने चाहिए। दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से सहयोग को और गहरा करने के लिए ठोस प्रस्तावों पर काम किया जाएगा। साथ ही, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के बाद संकेत दिए गए कि दोनों देशों के बीच आगे भी उच्चस्तरीय और आधिकारिक बैठकों का सिलसिला जल्द जारी रहेगा, जिससे सहयोग के नए आयाम विकसित किए जा सकें।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री रहमान ने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी सरकार 'बांग्लादेश फर्स्ट' नीति के तहत अपनी विदेश नीति को आगे बढ़ाएगी, जो आपसी विश्वास, सम्मान और साझा हितों पर आधारित होगी।

वार्ता के दौरान मंत्री जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारतीय वीजा प्रक्रिया, विशेषकर मेडिकल और बिजनेस वीजा, को आने वाले हफ्तों में और सरल बनाया जाएगा।

फ्रांस में भारतीय नौसेना का जलवा, 'हेरिटेज सिटी परेड' में दिखा दमखम

नई दिल्ली । भारतीय नौसेना ने फ्रांस में शानदार मार्चिंग परेड की। भारतीय मार्चिंग दल यहां हेरिटेज सिटी परेड में शामिल हुआ। यह परेड फ्रांसीसी नौसेना के 400 साल पूरे होने के मौके पर सेटे शहर की ऐतिहासिक सड़कों पर निकाली गई। नौसैनिक दल ने यहां हाथों में तिरंगा लेकर शहर की सड़कों पर शानदार मार्च किया, जिसे देखकर वहां मौजूद लोगों ने खूब सराहना की। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी फ्रांस पहुंचा था।

यह भारतीय जहाज फ्रांस के सेटे बंदरगाह पर आयोजित एक बड़े समुद्री महोत्सव में शामिल हुआ। यह महोत्सव हर दो साल में होता है और भूमध्यसागर के सबसे बड़े समुद्री आयोजनों में गिना जाता है, जहां दुनिया भर के जहाज और नौसैनिक एक साथ आते हैं।

भारतीय नौसेना के सुदर्शिनी ने यहां सिर्फ औपचारिक मौजूदगी ही नहीं दिखाई, बल्कि कई गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जहाज के जवानों ने अलग-अलग देशों के नौसैनिकों के साथ मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, ट्रेनिंग वर्कशॉप और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इससे आपसी समझ और दोस्ती और मजबूत हुई।सबसे खास पल तब आया जब भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल हेरिटेज सिटी परेड में शामिल हुआ।

संपादकीय

वैश्विक ऊर्जा संकट और भारत की चुनौतियाँ

महेन्द्र तिवारी

वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व जिस सबसे भयावह और जटिल संकट के मुहाने पर खड़ा है, वह ऊर्जा संकट है। ऊर्जा केवल उद्योगों को चलाने का साधन नहीं है, बल्कि यह आधुनिक सभ्यता की वह धड़कन है जिसके बिना जीवन की गति थम सकती है। आज हम जिस युग में जी रहे हैं, वहाँ सुई से लेकर हवाई जहाज तक और खेत की जुताई से लेकर अंतरिक्ष के अनुसंधानों तक, सब कुछ ऊर्जा पर आश्रित है। ऐसे में ऊर्जा की आपूर्ति में आने वाली कोई भी बाधा सीधे तौर पर मानव अस्तित्व और वैश्विक शांति के लिए चुनौती बन जाती है। यह संकट अचानक उत्पन्न हुई कोई घटना नहीं है, अपितु इसके पीछे दशकों से चली आ रही दोषपूर्ण नीतियां, भू-राजनीतिक वर्चस्व की जंग और संसाधनों का अनियंत्रित दोहन उत्तरदायी है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के क्षेत्रों में निरंतर बढ़ता तनाव और विश्व के प्रमुख समुद्री मार्गों पर मंडराते युद्ध के बादल इस संकट की आग में घी डालने का कार्य कर रहे हैं। जब हम होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की बात करते हैं, तो हमें यह समझना होगा कि यह केवल भूगोल का एक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह विश्व की आर्थिक जीवन-रेखा है। यहाँ से गुजरने वाले तेल के जहाज दुनिया की प्यास बुझाते हैं, और यदि इस मार्ग में तनिक भी अवरोध उत्पन्न होता है, तो उसकी थरथराहट न्यूयॉर्क से लेकर दिल्ली और टोक्यो तक महसूस की जाती है। युद्ध की विभीषिका केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह उन जहाजों को भी अपनी चपेट में ले लेती है जो राष्ट्रों की प्रगति का ईंधन ढो रहे होते हैं। जब आपूर्ति की श्रृंखला टूटती है, तो सबसे पहला प्रहार अर्थव्यवस्था पर होता है। ऊर्जा संसाधनों की कमी के कारण तेल और गैस की कीमतों में जो उछाल आता है, वह संपूर्ण वैश्विक बाजार को अस्थिर कर देता है। कीमतें बढ़ना केवल एक संख्यात्मक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह उस आम नागरिक की थाली पर होने वाला हमला है जो महंगाई के बोझ तले दब जाता है। परिवहन की लागत बढ़ने से अनिवार्य वस्तुओं के दाम आसमान छूने लगते हैं, जिससे निर्धन और मध्यम वर्ग का जीवन दूभर हो जाता है। ऊर्जा संकट का यह आर्थिक पक्ष अत्यंत व्यापक है क्योंकि तेल और प्राकृतिक गैस केवल ईंधन नहीं हैं, बल्कि वे अनेक उद्योगों के लिए कच्चे माल का स्रोत भी हैं। उर्वरक उद्योग पूरी तरह से गैस पर निर्भर है, और यदि गैस महंगी होती है, तो खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अंततः खाद्य सुरक्षा पर संकट मंडराने लगता है। इसी प्रकार दवाइयाँ, वस्त्र और प्लास्टिक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र भी इसी ऊर्जा चक्र का हिस्सा हैं। इसलिए ऊर्जा संकट एक संक्रामक रोग की तरह है जो एक क्षेत्र से शुरू होकर पूरी अर्थव्यवस्था के अंगों को शिथिल कर देता है। पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली राजनीतिक उठा-पटक ने विकसित और विकासशील दोनों तरह के राष्ट्रों की आर्थिक नींव हिला दी है। इस वैश्विक परिदृश्य में भारत की स्थिति अत्यंत संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण है। भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इस तीव्र विकास को बनाए रखने के लिए ऊर्जा की निरंतर और सस्ती आपूर्ति अनिवार्य है। भारत अपनी कच्चा तेल संबंधी आवश्यकताओं का लगभग पचासी प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यह भारी निर्भरता भारत को वैश्विक उतार-चढ़ाव के प्रति अत्यंत असुरक्षित बना देती है। जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घटने लगता है और व्यापार घाटा बढ़ जाता है। इससे न केवल देश की मुद्रा का मूल्य प्रभावित होता है, बल्कि सरकार की विकास योजनाओं के लिए आवंटित धन का एक बड़ा हिस्सा केवल ऊर्जा बिल चुकाने में चला जाता है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि सामरिक भी है। हमें अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए उन क्षेत्रों पर निर्भर रहना पड़ता है जो राजनीतिक रूप से अत्यंत अस्थिर हैं। ऐसे में यदि समुद्री मार्गों पर सैन्य टकराव की स्थिति बनती है, तो भारत के सामने अपनी विशाल जनसंख्या की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का गंभीर संकट खड़ा हो जाता है। इसके अतिरिक्त, ऊर्जा संकट का एक सामाजिक और राजनीतिक आयाम भी है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जहाँ एक बड़ी आबादी अभी भी गरीबी रेखा के आसपास जीवन यापन कर रही है, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि सीधे तौर पर जन-असंतोष को जन्म देती है। जब रसोई गैस महंगी होती है या सार्वजनिक परिवहन का किराया बढ़ता है, तो इसका प्रभाव देश की सामाजिक स्थिरता पर पड़ता है। सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती यह होती है कि वह वैश्विक बाजार की ऊंची कीमतों और घरेलू जनता के हितों के बीच संतुलन कैसे बनाए। यह संतुलन साधना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है क्योंकि एक ओर राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने का दबाव होता है और दूसरी ओर जनता को महंगाई से राहत देने की जिम्मेदारी। यह स्थिति नीति निर्माताओं को इस दिशा में सोचने पर विवश करती है कि क्या हम लंबे समय तक केवल पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रह सकते हैं?

इसी संकट के गर्भ से समाधान की किरणें भी प्रस्फुटित होती हैं। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों ने भारत और विश्व के अन्य देशों को यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि भविष्य केवल नवीकरणीय और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में ही सुरक्षित है।

धोखे की कीमत: कैसे फास्ट फैशन दक्षिण एशिया की आपूर्ति श्रृंखला का शोषण करता है

ईशिका चौहान

फास्ट फैशन का शोषण

किसी ज़ारा स्टोर की शेल्फ पर रखा 500 रुपये का शर्ट एक छोटा, निर्दोष और किफायती फैशन ट्रेंड लगता है, जिसे अधिकांश लोग आसानी से खरीद सकते हैं। लेकिन दक्षिण एशिया में कहीं, वही शर्ट किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य, पानी या यहां तक कि जीवन की कीमत पर तैयार हुआ हो सकता है।

फास्ट फैशन एक ऐसा व्यावसायिक मॉडल है, जिसका उद्देश्य रनवे या सोशल मीडिया से फैशन ट्रेंड को बहुत कम समय में रिटेल बाजार तक पहुंचाना है। इस उद्योग के मुख्य स्तंभ हैं—तेज़ी और सस्तापन। यही कारण है कि ब्रांड्स भारी मात्रा में कम कीमत पर कपड़े बनाते हैं, जिन्हें उपभोक्ता कुछ बार पहनकर ही फेंक देते हैं। हालांकि, यह 'उपयोग करो और फेंक दो' संस्कृति वैश्विक दक्षिण में मानव और प्रकृति के शोषण पर आधारित है।

दक्षिण एशियाई आपूर्ति श्रृंखला

बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देश विश्व के बड़े फैशन ब्रांड्स के प्रमुख उत्पादन केंद्र बन चुके हैं। कम उत्पादन लागत, सस्ते श्रमिकों की बड़ी संख्या और कमजोर कानूनी व पर्यावरणीय नियंत्रण—ये सभी कारक इस क्षेत्र को फास्ट फैशन का वैश्विक केंद्र बनाते हैं। हालांकि इससे औद्योगिक विकास हुआ है, लेकिन इसके दुष्प्रभावों में गंभीर पर्यावरणीय नुकसान और सामाजिक समस्याएं शामिल हैं।

बांग्लादेश वस्त्र व्यापार में वैश्विक नेता है, जहां रेडीमेड गारमेंट्स देश के कुल निर्यात का लगभग 83% हिस्सा हैं। लाखों लोग

इस उद्योग पर निर्भर हैं। लेकिन प्रतिस्पर्धा की कीमत श्रमिक चुकाते हैं। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स को भारी लाभ देने के बावजूद, वहां के मजदूर दुनिया के सबसे कम वेतन पाने वालों में हैं—लगभग 12,500 टका (करीब 113 डॉलर) प्रति माह।

श्रम शोषण के अलावा पर्यावरणीय प्रभाव भी बेहद गंभीर है। ढाका जलक्षेत्र में कुल प्रदूषण का 60% औद्योगिक कचरे से आता है, जिसमें वस्त्र उद्योग दूसरा सबसे बड़ा प्रदूषक है। वर्तमान में 719 फैक्ट्रियां बिना उपचारित अपशिष्ट जल सीधे नदियों में छोड़ती हैं। एक अनुमान के अनुसार, हर एक टन कपड़ा उत्पादन पर 200 टन तक अपशिष्ट जल उत्पन्न होता है। इससे ढाका के 1.8 करोड़ लोगों की जल आपूर्ति पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

नदियों का रंग बदलता ज़हर

भारत में फास्ट फैशन का संकट जल प्रदूषण और वस्त्र कचरे के रूप में साफ दिखाई देता है। उद्योगों से होने वाले जल प्रदूषण का बड़ा हिस्सा वस्त्र रंगाई से आता है। ये रसायन विषैले और गैर-बायोडिग्रेडेबल होते हैं, जिन्हें बिना उपचार के सीधे जल स्रोतों में छोड़ दिया जाता है।

तमिलनाडु का तिरुप्पुर, जो एक वैश्विक वस्त्र उत्पादन केंद्र है, इसका प्रमुख उदाहरण है। यहां हजारों डाईंग फैक्ट्रियां हैं, जिन्होंने वर्षों तक नॉय्यल नदी को प्रदूषित किया, जिससे वह पीने योग्य नहीं रही और आसपास की कृषि भूमि बंजर हो गई।

वहीं हरियाणा का पानीपत 'विश्व की टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग राजधानी' कहलाता है। यहां बड़ी मात्रा में पुराने कपड़े आते हैं। हालांकि रीसाइक्लिंग पर्यावरण के अनुकूल लगती है, लेकिन यहां पुराने कपड़ों को काटने की प्रक्रिया से भारी मात्रा में धूल और सूक्ष्म कचरा उत्पन्न होता है, जो वायु और मिट्टी प्रदूषण का कारण बनता है।

खराब अपशिष्ट प्रबंधन

पाकिस्तान: पूर्व का मैनचेस्टर

पाकिस्तान दुनिया के प्रमुख कपास उत्पादकों में शामिल है और दक्षिण एशियाई वस्त्र उद्योग की रीढ़ है। फैसलाबाद, जिसे 'पाकिस्तान का मैनचेस्टर' कहा जाता है, सैकड़ों टेक्सटाइल मिलों और डाईंग यूनिट्स का केंद्र है।

तेजी से बढ़ते उत्पादन के बावजूद अपशिष्ट प्रबंधन ढांचा पीछे रह गया है। फैक्ट्रियां भारी धातुओं और रासायनिक रंगों से युक्त अपशिष्ट जल सीधे चिनाब नदी में छोड़ती हैं, जो खेती और स्थानीय आबादी के लिए मुख्य जल स्रोत है। इससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर गंभीर असर पड़ता है।

कमजोर सुरक्षा मानक

फास्ट फैशन 'तेज़ उत्पादन' के दबाव पर चलता है, जो अंततः फैक्ट्री स्तर पर पहुंचता है। समय और लागत बचाने के लिए फैक्ट्री मालिक अक्सर सुरक्षा और श्रम अधिकारों की अनदेखी करते हैं।

2013 में बांग्लादेश के राणा प्लाजा भवन का गिरना इस लापरवाही का सबसे भयावह उदाहरण है, जिसमें 1,100 से अधिक मजदूरों की मौत हुई। इस घटना ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की खतरनाक स्थितियों को उजागर किया। इसके बावजूद, आज भी अधिकांश श्रमिक—विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं—भीड़भाड़ और असुरक्षित माहौल में लंबे समय तक काम करने को मजबूर हैं।

साझा कार्रवाई की आवश्यकता

सबूत स्पष्ट हैं—आज का फास्ट फैशन मॉडल पर्यावरण के लिहाज से टिकाऊ नहीं है। बदलाव के लिए तीन प्रमुख क्षेत्रों में काम जरूरी है। दक्षिण एशियाई देशों को कड़े पर्यावरणीय नियम लागू करने और उनका पालन सुनिश्चित करने की जरूरत है। साथ ही, श्रम मानकों और कार्यस्थल सुरक्षा को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।

अंतरराष्ट्रीय फैशन कंपनियों को 'कम्प्लायंस चेकलिस्ट' का बहाना छोड़कर अपनी आपूर्ति श्रृंखला की नैतिक जिम्मेदारी लेनी होगी और उत्पादन को पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए तकनीक के साथ मिलकर काम करना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण कदम उपभोक्ताओं की भूमिका को समझना है। यदि लोग कम खरीदें, गुणवत्ता को प्राथमिकता दें और पारदर्शिता की मांग करें, तो यह संदेश जाएगा कि ?500 की शर्ट किसी इंसान की जिंदगी की कीमत पर नहीं बननी चाहिए।

वसंत की डाली पर ग्रीष्म की उष्णता का उत्सव

वीरेंद्र बहादुर सिंह

चैत्र के दिनों में सुबह ही दोपहर बन जाती है। सुबह के दस बजे से शाम के पांच बजे तक मानो मध्याह्न फैल जाता है। शिरीष के फूल धूप की तपिश में हल्की-सी सुगंध का उजास बिखेरते हैं।

क्या वसंत की बीच की डाल पर ग्रीष्म नाम का फूल खिल गया है या फिर फाल्गुन की मस्ती धीरे-धीरे ग्रीष्म की आग में बदल रही है? केसूड़ा, गरमाला और आम्र-मंजरी फाल्गुन का वैभव हैं, उन्हें देखकर चैत्र चकित हो उठता है। यही विस्मय मानो चैत्र की धूप बनकर फैल गया हो। होली के ढोल अब शांत हो चुके हैं, राजस्थान के लोग उत्सव समाप्त कर अपने कामों में लौट रहे हैं।

जब धूप का प्रकोप धरती पर फैलता है, तब पेड़ उसकी रक्षा के लिए छाया बनकर खड़े हो जाते हैं। जो पेड़ अभी तक विरक्त-से लग रहे थे, वे फिर से सांसारिक हो उठे हैं। आकाश सूना-सा लगता है। पारिजात झर चुके हैं। मोगरा मौसम की दहलीज पर खड़ा है। चंपा के फूल धूप का रस पीकर खिल रहे हैं। रजनीगंधा दिनभर धूप पीकर रात में सुगंध बिखेरती है, वह भी धूप की ही देन है।

आम के वृक्ष में कच्चे आम के भीतर धूप प्रवेश कर उसे मिठास में बदल रही है। फाल्गुन के शरीर पर चैत्र की चमक अब सुगंध का पर्याय बन रही है। शहर के शोर में कोयल की कूक कहीं खो गई है। धूप के युद्ध की आहट से छायाएं भी कांप उठी हैं।

चैत्र के दिनों में सुबह जल्दी दोपहर में बदल जाती है। शिरीष के फूल धूप में अपनी हल्की खुशबू बिखेरते हैं। फाल्गुन की प्रसन्नता और ग्रीष्म की गर्मी का संगम चैत्र के चेहरे पर दिखाई देता है। चैत्र का वृक्ष नीम है, जो अपनी कड़वाहट के भीतर भी शीतल छाया देकर मधुरता का अनुभव कराता है। यह मानो प्रकृति का ग्रीष्म के विरुद्ध युद्ध है।

गेहूं के खेत कट रहे हैं, खाली खेतों में धूप पसरी हुई है। राई और राजगिरा भी खलिहान तक पहुंच चुके हैं। गर्मियों की बाजरा फसल पानी और धूप दोनों को एक साथ पी रही है। महुआ, उमर और गरमाला झरने लगे हैं। गर्मी की धूप भयावह लगती है, वह क्षण भर में ताजगी को परास्त कर देती है।

गर्मी को सूर्य अधिक भाता है, उसकी भाषा जटाधारी योगी की भाषा है। पर्वत भी इस अग्नियज्ञ में आहुति देने को तैयार हैं। सड़कों का डामर पिघलने लगता है, कोंपलों के मुरझाने का डर सताता है।

कवि जयंत पाठक ने गर्मी को 'जटाधारी जोगी' कहा है, यह बिलकुल सही है। ग्रीष्म कालभैरव का रूप धारण कर धरती पर चलता है।

वह 'क्रोधित काल' बनकर प्रहार करता है। पूरी पृथ्वी मानो एक बड़े तपेले में बदल गई है, जिसमें समस्त जीव-जगत पक रहा हो।

गर्मी जलाती है, जैसे करंट लग गया हो। परंतु वह बिजली की तरह मृत्यु नहीं लाती, इतनी खतरनाक भी नहीं है। फिर भी पक्षियों और प्राणियों को जो कष्ट होता है, वह उसके प्रकोप का परिणाम है।

ठंडे पानी के घड़े, फ्रिज का पानी, ये सब गर्मी को शांत करने के छोटे प्रयास मात्र हैं। धूप का तूफान समुद्र के तूफान जितना ही भयानक होता है। परंतु गर्मी में तप करने की शक्ति भी है, शायद ऋषि-मुनियों ने तपस्या का ज्ञान इसी से पाया होगा।

गर्मी सूखे आंसुओं की तरह है, महाकाव्य जैसे आंसू, जिनमें जीवन की पीड़ा अधिक है। वृक्षों की छाया में गर्मी का पसीना सूखता है। क्या वसंत रूपी सजी-धजी नारी का यह धूप द्वारा किया गया आवरण है?

धूप पंखों और एसी से नहीं रुकती। आकाश से मानो आग बरसती है। उसी धूप के मंडप के नीचे जीवन चलता रहता है।

आम के फल धूप से सिंचित होकर पक रहे हैं, धूप उनमें मिठास भर रही है। मजदूर अब दोपहर बारह बजे नहीं, बल्कि ग्यारह बजे ही काम समेटने की प्रतीक्षा करते हैं।

फाल्गुन की डाल पर खड़ी वसंत-कन्या के चेहरे पर पसीने की बूंदें चमक रही हैं। गेहूं के खेत कटकर शांत बैठे हैं। गन्ने के रस में ठंडक का संसार बस गया है।

बोध कथा

दृष्टिकोण व्यक्तित्व का आइना

एक धर्मात्मा ने जंगल में एक सुंदर मकान बनाया और उद्यान लगाया, ताकि उधर आने वाले उसमें ठहरें और विश्राम करें। समय- समय पर अनेक लोग आते और ठहरते। दरबान हरेक आने वाले से पूछता, आपको यहां कैसा लगा। बताइए मालिक ने इसे किन लोगों के लिए बनाया है। आने वाले अपनी-अपनी दृष्टि से उसका उद्देश्य बताते रहे। चोरों ने कहा- एकांत में सुस्ताने, योजना बनाने, हथियार जमा करने और माल का बंटवारा करने के लिए। व्यभिचारियों ने कहा- बिना किसी रोक-टोक और खटके के स्वेच्छाचारिता बरतने के लिए। जुआरियों ने कहा-जुआ खेलने और लोगों की आंखों से बचे रहने के लिए। कलाकारों ने कहा, एकांत का लाभ लेकर एकाग्रता पूर्वक कला का अभ्यास करने के लिए। संतो ने कहा-शांत वातावरण में भजन करने और ब्रह्मलीन होने के लिए। कुछ विद्यार्थी आए, उनने कहा- शांत वातावरण में विद्या अध्ययन ठीक प्रकार होता है। हर आने वाला अपने दृष्टिकोण द्वारा अपने कार्यों की जानकारी देता गया। दरबान ने निष्कर्ष निकाला- जिसका जैसा दृष्टिकोण होता है, वैसा ही उसका व्यक्तित्व और नजरिया होता है।

सागर कुमार

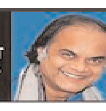

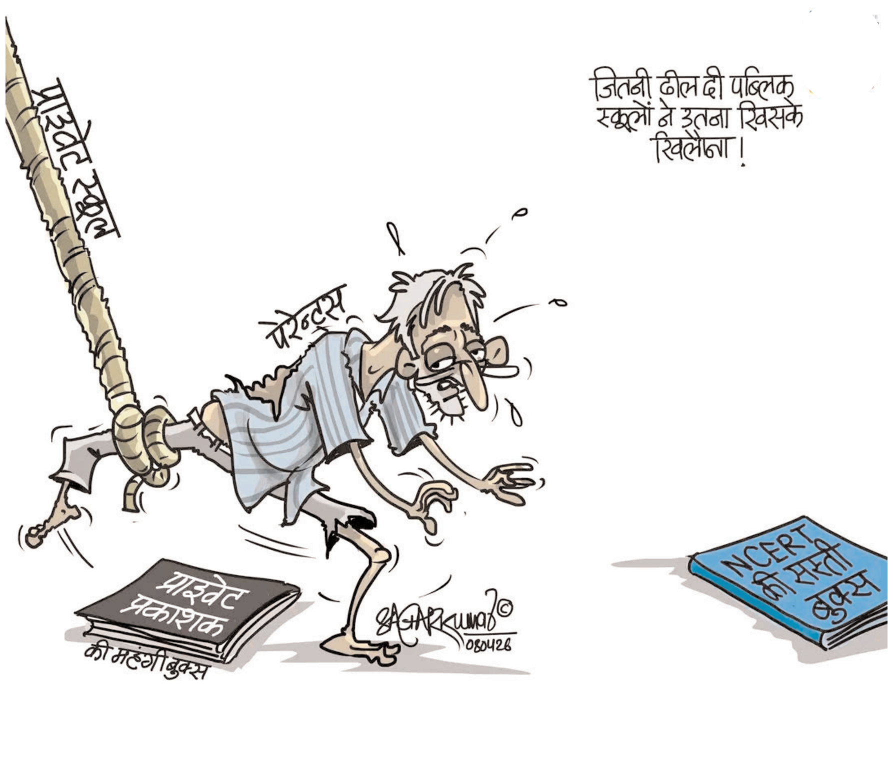

व्यंग्य केसरी

चहिए दबंग प्रवक्ता

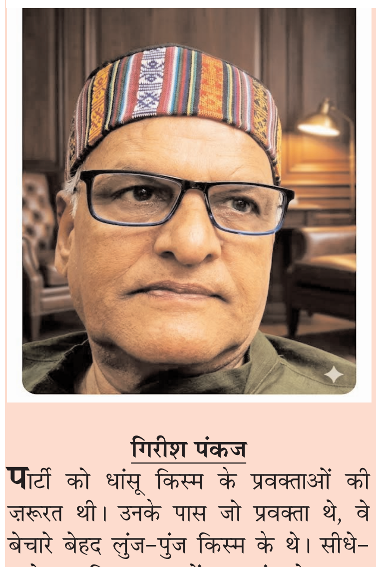

गिरीश पंकज

पार्टी को धांसू किस्म के प्रवक्ताओं की ज़रूरत थी। उनके पास जो प्रवक्ता थे, वे बेचारे बेहद लुंज-पुंज किस्म के थे। सीधे-सादे। जबकि प्रवक्ताओं का दबंग होना बहुत जरूरी है। पार्टी हाई कमान ने देखा कि टीवी के विभिन्न चैनलों में आने वाले अनेक पार्टी-प्रवक्ता दबंग टाइप के हैं। जब वे बोलते हैं तो किसी को बोलने नहीं देते। इतनी जोर-जोर से चीखते हैं कि सामने वाला प्रवक्ता मायूस हो जाता है । उसकी बोलती ही बंद हो जाती है ।और ये बाहुबली प्रवक्ता मन-ही-मन खुश होकर हाईकमान के दरबार में अपना नंबर बढ़ाते रहते हैं।

ये अति उत्साही प्रवक्ता कई बार तो गाली-वाली भी दे देते हैं, जिसे बाद में एडिट कर दिया जाता है । कभी-कभी कुछ प्रवक्ता उत्तेजित होकर अपनी आस्तीनें भी चढ़ा लेते हैं और सामने वाले को पीटने के लिए उठ खड़े होने का नाटक करते हैं । एंकरिंग उन्हें समझाने का नाटक करता है, लेकिन मन-ही-मन वह यही चाहता है कि आज यहां पर जबरदस्त लड़ाई हो जाए, ताकि वह एक घंटे बाद अफसोस व्यक्त करते हुए कह सके कि देखिए साहब,आजकल बहसें कितने नीचे जा रही हैं।

हालांकि उस बंदे को पता रहता है कि ऐसी जूतमपैजार वाली गरमागरम बहसों से ही तो उसके या किसी भी चैनल की टीआरपी बढ़ जाती है।

तो हाईकमान ने एक दिन बैठक बुलवाई और अपनी समस्या सबके सामने रखी। दो टूक कहा कि हमें ऐसे प्रवक्ता चाहिए जो मौका आने पर सामने वाली दूसरी पार्टी के प्रवक्ता को उठाकर पटक सके। हमारा प्रवक्ता टीवी पर बहस करे, तो वह सब पर भारी रहे। अगर वह कभी किसी अखबार में भी कोई बयान दे तो उसे थोड़ा सनसनीखेज बना कर पेश करे। ताकि कुछ दिनों तक उसकी निंदा-फिन्दा होती रहे । लेकिन यह भी ज़रूरी है कि वक्त पड़ने पर उसके भीतर माफी मांगने की भी प्रतिभा हो। यानी वह फुल बेशर्मी के साथ अपनी ही बात का खंडन कर सके कि मैंने ऐसा तो नहीं कहा था।.. वैसा कहा था ..। मीडिया ने मेरी बातों को ट्विस्ट कर दिया है.. मेरे वीडियो को काट-काट कर दिखाया गया है। आदि आदि।

बैठक हुई तो एक मुँहलगे करछुल ने हाईकमान से कहा, ''क्यों न हम प्रवक्ता प्रशिक्षण शिविर ही कर डालें। बहुत दिनों से मैंने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच अपना ज्ञान भी तो नहीं बघारा है। इसी बहाने बोलने की खुजली दूर होगी।''

करछुल की बात सुनकर हाईकमान मुस्कुराया और कहा, '' ठीक है । अगर शिविर सफल रहा तो तुम्हारे बारे में कुछ अच्छा सोचता हूं।''

शिविर के दिन बड़े वाले करछुल ने भावी ज्ञान देना शुरू किया, ' हर प्रवक्ता को मोटी चमड़ी का होना चाहिए। लोग लाख गरियाएँ, उसे फर्क न पड़े । वह गाली देने के मामले में दूसरे प्रवक्ताओं से बीस रहे। उसके पास हमेशा फर्जी आंकड़े भी होने चाहिए, जिसे वह पढ़ कर बता सके कि ''देखिए सन 1940 में फलाने-फलाने व्यक्ति ने फलाने-फलाने पेपर में फलाना-फलाना बयान दिया था ।

यह देखिए।'' उसकी बात सुनकर सब चकित रह जाएंगे कि ''अरे! यह तो प्रमाण सहित बात कर रहा है।'' भले ही वह प्रमाण उसी का गढ़ा हुआ हो । कहावत 'कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा,भानुमती ने कुनबा जोड़ा' ऐसे ही लोगों के लिए बनी है।

एक नये नवेले जिज्ञासु प्रवक्ता ने पूछा, ''अगर हमारे फर्जी प्रमाण को भी कोई न माने तो?' इस पर फुल गंभीरता के साथ करछुलजी ने कहा, 'तो उसे दो हाथ जमा देना चाहिए!

वर्कशॉप में मिले टिप्स के अच्छे परिणाम आए। अब पार्टी के प्रवक्ता टीवी पर बहस करते हैं, तो सामने वाले किसी भी प्रतिभागी को बोलने का मौका नहीं मिलता। उल्टे वे सतर्क हो कर बैठते हैं कि कहीं पिट न जाएँ।

गिफ्ट सिटी का फंड इकोसिस्टम 60 गुना बढ़कर 32 अरब डॉलर पर पहुंचा, एफएमई की संख्या 25 गुना बढ़ी

नई दिल्ली। गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) ने बुधवार को कहा कि उसका फंड मैनेजमेंट इकोसिस्टम पूंजी प्रतिबद्धताओं के साथ बीते पांच वर्षों में 60 गुना बढ़कर 32 अरब डॉलर का हो गया है, जो कि मार्च 2020 में 0.5 अरब डॉलर पर था।

गिफ्ट सिटी के मुताबिक, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में फंड मैनेजमेंट इकाइयों (एफएमई) की संख्या करीब 25 गुना बढ़कर 202 पर पहुंच गई है, जो कि मार्च 2020 में 8 पर थी।

इस दौरान गिफ्ट सिटी स्थित फंडों ने 17.34 अरब डॉलर जुटाए हैं, जिनमें से लगभग 17 बिलियन डॉलर पहले ही निवेश किए जा चुके हैं।

यह दिखाता है कि इकोसिस्टम बड़ी प्रतिबद्धताओं को आकर्षित कर रहा है और बड़े पैमाने पर वास्तविक निवेश गतिविधियों को सक्षम बना रहा है।

फंड योजनाओं की संख्या बढ़कर 313 हो गई है, जो उत्पाद पेशकशों और निवेश रणनीतियों में तेज वृद्धि को दर्शाती है। यह पहले 10 से कम थी। गिफ्ट सिटी के माध्यम से निवेश की गई लगभग 85 प्रतिशत पूंजी भारत में लगाई गई है, जबकि शेष 15 प्रतिशत वैश्विक निवेशों के लिए आवंटित की गई है।

गिफ्ट सिटी ने कहा कि पूंजी प्रतिबद्धताओं ने भारत में वैश्विक पूंजी लाने और निवेशकों को एक ही स्थान से अंतरराष्ट्रीय अवसरों तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में भूमिका निभाई है।इस इकोसिस्टम के विकास को विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों, जिनमें प्राइवेट इक्विटी, वेंचर कैपिटल और पब्लिक मार्केट स्ट्रैटेजी शामिल हैं, में घरेलू और वैश्विक फंड प्रबंधकों की बढ़ती भागीदारी से समर्थन मिला है।आदित्य बिरला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ ए. बालासुब्रमणियन ने कहा, 'गिफ्ट आईएफएससी ने हमारी कंपनी के लिए विशिष्ट निवेश समाधान शुरू करने, वैश्विक और अनिवासी भारतीय निवेशकों को अधिक प्रभावी ढंग से सेवा देने और घरेलू निवेशकों को विदेशी अवसरों तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया है। हम अपने विदेशी निवेश परिसंपत्तियों के प्रबंधन में विस्तार करने और अपनी वैश्विक निवेश क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कार्नेलियन एसेट मैनेजमेंट एंड एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और सीआईओ विकास खेमानी ने कहा, 'गिफ्ट सिटी से संचालित हमारा विदेशी इनबाउंड फंड सुचारू रूप से चल रहा है।

आरबीआई के रेपो रेट फैसले से क्रेडिट ग्रोथ, आर्थिक सुधार और वित्तीय स्थिरता को मिलेगा बढ़ावा: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला अर्थव्यवस्था में चल रही रिकवरी को बनाए रखने, क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा देने और कर्ज की लागत को स्थिर रखने में मदद करेगा। अर्थशास्त्रियों और बैंकरों ने बुधवार को यह बात कही।

इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्रीय बैंक का यह फैसला संतुलित और 'सेफ्टी-फर्स्ट' दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर के लिए कारोबारी माहौल आसान बनाने पर आरबीआई के फोकस की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग के लिए ड्यू डिलिजेंस की शर्त हटाना एक सकारात्मक कदम है, जिससे छोटे व्यवसायों को लिक्विडिटी और वर्किंग कैपिटल तक आसान पहुंच मिलेगी।

साउथ इंडियन बैंक के एसजीएम और सीएफओ विनोद फ्रांसिस ने कहा, 'मौजूदा स्थिति में ब्याज दरों को स्थिर रखना बढ़ती महंगाई के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय प्रणाली को आवश्यक स्थिरता प्रदान करती है। 'उन्होंने आगे कहा कि पर्याप्त लिक्विडिटी के साथ स्थिर ब्याज दर का माहौल रिटेल और एमएसएमई सेक्टर में कर्ज की मांग को बढ़ावा देगा और बैंकों के लिए एसेट-लायबिलिटी मैनेजमेंट को मजबूत करेगा।

एस्सार कैपिटल के ऑपरेटिंग पार्टनर श्रीनिवासन वैद्यनाथन ने कहा कि आरबीआई का यह फैसला काफी हद तक उम्मीदों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि केंद्रीय बैंक विकास और महंगाई नियंत्रण के बीच संतुलन बनाए रखना चाहता है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच रुपए को ज्यादा कमजोर होने से बचाने पर भी आरबीआई का ध्यान है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

वहीं, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के एमडी और सीईओ त्रिभुवन अधिकारी ने कहा कि ब्याज दरों में स्थिरता से खासकर किफायती और मध्यम आय वर्ग के घर खरीदारों के लिए कर्ज लेना आसान बना रहेगा।

कैबिनेट ने 13,037 करोड़ रुपए के जयपुर मेट्रो फेज-2 को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 13,037.66 करोड़ रुपए की लागत वाले जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी दी। यह परियोजना प्रहलादपुरा से तोड़ी मोड़ तक फैले 41 किलोमीटर लंबे उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर में 36 स्टेशनों को शामिल करते हुए एक बड़ा बदलाव लाएगी।

इस परियोजना का कार्यान्वयन केंद्र और राजस्थान सरकार के 50:50 संयुक्त उद्यम राजस्थान मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (आरएमआरसीएल) द्वारा किया जाएगा।

कैबिनेट के एक बयान के अनुसार, फेज-2 कॉरिडोर सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, वीकेआईए, जयपुर हवाई अड्डा, टोंक रोड, एसएमएस अस्पताल और स्टेडियम, अंबाबारी और विद्याधर नगर जैसे प्रमुख गतिविधि केंद्रों को निर्बाध रूप से जोड़ेगा। इसमें हवाई अड्डे के क्षेत्र में भूमिगत स्टेशन शामिल हैं और यह नियोजित इंटरचेंज एवं फीडर सिस्टम के माध्यम से यह चालू फेज-1 के साथ एकीकृत होगा, जिससे पूरे शहर में एक एकीकृत और निरंतर मेट्रो नेटवर्क सुनिश्चित होगा।जयपुर में पहले चरण के तहत मेट्रो प्रणाली पहले से ही चालू है, जो मानसरोवर से बड़ी चौपर तक पूर्व-पश्चिम गलियारे पर 11.64 किमी की दूरी तय करती है और इसमें 11 स्टेशन हैं। यह प्रणाली जयपुर के महत्वपूर्ण आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों को केंद्रीय व्यापारिक जिले से जोड़ती है, जो हेरिटेज वॉल सिटी का हिस्सा है। उत्तर-दक्षिण अक्ष पर नियोजित जयपुर मेट्रो का दूसरा चरण मौजूदा गलियारे का पूरक होगा और पूरे शहर में मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे यातायात जाम में काफी कमी आएगी और समग्र शहरी आवागमन में सुधार होगा।

वर्तमान में, जयपुर मेट्रो के पहले चरण में प्रतिदिन औसतन लगभग 60,000 यात्री यात्रा करते हैं, जो कि 11.64 किमी का छोटा लेकिन महत्वपूर्ण गलियारा है। दूसरे चरण के चालू होने के साथ, मेट्रो नेटवर्क में यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे जयपुर में सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी ।

ट्रंप के सीजफायर फैसले के बाद तेल की कीमतों में गिरावट के चलते डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे हुआ मजबूत

नई दिल्ली। भारतीय रुपया बुधवार को लगातार चौथे सत्र में मजबूत हुआ और डॉलर के मुकाबले 40 पैसे की बढ़त दर्ज की। यह तेजी अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम (सीजफायर) के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और वैश्विक बाजारों में आई राहत के चलते देखने को मिली।

इस दौरान, रुपया 0.4 प्रतिशत मजबूत होकर 92.61 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर 93 से बेहतर है।

यह उछाल उस समय आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया, जिससे भू-राजनीतिक तनाव कम हुआ। इस प्रस्ताव में दो सप्ताह तक संघर्ष रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलने की बात कही गई है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और बताया कि उन्होंने अमेरिकी सेना को पीछे हटने के निर्देश दिए हैं, जबकि कुछ समय पहले ही उन्होंने कड़े बयान दिए थे।

इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा है।

इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड करीब 16 प्रतिशत यानी 17.39 डॉलर गिरकर 91.88 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 20 प्रतिशत यानी 21.90 डॉलर टूटकर 91.05 डॉलर पर पहुंच गया।

सीजफायर की घोषणा ने कई हफ्तों से चल रही बाजार की अनिश्चितता के बीच निवेशकों के भरोसे को कुछ हद तक वापस लौटाया है।

हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि यह तेजी कितनी टिकेगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सीजफायर कितनी मजबूती से लागू होता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होती है या नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने इस सीजफायर को अस्थायी रूप से स्वीकार किया है, लेकिन इसके उल्लंघन की आशंका बनी हुई है, क्योंकि इजरायल के हमले जारी हैं, जिससे जवाबी कार्रवाई हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा स्तर पर रुपया आयातकों के लिए अनुकूल है, जबकि विदेशी निवेशक अभी भी भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली कर रहे हैं।

इसके अलावा, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव (5 जून) 3,688 रुपए यानी 2.7 प्रतिशत उछलकर 1,54,934 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई तक पहुंच गया। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव (5 मई) 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 2,46,376 रुपए प्रति किलो के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

केंद्रीय कैबिनेट ने अरुणाचल में 2,920 मेगावाट के दो हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को दी हरी झंडी, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

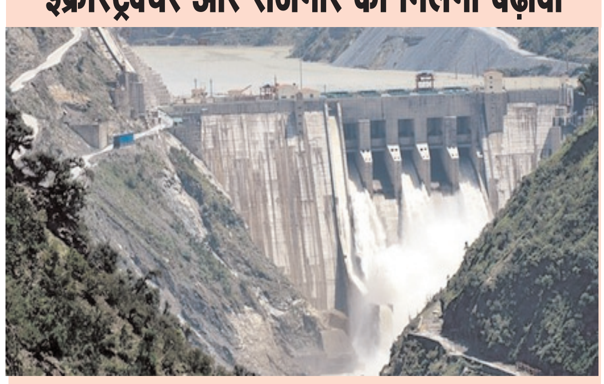

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश में दो बड़े जलविद्युत परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं के तहत कुल 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा, जिससे राज्य में बिजली उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

पहली परियोजना कालई-द्वितीय हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में लोहित नदी पर विकसित किया जाएगा।

इस परियोजना पर 14,105.83 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इसे पूरा करने में लगभग 78 महीने का समय लगेगा। 1200 मेगावाट क्षमता वाले इस प्रोजेक्ट से हर साल करीब 4852.95 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होने की उम्मीद है। यह लोहित बेसिन की पहली हाइड्रो परियोजना होगी, जो राज्य में बिजली आपूर्ति को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय ग्रिड के संतुलन में भी अहम भूमिका निभाएगी।

इस परियोजना को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और अरुणाचल प्रदेश सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार इस प्रोजेक्ट के लिए सड़कों, पुलों और ट्रांसमिशन लाइन जैसे बुनियादी ढांचे के विकास हेतु 599.88 करोड़ रुपए की सहायता देगी, साथ ही राज्य की इक्विटी हिस्सेदारी के लिए 750 करोड़ रुपए की केंद्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस परियोजना से राज्य को 12 प्रतिशत मुफ्त बिजली मिलेगी, जबकि 1 प्रतिशत बिजली स्थानीय क्षेत्र विकास कोष (एलएडीएफ) के लिए निर्धारित की जाएगी।

इसके अलावा, कैबिनेट ने कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी है, जिसकी क्षमता 1720 मेगावाट है और इस पर 26,069.50 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। यह परियोजना अरुणाचल प्रदेश के कामले, क्रा दादी और कुरुंग कुमेय जिलों में विकसित की जाएगी और इसे पूरा करने में लगभग 96 महीने का समय लगेगा। इस प्रोजेक्ट से हर साल लगभग 6870 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होने की संभावना है।

हुंडई मोटर्स ने 1 मई से कीमतों में एक प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया

नई दिल्ली। दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने बुधवार को कीमतों में एक प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया। नई कीमतें एक मई से प्रभावी होंगी।

एक्सचेंज फाइलिंग में अनुसार, कंपनी ने मूल्य वृद्धि के पीछे विभिन्न लागत वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि वृद्धि की मात्रा वेरिएंट और मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी।

एचएमआईएल ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, 'कंपनी का प्रयास हमेशा बढ़ती लागतों को वहन करना रहा है ताकि हमारे ग्राहकों को मूल्य में उतार-चढ़ाव से बचाया जा सके। हालांकि, इनपुट लागतों में वृद्धि के कारण, इस प्रभाव के एक हिस्से को मामूली मूल्य संशोधन के माध्यम से ग्राहकों पर डालना आवश्यक हो गया है।'

मार्च 2026 में एचएमआईएल ने 69,004 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 प्रतिशत अधिक है। इसमें से घरेलू बिक्री 55,064 यूनिट्स रही है। कंपनी ने मार्च के किसी भी महीने में घरेलू बिक्री का अब तक का उच्चतम स्तर दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.3 प्रतिशत अधिक है।

जनवरी से मार्च 2026 की अवधि में कुल बिक्री 2,08,275 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.7 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने बयान में कहा कि चौथी तिमाही में घरेलू बिक्री 1,66,578 यूनिट्स रही हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.5 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की स्थापना के बाद से घरेलू बिक्री का अब तक का उच्चतम तिमाही आंकड़ा है।

कंपनी का निर्यात 9.4 प्रतिशत बढ़कर 41,697 यूनिट्स हो गया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने मार्च में अपने सभी यात्री वाहनों (आईसीई) की कीमतों में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की थी, जो 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी हो गई हैं।

टाटा मोटर्स ने बढ़ती कमोडिटी कीमतों और अन्य इनपुट लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के लिए उसी तारीख से अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में भी 1.5 प्रतिशत की वृद्धि लागू की।टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ शैलेश चंद्र ने कहा था कि कंपनी लगभग एक साल से बढ़ती इनपुट लागतों का सामना कर रही है, और अब इसी प्रभाव के कारण कीमतों में वृद्धि करना आवश्यक हो गया है।

ट्रंप के सीजफायर ऐलान के बावजूद कीमती धातुओं में आई जोरदार तेजी, सोना 2 प्रतिशत से ज्यादा उछला, चांदी 6 प्रतिशत चढ़ी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, सुरक्षित निवेश की मांग के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव (5 जून) 3,688 रुपए यानी 2.7 प्रतिशत उछलकर 1,54,934 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई तक पहुंच गया। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव (5 मई) 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 2,46,376 रुपए प्रति किलो के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

खबर लिखे जाने तक (दोपहर 12.05 बजे के करीब) 5 जून कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 4,211 रुपए यानी 2.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,471 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, तो वहीं 5 मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 14,330 रुपए यानी 6.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,45,678 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

विश्लेषकों का कहना है कि कीमती धातुओं में यह तेजी सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के कारण आई है। साथ ही, निचले स्तर पर खरीदारी बढ़ने से बाजार में मजबूती के संकेत मिल रहे हैं।

करेंसी बाजार में भारतीय रुपया भी मजबूत हुआ और डॉलर के मुकाबले 40 पैसे बढ़कर 92.61 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव 93 के मुकाबले बेहतर है।

इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा है।

तेल की कीमतों में भी भारी गिरावट देखने को मिली। ब्रेंट क्रूड करीब 16 प्रतिशत यानी 17.39 डॉलर गिरकर 91.88 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 20 प्रतिशत यानी 21.90 डॉलर टूटकर 91.05 डॉलर पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में भी सकारात्मक रुख देखने को मिला। सेंसेक्स और निफ्टी करीब 4 प्रतिशत तक उछल गए, जिसका कारण आरबीआई का रेपो रेट स्थिर रखना और सीजफायर की घोषणा रही।

बाजार में यह सकारात्मक माहौल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के बाद बना।ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अमेरिकी सेना को पीछे हटने के निर्देश दिए हैं।

लेबनान का अपवाद: क्यों अमेरिका-ईरान युद्धविराम यहां लागू नहीं होता

जब पूरी दुनिया अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 दिनों के नाजुक युद्धविराम पर सांस रोके नजर रखे हुए है, तब पश्चिम एशिया में बंदूकें खामोश नहीं हुई हैं। इसके बजाय, संघर्ष का भूगोल नाटकीय रूप से बदल गया है। बुधवार को, जब होर्मुज़ जलडमरूमध्य सावधानी के साथ फिर खुल रहा है, लेबनान एक नए, उच्च-तीव्रता वाले मोर्चे के रूप में उभर आया है—ऐसा युद्धक्षेत्र जो कूटनीतिक पटकथा का पालन करने से इनकार करता है।

12 लाख विस्थापित लेबनानी नागरिकों के लिए यह युद्ध अब अपने सबसे क्रूर चरण में प्रवेश कर चुका है, जिसे इज़राइल की 'नॉर्दर्न शील्ड' मुहिम और हिज़्बुल्लाह के अस्तित्ववादी 'मैक्सिमम रेज़िस्टेंस' रुख से परिभाषित किया जा रहा है।

क्यों लेबनान पर लागू नहीं होता अमेरिका-ईरान युद्धविराम?

लेबनान के मुख्य युद्धक्षेत्र बनने के पीछे सबसे बड़ा कारण एक स्पष्ट कूटनीतिक 'डेड ज़ोन' है। जहां पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने शुरुआत में संकेत दिया था कि युद्धविराम सार्वभौमिक होगा, वहीं इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 7 अप्रैल को साफ कर दिया कि यह समझौता लेबनान पर लागू नहीं होता।

इज़राइल के लिए ईरान के खिलाफ युद्ध और हिज़्बुल्लाह के खिलाफ युद्ध दो अलग-अलग रणनीतिक लक्ष्य हैं। इज़राइली सैन्य नेतृत्व इस खाड़ी क्षेत्र में आए विराम को एक सामरिक अवसर के रूप में देख रहा है, ताकि उत्तर में अभियान तेज किया जा सके, बिना ईरान के सीधे मिसाइल हमले के खतरे के।

इसी के चलते बेरूत और दक्षिणी लेबनान में हवाई हमलों में पिछले 24 घंटों में 140% की बढ़ोतरी हुई है। इज़राइल का उद्देश्य साफ है— 'नॉर्दर्न फ्रंट' को ईरान युद्धविराम से अलग करना और तेहरान के अस्थायी रूप से बंधे हाथों के बीच हिज़्बुल्लाह की सैन्य संरचना को ध्वस्त करना।

'ज़हरानी लाइन' का रणनीतिक महत्व क्या है?

बुधवार सुबह, इज़राइली सेना ने ज़हरानी नदी के दक्षिण में रहने वाले सभी लोगों के लिए तत्काल निकासी का आदेश जारी किया। यह संघर्ष के 'खतरे के क्षेत्र' के उत्तर की ओर विस्तार को दर्शाता है, जो पहले लितानी नदी तक सीमित था।

इस कदम के जरिए इज़राइल संकेत दे रहा है कि वह सीमा झड़पों से आगे बढ़कर दक्षिणी लेबनान में एक स्थायी 'सुरक्षा बफर' स्थापित करना चाहता है। इसका उद्देश्य हिज़्बुल्लाह की रदवान फोर्स को इज़राइल के उत्तरी गैलीली क्षेत्रों से दूर धकेलना है।

हालांकि, इसकी मानवीय कीमत बेहद भारी पड़ी है। हर पांच में से एक लेबनानी नागरिक अब आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुका है, और 'ज़हरानी लाइन' ने देश के कृषि क्षेत्र को राजधानी बेरूत से अलग कर दिया है।

क्या हिज़्बुल्लाह 'मोज़ेक युद्ध' लड़ रहा है?

इज़राइल के जमीनी अभियान के जवाब में हिज़्बुल्लाह ने 'मोज़ेक डिफेंस' रणनीति अपनाई है, जो ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) से प्रेरित है। इसमें छोटे, स्वायत्त समूह शामिल होते हैं, जो स्वतंत्र रूप से ड्रोन और एंटी-टैंक मिसाइल हमले करते हैं।

2 मार्च से, हिज़्बुल्लाह लगातार इज़राइल के सैन्य ठिकानों—जैसे रमत डेविड एयरबेस और मेरोन मॉनिटरिंग स्टेशन—को निशाना बना रहा है। इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि भले ही खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम हो रहा हो, लेकिन लेवांत अब भी 'उबलता हुआ क्षेत्र' बना हुआ है।हिज़्बुल्लाह की रणनीति थकावट (attrition) पर आधारित है। उत्तरी इज़राइल पर लगातार हमले करके वह आयरन डोम और आयरन बीम जैसी रक्षा प्रणालियों को कमजोर करना चाहता है, जबकि 14 दिनों के युद्धविराम के खत्म होने का इंतजार कर रहा है।

उनका मानना है कि अगर वे बेरूत में हो रहे 'सर्जिकल' हमलों के इस दौर को झेल गए, तो अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बड़े स्तर पर संघर्ष शुरू होने पर इज़राइल को पीछे हटना पड़ सकता है।

निष्कर्ष

बुधवार की शाम भूमध्य सागर के ऊपर ढलते सूरज के साथ एक तीखा विरोधाभास सामने आता है—फारस की खाड़ी शांत है, लेकिन लेबनान का आसमान युद्ध की आग से जल रहा है।

लेबनान अब 'दूसरा मोर्चा' नहीं रहा—आज की रात वही एकमात्र निर्णायक मोर्चा बन चुका है।

हेल्दी बनाम फिट: वह अंतर जिसे ज्यादातर लोग नहीं समझते

आज के दौर में, जहां फिटनेस ट्रैकर्स, जिम सेल्फी और परफॉर्मेंस गोल्स का बोलबाला है, 'हेल्दी' और 'फिट' शब्दों का अक्सर एक ही मतलब समझ लिया जाता है। लेकिन ये दोनों एक जैसे नहीं हैं, और इनका फर्क न समझना लंबे समय के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

आर्टेमिस हॉस्पिटल्स की यूनिट हेड और सीनियर कंसल्टेंट (इंटरनल मेडिसिन) डॉ. सीमा धीर कहती हैं, 'लोग अक्सर मान लेते हैं कि फिट होना मतलब हेल्दी होना है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। फिटनेस मुख्य रूप से शरीर की शारीरिक क्षमता को दर्शाती है—आप कितनी अच्छी तरह मूव कर सकते हैं, एक्सरसाइज कर सकते हैं या बिना थके गतिविधियां कर सकते हैं।

असल में फिटनेस का मतलब परफॉर्मेंस से है। यह दिखने वाली, मापी जा सकने वाली और कई बार सौंदर्य से जुड़ी होती है। ताकत, स्टैमिना, लचीलापन और सहनशक्ति—ये सभी एक फिट शरीर के संकेत हैं। जो व्यक्ति लंबी दूरी दौड़ सकता है, वजन उठा सकता है या कठिन वर्कआउट कर सकता है, उसे फिट माना जाता है।

लेकिन, गुरुग्राम के मरेंगो एशिया हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. पंकज खटाना बताते हैं कि फिटनेस का मतलब जरूरी नहीं कि अंदर से भी शरीर स्वस्थ हो। 'कोई व्यक्ति बाहर से मजबूत और टोंड दिख सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह पूरी तरह स्वस्थ है। अत्यधिक ट्रेनिंग, सख्त डाइट या ओवरएक्सर्शन से हार्मोनल असंतुलन, ज्यादा तनाव या कमजोर इम्युनिटी हो सकती है।

यहीं से 'हेल्थ' का दायरा जिम से कहीं आगे बढ़ जाता है। स्वास्थ्य एक समग्र (होलिस्टिक) अवधारणा है, जिसमें केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक संतुलन भी शामिल है।

डॉ. धीर के अनुसार, एक स्वस्थ व्यक्ति संतुलित आहार लेता है, पर्याप्त नींद लेता है, भावनात्मक रूप से स्थिर रहता है और उसके शरीर की सभी प्रणालियां—पाचन से लेकर इम्युनिटी तक—सही तरीके से काम करती हैं। 'आप भले ही एथलेटिक न दिखें, लेकिन अगर आपका शरीर संतुलित और ऊर्जावान है, तो आप स्वस्थ हैं।

डॉ. खटाना भी इसी बात पर जोर देते हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन की परिभाषा का हवाला देते हैं, जिसमें स्वास्थ्य को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण कुशलता बताया गया है। 'आप बिना सिक्स-पैक के भी स्वस्थ हो सकते हैं। जो व्यक्ति सही खान-पान करता है, तनाव को संभालता है, पर्याप्त नींद लेता है और नियमित रूप से हल्की-फुल्की गतिविधि करता है।

फ्रांस ने अमेरिका में रखा 129 टन सोना निकाला, जानें यूरोपीय देश का ये कदम इतना महत्वपूर्ण क्यों है

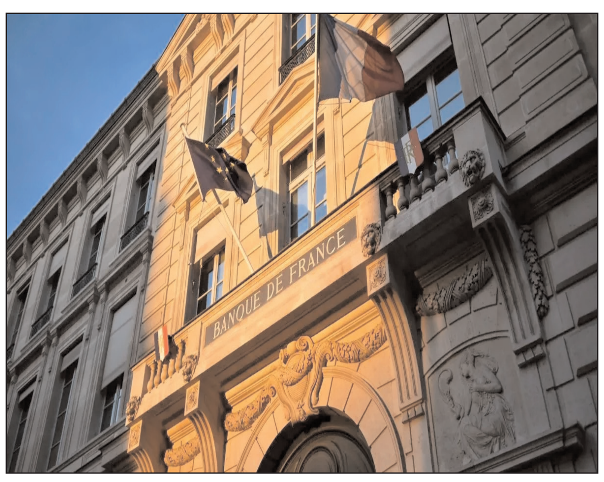

बैंक ऑफ फ्रांस (फ्रेंच में Banque de France) ने अमेरिका में रखा अपने सोने का पूरा भंडार वापस मंगा लिया है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका में इस सोने की जगह पेरिस में अपने खजानों में उतनी ही मात्रा में नया सोना रख दिया गया है। ये सोना 129 टन था, जो फ्रांस के केंद्रीय बैंक में जमा कुल सोने का लगभग 5 प्रतिशत है और इसके परिणामस्वरूप केंद्रीय बैंक को क12.8 बिलियन (स्ठ 15 बिलियन) का भारी पूंजीगत लाभ हुआ है। बताते चलें कि फ्रांस, दुनिया के सबसे बड़े सोने के भंडार रखने वाले देशों में से एक है और 1920 के दशक के आखिर से ही इस कीमती धातु को न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक में जमा करता आ रहा है।

फ्रांस ने कैसे किया इतना बड़ा ट्रांजैक्शन

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुराने या गैर-मानक सोने को भौतिक रूप से भेजने और उसे रिफाइन करने के बजाय फ्रांस के केंद्रीय बैंक ने न्यूयॉर्क में रखे उस सोने को बाजार की सबसे ऊंची कीमतों पर बेचने और उसकी जगह नए आधुनिक अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले सोने के बिस्किट खरीदने का फैसला किया। सोने को भौतिक रूप से भेजना और उसे रिफाइन करना तार्किक रूप से जटिल और महंगा काम होता है।

फ्रांस का अब सारा सोना पेरिस में है

इसके साथ ही, फ्रांस का लगभग 2,437 टन का पूरा सोने का भंडार अब पेरिस में ही रखा है। 129 टन सोना वापस मंगाने का ये काम 26 अलग-अलग लेन-देन के जरिए पूरा किया गया।

फ्रांस ने न्यूयॉर्क के खजानों से अपना सोना क्यों वापस मंगाया?

फ्रांस ने न्यूयॉर्क के खजानों से अपना सोने का भंडार वापस मंगाने के पीछे ये वजह बताई कि दुनिया भर में डॉलर का संकट गहराता जा रहा है, जो 1971 के संकट की याद दिलाता है। ये एक रणनीतिक कदम है, जो बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक स्थिर रिजर्व मुद्रा के तौर पर अमेरिकी डॉलर पर घटते भरोसे को दिखाता है।

'डोमिनो इफेक्ट' को शुरू कर सकती है सोने की ये वापसी

वित्तीय विश्लेषकों का मानना है कि सोने की ये वापसी एक 'डोमिनो इफेक्ट' (एक के बाद एक होने वाली घटनाओं का सिलसिला) शुरू कर सकती है, जिससे दूसरे देश भी संभावित अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों या अपनी मुद्रा का अवमूल्यन होने के खतरे से बचने के लिए अपने सोने के भंडार को सुरक्षित करने की दिशा में कदम उठा सकते हैं।

फ्रांस ही नहीं, कई देश भी इसी रास्ते पर चल रहे हैं

हालांकि, ये कोई अप्रत्याशित बात नहीं है। ऐसा लगता है कि फ्रांस भी सोने को वापस अपने देश में लाने के बढ़ते वैश्विक चलन का ही अनुसरण कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्यों और आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में, दुनिया भर के कई केंद्रीय बैंक अपनी भौतिक संपत्तियों पर ज्यादा प्रत्यक्ष नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

लद्दाख या स्पीति बाइक यात्रा की योजना बना रहे हैं? हर राइडर के लिए वे जरूरी बातें जो आपको जाननी ही चाहिए

जैसे-जैसे गर्मी का मौसम करीब आता है, ऊंचे दर्रों के रास्ते यात्रियों के लिए खुल जाते हैं। मोटरसाइकिल चलाने वालों के लिए इससे ज्यादा खुशी की बात कुछ और नहीं होती।

लद्दाख और स्पीति के चुनौतीपूर्ण इलाके लंबे समय से बाइकिंग के शौकीनों के लिए सपनों की मंजिल रहे हैं। ये हर साल हर उम्र के राइडर्स को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इसके बावजूद, ऊंचे पहाड़ी इलाकों में जाने वाले कई यात्री अक्सर ऐसी गलतियां कर देते हैं जिनसे आसानी से बचा जा सकता है। ये गलतियां यात्रा को एक खराब अनुभव में बदल देती हैं।

पहाड़ों पर पहली बार जाने वाले राइडर्स के लिए, सामी सैयद कुछ महत्वपूर्ण सुझाव साझा कर रहे हैं। इससे आप बेहतर योजना बना सकेंगे और बिना किसी चिंता के रोमांच का आनंद ले सकेंगे। सबसे पहले सही राइडिंग गियर का चुनाव करें। ऐसे प्रमाणित जैकेट, पैंट, जूते और दस्ताने चुनें जो टिकाऊ हों और दिन की सवारी के दौरान हवा आने-जाने का रास्ता दें।

बदलते मौसम के हिसाब से विंटर और रेन लाइनर भी साथ रखें। वाटरप्रूफ राइडिंग जूते साथ रखें और यदि संभव हो तो वाटरप्रूफ मोजों में निवेश करें। एक अतिरिक्त रेनकोट और पैंट पैक करना भी समझदारी है। ये कम तापमान में शरीर की गर्माहट बनाए रखने में काफी मदद करते हैं।

अत्यधिक ठंड के लिए कपड़ों की परतें (लेयरिंग) पहनना सबसे कारगर होता है। फुल-स्लीव फ्लीस टी-शर्ट, इंसुलेटेड पैंट और शून्य से नीचे के तापमान वाले दस्ताने पैक करें।

ठंडी रातों में आराम के लिए थर्मल, विंडप्रूफ जैकेट, बालाक्लावा और गर्म मोजे साथ रखें। ये आपको सुरक्षित रखेंगे।

खुद को अच्छी तरह हाइड्रेटेड रखें। ठंडे मौसम के झांसे में न आएं क्योंकि ऊंचाई बढ़ने से एएमएस (एक्यूट माउंटेन सिकनेस) का खतरा बढ़ जाता है।

आपके शरीर को ऑक्सीजन के सही इस्तेमाल के लिए अधिक पानी की जरूरत होती है। इसलिए एक वाटर ब्लैडर साथ रखें और रोजाना 4 से 6 लीटर पानी पिएं।

क्या नेपाल के शेरपा सच में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वालों को 'जहर' दे रहे हैं? पूरा घोटाला समझिए

माउंट एवरेस्ट हमेशा से शारीरिक सहनशक्ति और व्यावसायिक महत्वाकांक्षा का उच्च जोखिम वाला क्षेत्र रहा है। लेकिन नेपाल पुलिस के सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (CIB) की एक चौंकाने वाली नई जांच ने खुलासा किया है कि पहाड़ पर सबसे बड़ा खतरा पतली हवा या खुम्बू आइसफॉल नहीं, बल्कि वे लोग भी हो सकते हैं जिन्हें पर्वतारोहियों की सुरक्षा के लिए नियुक्त किया जाता है।

'जहर देने' का विवाद: अफवाह बनाम सच्चाई

हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में यह आरोप तेजी से फैल गया कि कुछ गाइड गुप्त रूप से विदेशी पर्वतारोहियों को बेकिंग सोडा दे रहे थे, ताकि उनमें एक्यूट माउंटेन सिकनेस (AMS) जैसे लक्षण पैदा हो जाएं। दावा किया गया कि इस तरह की 'साजिश' के कारण महंगे हेलिकॉप्टर रेस्क्यू की जरूरत पड़ती है।

लेकिन Climbing वेबसाइट की जांच, जिसमें पूरी चार्जशीट का अध्ययन किया गया, के अनुसार इन 'जहर देने' के आरोपों के समर्थन में कोई फॉरेंसिक या कानूनी सबूत नहीं मिला है। हालांकि 'बेकिंग सोडा' का जिक्र आरोपपत्र के सार में एक अफवाह के रूप में सामने आया, लेकिन 32 आरोपियों में से किसी पर भी खाने या दवाइयों में छेड़छाड़ का आरोप नहीं लगाया गया है।

नेपाल के CIB ने Climbing को भेजे ईमेल में स्पष्ट कहा, 'अब तक की आधिकारिक जांच में 'जहर देने' का कोई प्रमाण नहीं मिला है।' 3 अप्रैल को CIB ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल रही गलत जानकारी को रोकने के लिए बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि धोखाधड़ी असली है, लेकिन 'जहर' वाली कहानी तथ्यों पर आधारित नहीं है।

20 मिलियन डॉलर का कागजी घोटाला

अगर जहर देने की बात नहीं है, तो अपराध कहां है? असली 'रेस्क्यू रैकेट' एक जटिल वित्तीय धोखाधड़ी का जाल है। CIB ने 2022 से 2025 के बीच संदिग्ध अस्पतालों में इलाज कराने वाले करीब 4,800 विदेशी मरीजों की पहचान की है, जिनमें से कम से कम 171 मामले पूरी तरह फर्जी पाए गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अस्पताल बीमा कंपनियों से मिलने वाली राशि का 20% से 25% ट्रेकिंग कंपनियों को और लगभग 25% हेलिकॉप्टर ऑपरेटरों को 'मरीज भेजने' के बदले देते थे। जांच में हजारों पन्नों के फर्जी अस्पताल डिस्चार्ज समरी, बदले हुए फ्लाइट लॉग और नकली डॉक्टर सिग्नेचर मिले, जिनका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनियों से पैसे ठगने के लिए किया गया।

एक मामले में चार पर्यटकों को एक ही हेलिकॉप्टर से बचाया गया, लेकिन एजेंसियों ने हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग दावा दाखिल किया, जिससे बिल 31,100 डॉलर तक पहुंच गया, इसके अलावा 11,890 डॉलर के अलग अस्पताल शुल्क भी जोड़े गए।

आयुर्वेद में शहद को इम्युनिटी और पाचन के लिए इतना खास क्यों माना जाता है?

चाय में मिलाकर, नाश्ते पर डालकर या गले में खराश होने पर सीधे एक चम्मच—शहद उन चीज़ों में से है, जिसे हम सहज रूप से इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह लगभग हर स्थिति में मददगार क्यों लगता है? आखिर इस साधारण से सुनहरे तरल में ऐसा क्या है, जो इसे पीढ़ियों से हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनाए हुए है?

पिछले 5,000 वर्षों से, भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति,4ह्वह्व1द्गस्त्रड्ड ने शहद को 'गोल्डन एलिक्सिर' यानी एक शक्तिशाली प्राकृतिक औषधि माना है, जो शरीर को संतुलित करने, इम्युनिटी बढ़ाने और पाचन को बेहतर बनाने में मदद करती है।

आयुर्वेद में शहद को सिर्फ मिठास के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इसे एक 'फंक्शनल फूड' माना जाता है—यानी ऐसा आहार जो शरीर के भीतर सक्रिय रूप से काम करता है।

डॉ. अंकिता शर्मा, सीनियर आयुर्वेद चिकित्सक, बताती हैं, 'आयुर्वेद में कच्चा शहद केवल मिठास नहीं, बल्कि शरीर में संतुलन बनाए रखने वाला तत्व है। यह अन्य पदार्थों के प्रभाव को बढ़ाता है, इसलिए इसे पारंपरिक नुस्खों में अक्सर इस्तेमाल किया जाता है।

इसका मतलब है कि शहद एक 'कैरियर' की तरह काम करता है। जब इसे अदरक, हल्दी या तुलसी जैसी चीज़ों के साथ मिलाया जाता है, तो यह उनके गुणों को शरीर में बेहतर तरीके से पहुंचाने में मदद करता है।

पाचन से जुड़ा गहरा संबंध

आयुर्वेद में पाचन (डाइजेशन) को स्वास्थ्य का केंद्र माना गया है। अगर पाचन सही है, तो शरीर पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर सकता है और अपशिष्ट को बाहर निकाल सकता है।

सही मात्रा में लिया गया शहद इस प्रक्रिया को सपोर्ट करता है। यह मेटाबोलिक वेस्ट को साफ करने में मदद करता है और रिफाइंड शुगर की तुलना में हल्का और आसानी से पचने वाला माना जाता है। लवलीन कौर, चीफ डाइटीशियन, कहती हैं, 'कच्चा शहद 'हेल्दी शुगर' माना जाता है, क्योंकि इसमें एंजाइम्स और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर पर अपेक्षाकृत नरम असर डालते हैं—खासकर जब इसे सीमित मात्रा में लिया जाए।

इम्युनिटी और मौसम के साथ संतुलन

आयुर्वेद इम्युनिटी को अलग से नहीं देखता, बल्कि इसे रोज़मर्रा की जीवनशैली का हिस्सा मानता है।

मौसम बदलने के दौरान, जब शरीर संक्रमण या सांस से जुड़ी समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, तब शहद की सलाह दी जाती है। इसके प्राकृतिक गुण इम्युनिटी को सपोर्ट करते हैं और गले को आराम देते हैं। यही वजह है कि गर्म पानी या हर्बल चाय में शहद मिलाकर पीना एक आम घरेलू उपाय है।

दोषों को संतुलित करने में भूमिका

आयुर्वेद को समझने के लिए Dosha—वात, पित्त और कफ—की अवधारणा महत्वपूर्ण है। ये शरीर के कामकाज को नियंत्रित करते हैं, और इनका संतुलन ही स्वास्थ्य की कुंजी है।

शहद खासतौर पर कफ दोष को संतुलित करने में प्रभावी माना जाता है, जो भारीपन, सुस्ती और जमाव (कंजेशन) से जुड़ा होता है। इसके हल्के और शुष्क गुण शरीर में अतिरिक्त नमी को कम करने में मदद करते हैं।

भूमिका चावला ने साझा की 28 साल पुरानी यादें, अपने फिल्मी सफर की दिखाई झलक

मुंबई । बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री भूमिका चावला ने जीवन के 28 साल पुराने पन्नों को याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए अपनी फिल्मी यात्रा और जीवन में निभाए गए कई अलग-अलग रोल्स के अनुभवों को फैंस के साथ साझा किया।

भूमिका ने इंस्टाग्राम पर कुछ पुराने फोटो शेयर किए, जिन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी ने शूट किया था। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, ''कितना समय बीत गया है... जीवन तस्वीरों में कैद है... 1998 की ये तस्वीर है, 28 साल कैसे निकल गए, लगता है जैसे एक उम्र बीत गई।''

भूमिका ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने अलग-अलग किरदारों के बारे में भी लिखा। उन्होंने कहा, 'जीवन में मैंने कई

भूमिकाएं निभाईं – एक बेटी, पत्नी, मां, बहन और दोस्त। इन सभी अनुभव ने मुझे मजबूत बनाया और जीवन की सीख प्रदान की।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीवन में सफलता और असफलता दोनों ही आती हैं। इन दोनों से ही इंसान सीखता है और मजबूत बनता है। फिल्मी दुनिया में आने से पहले और उसके दौरान कई चुनौतियां थीं, लेकिन हर चुनौती ने उन्हें और ज्यादा समझदार और बहुआयामी कलाकार बनाया।

अभिनेत्री के बारे में बात करें, तो भूमिका का असली नाम रचना चावला है। उन्होंने 2000 में तेलुगु फिल्म 'युवकुडु' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई सफल साउथ इंडियन फिल्मों में काम किया, जिनमें 'जय चिरंजीवी', 'सिल्लुनू ओरु काधल', 'बद्री', 'खुशी', 'ओक्काडु', 'सिंहाद्री' और 'मिडिल क्लास अब्बाई' शामिल हैं।

भूमिका का बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'तेरे नाम' (2003) से हुआ, जिसमें उन्होंने सलमान खान के साथ काम किया। यह फिल्म तमिल फिल्म 'सेथु' की रीमेक थी और रिलीज के समय इसे कल्ट क्लासिक माना गया।

भूमिका चावला को आखिरी बार फिल्म 'स्कूल' में देखा गया, जो 2025 में तमिल में रिलीज हुई थी। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन आर. के. विद्याधरन ने किया।

ताहिरा कश्यप ने साझा किए जिंदगी के सबसे यादगार अनुभव

मुंबई। अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी, लेखिका और फिल्म निर्माता ताहिरा कश्यप अक्सर सोशल मीडिया पर निजी जिंदगी की जानकारी देती रहती हैं। बुधवार को उन्होंने एक खास पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने वयस्क होने के फायदों और छोटी-छोटी खुशियों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वयस्क होना सिर्फ जिम्मेदारियां नहीं, बल्कि छोटी-छोटी खुशियों को जीने का मौका भी है। बिना किसी एग्जाम के दबाव के मार्च का महीना उनके लिए यादगार बन गया। उन्होंने लिखा, 'मैं वयस्क जिंदगी का भरपूर मजा ले रही हूं।

मार्च के महीने में स्कूलों में फाइनल एग्जाम होते हैं, जिसे लेकर ताहिरा ने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'मार्च के महीने में कोई एग्जाम नहीं हुए, बल्कि बहुत सारे अनुभव देखने को मिले।

उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें उनके रोजमर्रा के पल कैद थे। पोस्ट में ताहिरा ने कई यादगार पलों का जिक्र किया। उन्होंने दिल्ली के फकीर चंद बुक स्टोर जाने की बात बताई। वहां ऐसा महसूस हुआ, जैसे किताबें खुद उन्हें चुन रही हों, न कि वे किताबों को। उन्होंने लिखा, 'जैसे किसी ने कहा था, किताबें मुझे चुनें, मैं उन्हें नहीं।

इसके अलावा उन्होंने अपने कजिन के रिसेप्शन के बारे में बातया। उन्होंने लिखा, 'अपने कजिन के प्यारे रिसेप्शन के लिए तैयार होने में बहुत अच्छा लगा। मुंबई में समुद्र तट पर घूमना, मुंबई की ट्रैफिक, सुबह की वॉक के दौरान बनी दोस्ती भी शामिल थी।'

ताहिरा ने गुलमर्ग में कुछ डूडल बनाने, दिल्ली के खान मार्केट घूमने और एक अन्य सुबह की दोस्ती का जिक्र किया। उन्होंने अपने प्यारे बच्चों के साथ पिज्जा खाने की खुशी भी शेयर की। ताहिरा ने लिखा, 'मैं हमेशा उनकी सुरक्षा करने की कोशिश करूंगी।

पोस्ट में सेल्फ-लव यानी खुद से प्यार करने की बात भी थी। उन्होंने जंगल में खो जाने और फिर खुद को ढूंढ निकालने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि ये सब छोटे-छोटे पल उन्हें वयस्क जीवन की असली खुशी बता रहे थे।

शरद मल्होत्रा की 'घर वापसी', अब ओटीटी पर दिखाएंगे अदाकारी का दम

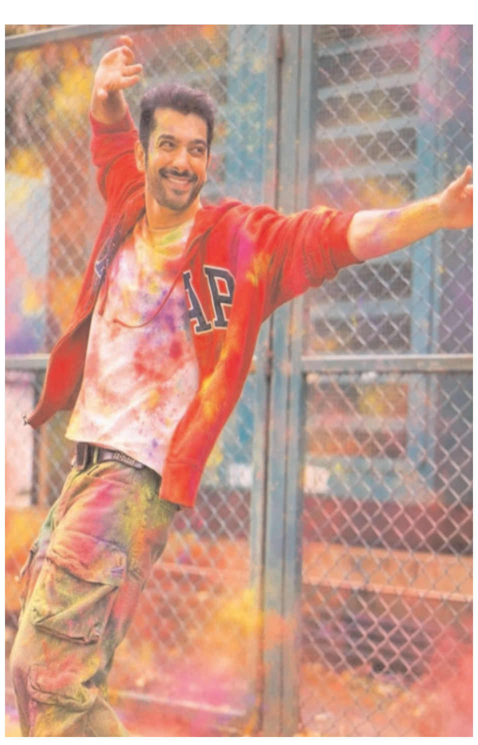

मुंबई। अभिनेता शरद मल्होत्रा जल्द ही आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'एसीपी विक्रांत' में नजर आने वाले हैं। इसमें शरद मुख्य किरदार एसीपी विक्रांत का रोल निभा रहे हैं। यह उनका पहला क्राइम जॉनर प्रोजेक्ट है, जिसमें वे पूरी तरह से डार्क और खतरनाक दुनिया में कदम रखते दिखेंगे।

सीरीज को लेकर शरद ने अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने बताया कि यह शो बहुत गंभीर और इंटेंस है। इसमें कोई भी मजेदार या हल्का-फुल्का सीन नहीं है। यह पूरी तरह से एक मर्डर मिस्ट्री पर आधारित है।

शरद ने बताया, 'आपने मुझे अब तक ज्यादातर रोमांटिक भूमिकाओं में देखा है, लेकिन इसमें आप मुझे गंभीर भूमिका में देखेंगे क्योंकि यह एक मर्डर मिस्ट्री शो है।

शरद ने बताया कि सीरीज में उनका किरदार एक तेज-तर्रार, जिद्दी और सख्त पुलिस अधिकारी का है, जो बड़े-बड़े अपराधों, धोखे और जटिल जांच को सुलझाने में माहिर है। उन्होंने बताया, 'सीरीज में विक्रांत का किरदार इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि वह एक सिंगल पिता हैं, जो पहले सस्पेंड हो चुके हैं और शराब की लत का शिकार भी हैं। ऐसे में वह अपराधी को पकड़ने की जंग लड़ते नजर आएंगे।

शरद इस सीरीज के जरिए बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ दोबारा जुड़ रहे हैं। उन्होंने इसे घर वापसी बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए घर वापसी जैसा है। मेरी जिंदगी के सबसे बड़े और जरूरी शो बालाजी टेलीफिल्म्स परिवार से ही आए हैं। एकता मैम ने मुझे इतने सारे किरदार दिए हैं, जिन्हें दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

इस सीरीज में शरद मल्होत्रा के साथ भोजपुरी सिनेमा के मशहूर अभिनेता विनय आनंद भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों कलाकारों के बीच स्क्रीन पर जबरदस्त केमिस्ट्री दिखने की उम्मीद है।

शरद ने बताया, 'जब मुझे पता चला कि विनय आनंद भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं, तो मुझे यकीन हो गया था कि बहुत कुछ अच्छा होने वाला है।

टीवी पर लौटे राजीव खंडेलवाल , नए शो 'तुम हो ना' के साथ लेकर आए दर्शकों के लिए खास कहानी

मुंबई । बॉलीवुड और टीवी जगत में अपने दमदार अभिनय के लिए मशहूर अभिनेता राजीव खंडेलवाल जल्द ही दर्शकों के सामने एक नए रूप में नजर आने वाले हैं। वह जल्द ही टीवी शो 'तुम हो ना' में नजर आएंगे। राजीव ने कहा, ''मुझे हमेशा से ऐसे प्रोजेक्ट्स पसंद रहे हैं, जो चुनौतीपूर्ण हों। मुझे कई तरह के रोल्स ऑफर हुए, कुछ एक्सपेरिमेंटल, कुछ असामान्य... लेकिन मैंने हमेशा अपने दिल की सुनकर ही प्रोजेक्ट को हां किया। मेरा मानना है कि किसी भी कलाकार के लिए वही काम

महत्वपूर्ण होता है, जो उसे दिल से प्रेरित करे और उसे खुद और दर्शकों के लिए सार्थक लगे। अपने नए शो 'तुम हो ना' के बारे में राजीव ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन पर लौट रहा हूं। यह शो मेरे दिल के करीब है और मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही प्यार देंगे जितना मैंने इसे बनाने में महसूस किया है।

रिपोर्ट्स की मानें तो, राजीव का यह शो अक्षय कुमार के क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की जगह प्रसारित होगा। राजीव को आखिरी बार कोर्टरूम ड्रामा 'अमर विश्वास' में देखा गया था। इस शो में उन्होंने अपने किरदार की गहराई को शानदार तरीके से पेश किया। इसको लेकर उन्होंने आईएएनएस से से बातचीत में बताया कि उन्होंने अपने किरदार के लिए कई प्रसिद्ध वकीलों से मिलकर कोर्टरूम और कानून के व्यवहार को समझा, जिससे उन्हें अपनी भूमिका को निभाना आसान लगा। राजीव खंडेलवाल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में दो दशकों से ज्यादा समय से सक्रिय हैं। उनके करियर की शुरुआत 2000 में तेलुगु फिल्म 'युवकुडु' से हुई। इसके बाद उन्होंने हिंदी और साउथ की कई सफल फिल्मों और टीवी शोज में काम किया।

कॉकटेल-2 के नए गाने 'जब तलक' ने ऑन किया वेकेशन मोड, 'तुम ही हो बंधु' की वाइब

मुंबई। शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज से पहले ही सुर्खियों में बनी हुई है।

बीते दिन ही फिल्म का पहला लुक रिलीज किया गया था लेकिन अब फिल्म का पहला गाना 'जब तलक' रिलीज हो गया है। वेकेशन सॉन्ग में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन की गहरी दोस्ती और मौज मस्ती देखने को मिल रही है।

19 जून को रिलीज होने वाली 'कॉकटेल 2' का लेटेस्ट सॉन्ग इस बार के समर वेकेशन का एंथम बनने वाला है क्योंकि गाने की वाइब मस्ती भरी और सुकून देने वाली है।

वेकेशन में फुल मस्ती के मोड को बरकरार रखने के लिए 'जब तलक' बिल्कुल परफेक्ट सॉन्ग है। सॉन्ग में समंदर किनारे शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन को दोस्ती, प्यार और फुल पागलपंती के साथ डांस करते हुए दिखाया गया है। गाने की बीट ऐसी है कि सुनने के बाद खुद को रोक पाना मुश्किल है।

गाने को अरिजीत सिंह और अकासा सिंह ने मिलकर गाया है, और गाने के लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और कंपोज प्रीतम चक्रवर्ती ने किया है। यह गाना कॉकटेल के 'तुम ही हो बंधु' की वाइब दे रहा है, लेकिन उस गाने की तुलना में काफी फीका लग रहा है। गाने में शाहिद कपूर ने भी अपनी डांसिंग स्किल्स को फ्लॉन्ट किया है, जबकि कृति और रश्मिका भी बीट पर शानदार स्टेप्स करती दिख रही हैं। कुल मिलाकर गाना वेकेशन मोड को ऑन करता है।

फिल्म में कृति सेनन का लुक काफी बोल्ड है और यह पहली फिल्म है जिसमें वह स्विमसूट में दिख रही हैं। अभिनेत्री का लुक काफी हद तक दीपिका पादुकोण के जैसा दिखाने की कोशिश की गई है, जो पहली फिल्म में थ।

हालांकि उम्मीद है कि फिल्म की कहानी कॉकटेल से अलग होगी। वहीं रश्मिका मंदाना के किरदार को क्यूट और खूबसूरत दिखाया गया है, जो काफी भोली-भाली दिख रही हैं।

बता दें कि फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और अभी फिल्म का ट्रेलर रिलीज नहीं किया गया है, हालांकि फिल्म की कुछ झलकियां पोस्टर रिलीज से पहले लीक हो गई थीं।

स्वरा भास्कर बर्थडेः फिल्मों से ज्यादा विवादों में रहीं स्वरा भास्कर, अपने ट्वीट और ओपन लेटर से मचाया हंगामा

मुंबई । बॉलीवुड की विवादित क्वीन स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने बयानों को लेकर हमेशा विवादों में रही हैं। वैसे तो उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी ज्यादातर फिल्में औसत या तो फिर फ्लॉप रहीं। हालांकि, उन्होंने दो बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया, जिसमें प्रेम रतन धन पायो और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स शामिल हैं। अभिनेत्री 9 अप्रैल को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं, और इस मौके पर हम उनके 5 बड़े विवादों के बारे में जानेंगे, जिनको लेकर उन्हें सबसे ज्यादा ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। स्वरा भास्कर हमेशा अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने बेशर्म रंग को लेकर खूब विवाद हुआ था। गाने में अभिनेत्री द्वारा भगवा रंग का स्विमसूट पहना गया था, जिसे लेकर फिल्म और अभिनेत्री का बॉयकॉट करने की मांग की गई थी। इसी विवाद पर स्वरा ने एक राजनेता को जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे लगता है कि हमारे नेता अभिनेत्रियों के कपड़े कम देखेंगे और अपने काम पर ज्यादा फोकस करें तो ज्यादा अच्छा होगा। हिजाब को लेकर मुस्लिम महिलाओं के अपमान की तुलना द्रौपदी के वस्त्रहरण से करने पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए और उन्हें ट्रोल किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि महाभारत में द्रौपदी के जबरन कपड़े उतारे गए थे और सभा में बैठे शक्तिशाली, कानून बनाने वाले लोग देखते रहे।

ट्रंप की 14 दिनों की युद्धविराम घोषणा के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने पर ईरान की सहमति

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक अहम कूटनीतिक मोड़ सामने आया है। ईरान ने बुधवार को संकेत दिया कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने को तैयार है, बशर्ते उसके खिलाफ होने वाले हमले बंद कर दिए जाएं। इसके साथ ही ईरान ने रणनीतिक रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दो हफ्तों के लिए अस्थायी रूप से खोलने का भी ऐलान किया है।

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने एक बयान में कहा कि यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है और हालात में नरमी के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह की इस अवधि में जहाजों को सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन इसके लिए ईरान के अधिकारियों के साथ समन्वय और तय शर्तों का पालन करना जरूरी होगा।

अराघची ने इस फैसले के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि अमेरिका की ओर से 15 सूत्रीय प्रस्ताव पर बातचीत की मांग और अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान के 10 सूत्रीय प्रस्ताव को बातचीत के आधार के रूप में स्वीकार करने की घोषणा के बाद यह कदम उठाया गया है। उन्होंने साफ किया कि ईरान का रुख पूरी तरह शर्तों पर आधारित है और यह दूसरे पक्ष की कार्रवाई पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा, 'अगर ईरान पर हमले बंद होते हैं, तो हमारी सशस्त्र सेनाएं भी अपनी रक्षात्मक कार्रवाई रोक देंगी। दो हफ्तों तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित आवाजाही संभव होगी, लेकिन इसके लिए हमारी सेनाओं के साथ समन्वय और तकनीकी सीमाओं का ध्यान रखना होगा।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने भी बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उन्होंने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को दो हफ्तों के लिए टालने पर सहमति दे दी है। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह, तुरंत और सुरक्षित रूप से खोलने पर सहमत होता है, तो हम भी दो हफ्तों तक हमले रोकेंगे।' ट्रंप ने इसे 'दोतरफा युद्धविराम' बताया।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना अपने लक्ष्य हासिल कर चुकी है और अब दीर्घकालिक शांति समझौते की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

उन्होंने कहा कि ईरान का 10 सूत्रीय प्रस्ताव बातचीत के लिए एक मजबूत आधार है और अधिकांश विवादित मुद्दों पर सहमति बन चुकी है।

उन्होंने भरोसा जताया कि दो हफ्तों में समझौता अंतिम रूप ले सकता है। ट्रंप ने इसे मध्य पूर्व में स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम बताया और कहा कि यह लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान के करीब पहुंचने का मौका है।

सीजफायर के बीच ईरान की रिफाइनरी पर हमला, कुवैत बोला- हमने मार गिराए 28 ड्रोन

कुवैत/नई दिल्ली। ईरान में सीजफायर ऐलान के बाद फिर से हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की लवन आइलैंड स्थित एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया है।

यह हमला लोकल समय के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे हुआ। हमले के बाद रिफाइनरी में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए तुरंत फायर ब्रिगेड और सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची।

वहीं कुवैत ने दावा किया है कि ईरान ने उसके देश पर ड्रोन हमला किया। कुवैत मीडिया एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअज़ीज़ अल-ओतैबी के हवाले से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह से दोपहर तक 28 ईरानी ड्रोन को हवा में ही ध्वस्त कर दिया गया। अल-ओतैबी के अनुसार, कुछ ड्रोन देश के दक्षिणी हिस्से तक पहुंचे और अहम ठिकानों को निशाना बनाया। इन ठिकानों में तेल के बड़े प्लांट, बिजली घर और डीसैलिनेशन प्लांट शामिल हैं, जिन्हें काफी नुकसान पहुंचाया गया है।

ईरान की आईआरएनए समाचार एजेंसी ने दावा किया कि उनकी रिफाइनरी पर हुए हमले के बाद ईरान ने कुवैत और यूएई पर ड्रोन अटैक किया है।

दूसरी ओर, लेबनान में भी हमले जारी हैं। अलजजीरा के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजरायल की ओर से हमले किए जा रहे हैं। इजरायल पहले ही कह चुका है कि हिज्बुल्लाह-इजरायल फ्रंट इस डील में शामिल नहीं है।

हालांकि, हिज्बुल्लाह ने अब तक सीमा पार से कोई रॉकेट लॉन्च करने या दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों पर किसी भी हमले का दावा करने से परहेज किया है, और उम्मीद है कि वे जल्द ही अपनी स्थिति स्पष्ट कर देंगे।

चीन का पहला 1,80,000 घन-मीटर एलएनजी कैरियर जहाज पूरा हुआ

बीजिंग । चीन का पहला स्वतंत्र रूप से डिजाइन और निर्मित 1,80,000-घन-मीटर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कैरियर जहाज चीन के च्यांगसू प्रांत के नानथोंग शहर में सफलतापूर्वक पूरा हो गया, जिसने डिलीवरी की शर्तें पूरी कर ली हैं। यह उच्च मूल्य-वर्धित जहाज के निर्माण के क्षेत्र में चीन के लिए एक नई ताकत का प्रतीक है।

180,000-घन-मीटर एलएनजी कैरियर जहाज चीन व्यापारी जहाज निर्माण उद्योग ग्रुप यानी सीएमआई द्वारा निर्मित है, जिसकी कुल लंबाई 298.8 मीटर है और चौड़ाई 48 मीटर है। यह जहाज दोहरे ईंधन वाली कम गति वाली प्रणोदन प्रणाली का इस्तेमाल करता है, जिसके फायदे हैं, जैसे कम वाष्पीकरण दर और उच्च पर्यावरणीय प्रदर्शन। यह बड़े पैमाने पर बड़े स्वच्छ ऊर्जा जहाजों के निर्माण के क्षेत्र में चीनी जहाज निर्माण कंपनियों के लिए एक बड़ी सफलता का प्रतीक है। यह जहाज चीन में अब तक पूरा हुआ सबसे बड़ा एलएनजी कैरियर जहाज भी है।

एलएनजी कैरियर जहाज खास तरह के जहाज होते हैं जिनका इस्तेमाल -163 डिग्री सेल्सियस पर निम्न-तापमान एलएनजी के परिवहन के लिए किया जाता है। इस तरह के जहाज को अपने बहुत मुश्किल डिजाइन और निर्माण की वजह से 'जहाज निर्माण उद्योग के मुकुट का गहना' के नाम पर कहा जाता है।

दुनिया भर में केवल कुछ ही जहाज निर्माण कंपनियों के पास इस तरह के जहाज बनाने की असली क्षमता है।

इस जहाज की डिलीवरी के साथ, चीन के पास एलएनजी कैरियर जहाज डिलीवर करने में सक्षम 5 जहाज निर्माण कंपनियां हैं। इससे चीन की संबंधित समग्र निर्माण क्षमता विश्वस्तरीय बनी है।

नेपाल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शीत्सांग पर आधारित छह फिल्म प्रदर्शित

बीजिंग। हाल ही में काठमांडू में 2026 नेपाल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया, जहां महोत्सव के 'बियॉन्ड शीत्सांग' अनुभाग में चीन के शीत्सांग के बारे में छह फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

'स्नो लेपर्ड', 'द पोटाला पैलेस', 'द प्लेटो स्कूल बस', 'पठार पर सूर्योदय', 'राजा गेसर: संघर्ष और कठिनाइयां' और लघु फिल्म 'आई सॉ शीत्सांग' सहित छह फिल्मों ने सैकड़ों नेपाली दर्शकों को आकर्षित किया।

फिल्म 'स्नो लेपर्ड' दिवंगत निर्देशक पेमा त्सेदेन की कृति है। टोक्यो के 36वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली यह फिल्म पठारी पारिस्थितिकी के संरक्षण और मनुष्य और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व पर केंद्रित है।

जब फिल्म का प्रदर्शन हुआ, तो 100 से अधिक लोगों की क्षमता वाला सिनेमाघर पूरी तरह से खचाखच भरा हुआ था।

लघु वृत्तचित्र 'आई सॉ शीत्सांग' नेपाल, अमेरिका, रूस, इटली, मोरक्को और कंबोडिया के नौ युवाओं की शीत्सांग यात्रा को आधार बनाकर आधुनिक शीत्सांग की खुलेपन और जीवंतता, हरित प्रौद्योगिकी और युवाओं की सक्रियता की कहानी बयां करता है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग में 250 से अधिक नेपाली दर्शक उपस्थित थे।

अंततः, 'स्नो लेपर्ड' ने 'बियॉन्ड शीत्सांग' के गैर-प्रतिस्पर्धी वर्ग में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता, और 'आई सॉ शीत्सांग' ने उसी वर्ग में दर्शकों की पसंद का पुरस्कार जीता। खबरों के मुताबिक, इस साल के फिल्म महोत्सव में 40 देशों और क्षेत्रों की लगभग 100 कृतियों को प्रदर्शित किया गया।

मिडिल ईस्ट में 'सीजफायर' : रूस-स्पेन का यूएस पर तंज, जर्मनी, फ्रांस और यूक्रेन ने किया स्वागत

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट 40 दिन बाद शांत है। 48 घंटे की डेडलाइन खत्म होने से ठीक पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया। हमेशा 'डिप्लोमेसी और डायलॉग' की बात करने वाले भारत ने संघर्ष विराम का स्वागत किया तो वहीं दुनिया के अलग-अलग देशों ने भी इस पर मिलीजुली राय रखी।

रूस-स्पेन ने तंज कसा तो जर्मनी, फ्रांस, यूक्रेन, ब्रिटेन, स्पेन ने इसका स्वागत किया। खाड़ी देशों ने भी राहत की सांस ली है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा के अनुसार, इस संघर्ष में अमेरिका-इजरायल की हार हुई है। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को ईरान पर 'बिना उकसावे के किया गया एकतरफा आक्रामक हमले' में दोनों (यूएस-इजरायल) की 'करीबी हार' हुई है।

उन्होंने स्पुतनिक रेडियो पर कहा, 'हमारे देश ने शुरू से ही, अपने पहले बयानों में कहा था कि इस हमले को तुरंत रोकना जरूरी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे 'बहुत अच्छा' कदम बताया। मैक्रों ने एक्स पर कहा कि यह समझौता क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में सकारात्मक पहल है, लेकिन उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि लेबनान की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि इस सीजफायर में लेबनान को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि पूरे क्षेत्र में व्यापक और स्थायी शांति स्थापित की जा सके। जर्मनी ने भी सीजफायर का स्वागत किया है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि आने वाले दिनों में कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जंग का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए।

वहीं, यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सीजफायर और होर्मुज स्ट्रेट के खुलने का स्वागत किया। साथ ही अमेरिका को सलाह दी कि उसे इसी तरह रूस को भी यूक्रेन के खिलाफ हमले रोकने के लिए मजबूर करना चाहिए।

स्पेन के विदेश मंत्री ने ईरान में सीजफायर, लेकिन लेबनान में हमले जारी रखने के इजरायली रवैए की आलोचना की। उन्होंने कहा कि दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति के बाद भी इजरायल ने लेबनान में अपना जमीनी कैंपेन जारी रखने का दावा किया। 'इसे मंजूर नहीं' किया जा सकता है।

जोस मैनुअल अल्बेरेस ने पब्लिक रेडियो आरएनई को बताया, 'सभी फ्रंट खत्म होने चाहिए, और सभी फ्रंट का मतलब लेबनान भी है।

वहीं स्पेनिश प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने एक्स पर सीजफायर का 'अच्छी खबर' के तौर पर स्वागत किया, लेकिन कहा कि स्पेन ' दुनिया में आग लगाने वालों की इसलिए तारीफ नहीं कर सकता।' सांचेज ने डिप्लोमेसी (कूटनीति), इंटरनेशनल लीगैलिटी (अंतर्राष्ट्रीय वैधता) और पीस (शांति) की जरूरत पर बल दिया। यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने उम्मीद जताई कि सीजफायर 'इलाके और दुनिया के लिए राहत का पल लाएगा।

भारत ने ईरान में मौजूद भारतीयों को दी जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह, युद्धविराम का स्वागत किया

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर समझौते के बावजूद, भारत ने बुधवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को सलाह दी कि वे जल्द से जल्द देश छोड़ दें। भारत ने अपने नागरिकों को ईरान में स्थित दूतावास के बताए रास्तों का इस्तेमाल करने का भी सुझाव दिया है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को एक एडवाइजरी में कहा, '7 अप्रैल की एडवाइजरी के क्रम में और हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे दूतावास के साथ तालमेल बिठाकर और दूतावास की ओर से सुझाए गए रास्तों का इस्तेमाल करके जल्द से जल्द ईरान छोड़ दें। भारतीय दूतावास ने आगे कहा, 'यह फिर से दोहराया जाता है कि दूतावास से पहले से सलाह और तालमेल किए बिना किसी भी अंतरराष्ट्रीय जमीनी सीमा तक पहुंचने की कोई कोशिश नहीं की जानी चाहिए।' एडवाइजरी में दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए आपातकालीन नंबर भी शेयर किए हैं।हालांकि, एक ताजा पोस्ट में भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम का स्वागत किया। इसके साथ ही, उम्मीद जताई कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी।

पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रम पर विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'हम युद्धविराम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हमने पहले भी लगातार जोर दिया है, मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, बातचीत और कूटनीति बेहद जरूरी हैं। इस संघर्ष ने लोगों को पहले ही भारी कष्ट पहुंचाया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति व व्यापार नेटवर्क को बाधित किया है। हमें उम्मीद है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते आवागमन की अबाध स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार का प्रवाह जारी रहेगा।

यह घटनाक्रम अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर समझौता होने के महज कुछ घंटों बाद सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष-विराम समझौते के तहत ईरान के खिलाफ हमलों को दो हफ्ते के लिए सशर्त रोकने की घोषणा की। उन्होंने इस कदम को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को फिर से खोलने के प्रयासों से जोड़ा।

ईरान ने इस प्रस्ताव को अस्थायी रूप से स्वीकार करने का संकेत दिया।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि अगर ईरान पर हमले बंद हो जाते हैं, तो तेहरान भी अपनी सैन्य कार्रवाई रोक देगा।

अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार को बताया स्थिर, सुधार की जरूरत बताई

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को 'स्थिर' बताया है, साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सुधार नहीं किए गए तो वैश्विक व्यापार प्रणाली 'कम प्रासंगिक' होने का जोखिम है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने मंगलवार (स्थानीय समय) को हडसन इंस्टीट्यूट में कहा, 'वाशिंगटन बीजिंग के साथ सतर्कता पूर्ण संतुलन बनाए हुए है। आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करते हुए तनाव को बढ़ने से रोक रहा है। फिलहाल, अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध स्थिर हैं। हम किसी बड़े टकराव की तलाश में नहीं हैं।

ग्रीर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका 'बढ़ते व्यापार घाटे' से निपटने के प्रयासों के तहत विशेष रूप से उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में चीनी वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाना जारी रखे हुए है।

ग्रीर ने बताया कि पिछले साल चीन के साथ अमेरिकी वस्तुओं का व्यापार घाटा 130 अरब डॉलर कम हो गया, जो 30 प्रतिशत की गिरावट है और ये 'वास्तविक बदलाव' का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन दुर्लभ पृथ्वी सामग्रियों तक पहुंच सहित आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने का भी प्रयास कर रहा है, जो बीजिंग के साथ चल रही चर्चाओं का केंद्र बिंदु बना हुआ है।

उन्होंने कहा, 'हम चीनियों के साथ लगभग हमेशा ही दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के बारे में बात करते हैं। अमेरिका भी घरेलू आत्मनिर्भरता और निर्भरता कम करने के लिए साझेदारी पर काम कर रहा है।

एक प्रश्न के उत्तर में ग्रीर ने फार्मास्यूटिकल्स में आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की ओर भी इशारा किया और बताया कि हालांकि भारत सक्रिय फार्मास्युटिकल घटकों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है लेकिन महत्वपूर्ण कच्चे माल अक्सर चीन से आते हैं।

ग्रीर ने कहा, 'लोग कहेंगे, 'ठीक है, हमें अपने अधिकांश एपीआई भारत से मिलते हैं।' यह सच हो सकता है, लेकिन प्रमुख प्रारंभिक सामग्रियां उन्हें चीन से मिल रही हैं। मैंने इस समस्या के समाधान के बारे में भारतीयों के साथ कई बार बातचीत की है।

वियतनामी कंपनी महाराष्ट्र में आधुनिक और एकीकृत शहरी विकास को बढ़ावा देगीः सीएम फडणवीस

मुंबई । वियतनाम की विनग्रुप जॉइंट स्टॉक कंपनी ने बुधवार को महाराष्ट्र में लगभग 8.5 अरब डॉलर (71,000 करोड़ रुपए) के निवेश का वादा किया है।

यह निवेश सतत शहरी विकास, औद्योगिक और पर्यटन विकास, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर केंद्रित होगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी राज्य भर में हरित ऊर्जा, आधुनिक बुनियादी ढांचे और गतिशील परिवहन प्रणालियों को गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह सहयोग राज्य के इतिहास में सबसे बड़े विदेशी प्रत्यक्ष निवेशों में से एक है। अगले दो वर्षों में कुल 8.5 अरब डॉलर के निवेश से 24,700 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। परियोजनाएं मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और महाराष्ट्र के अन्य चयनित स्थानों में 5,000 एकड़ में फैली होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2,700 एकड़ में एक विश्व स्तरीय, पर्यावरण के अनुकूल स्मार्ट आवासीय टाउनशिप विकसित की जाएगी, जिसमें लगभग 200,000 लोग रह सकेंगे। समझौते के तहत बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा और 'मोबिलिटी-एज-अ-सर्विस' (एमएएएस) प्लेटफॉर्म शुरू करने का भी लक्ष्य है, ताकि हरित परिवहन को बढ़ावा दिया जा सके। आवास और परिवहन के अलावा, समझौते में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रिक वाहन अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन सहित कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विनस्कूल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूल और विनमेक के माध्यम से बहु-विशेषज्ञ अस्पताल स्थापित करने का प्रस्ताव है। वी-ग्रीन पहल के तहत 170 एकड़ में फैला राज्यव्यापी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क बनाया जाएगा। इसके अलावा, 1,200 एकड़ में 500 मेगावाट की सौर परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

यूपी में दलित वोट बैंक पर सियासी जंग तेज, भाजपा-सपा-बसपा-कांग्रेस सभी ने झोंकी ताकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सभी दलों ने दलित वोटों को साधने की तैयारी शुरू कर दी है। सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी (सपा) बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस इन दिनों प्रमुखता से दलित वोटों को रिझाने के लिए तरह-तरह की रणनीति बनाने में जुटे हैं।

चुनाव करीब आते देख सभी दल इस वर्ग पर खास फोकस कर रहे हैं।

इस कारण अंबेडकर जयंती के पहले राजनीतिक दलों में तरह-तरह की प्रतिस्पर्धा देखने के लिए मिल रही है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के सकारात्मक नतीजे न आने के बाद से ही दलित वोट बैंक को सहेजने की कवायद शुरू कर दी थी। इसका बेड़ा खुद संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने उठाया था।

उन्होंने इस वर्ग के प्रोफेशनल के बीच उनके कैंपस में जाकर उनके दर्द को समझने का प्रयास किया। कई संगोष्ठियों का आयोजन किया। धर्मपाल खुद कई जिलों में पहुंचे। 45 जिलों में उन्होंने अनुसूचित वर्ग के बीच चल रही योजनाओं के बारे में बताया। इसके बाद टीम भी लगातार संपर्क कर रही है। उसी का नतीजा है कि अंबेडकर जयंती के पहले सरकार ने अंबेडकर मूर्ति विकास योजना की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर के समाज सुधारक, सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों की सुरक्षा और सौंदर्यीकरण को एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

डा0 बी0आर0 अंबेडकर मूर्ति विकास योजना' के अंतर्गत योगी सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ-साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्यीकरण करेगी। इसके साथ ही आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबर

नीतीश ने 4954 नवनियुक्त एएनएम को सौंपा नियुक्ति पत्र, निष्ठा से काम करने को लेकर जताया विश्वास

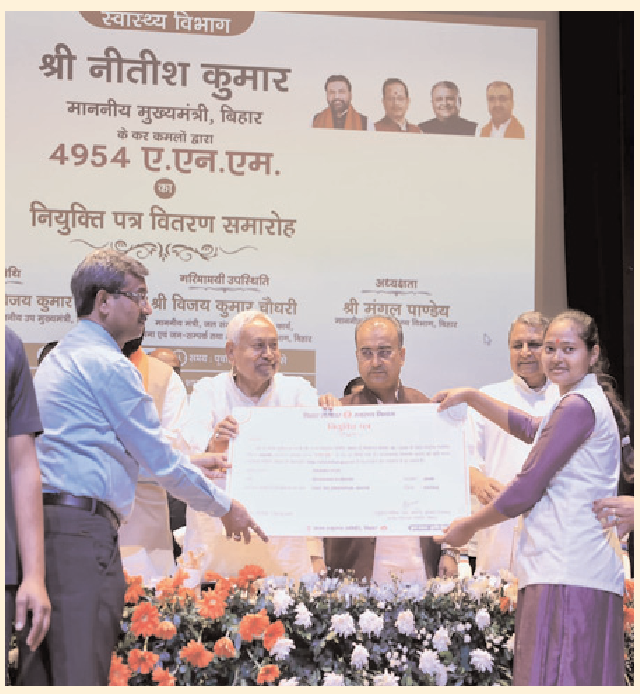

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के पहले बुधवार को 4954 नवनियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

पटना के शास्त्रीनगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में इन सभी को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से विनीता कुमारी, स्वाति कुमारी और रौशनी कुमारी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त एएनएम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेरा विश्वास है कि सभी नवनियुक्त कर्मी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के अलावा मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं नियुक्ति पत्र पाने वालीं एएनएम उपस्थित थीं। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने भी नव नियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर विश्वास जताते हुए लिखा कि 4954 एएनएम नियुक्तियों के साथ बिहार का स्वास्थ्य तंत्र मजबूत होगा। उन्होंने आगे लिखा, 'एएनएम कर्मचारी हर गांव और शहर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और रोगों की रोकथाम में अहम भूमिका निभाते हैं। इस नियुक्ति से बिहार का स्वास्थ्य तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा और प्रदेश में स्वास्थ्य, जागरूक और समर्थ समाज की दिशा में मजबूती आएगी। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इनके समर्पण, निष्ठा और मेहनत से निश्चित ही बिहार के हर कोने तक सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचेंगी। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं। वे गुरुवार को दिल्ली जाने वाले हैं और शुक्रवार को उनके राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

नेरियमंगलमः प्रकृति की गोद में छिपा है रहस्यमयी गांव, वाटरफॉल और मसालेदार पेड़-पौधे का ले पाएंगे अनुभव

नई दिल्ली। जून की छुट्टियों का मौसम शुरू होने वाला है और अगर आप एक साथ सुकून और प्रकृति की मनमोहक छटा का नजारा लेना चाहते हैं, तो हम आपके लिए केरल की ऐसी जगह की जानकारी लेकर आए हैं, जो अपनी प्रकृति, वाटरफॉल, और मसालेदार पेड़-पौधों के लिए मशहूर है।

यहां आकर प्रकृति के सुंदर नजारों के साथ दक्षिण भारत का पहला मेहराबदार पुल भी देखने को मिलेगा, जिसका बहुत पुराना इतिहास भी है।

केरल के एर्नाकुलम/इडुक्की सीमा क्षेत्र में प्रकृति की गोद में छिपा एक नेरियमंगलम नाम का गांव है, जो ऊंचे और हरे-भरे पहाड़ से घिरा है। यहां बड़े झरने से लेकर रबर के लंबे और विशाल पेड़ भी देखने को मिल जाएंगे। सबसे खास बात है कि इस गांव नेरियमंगलम को पार करते ही आपको तापमान में बदलाव भी महसूस होगा। इसे 'मुन्नार का प्रवेश द्वार' कहा जाता है। नेरियमंगलम गांव पेरियार नदी के तट पर स्थित है, जहां हरे-भरे रबर के बागानों, मसालों के बगीचों दो बड़े वाटरफॉल चीयप्पारा और वलारा देखने को मिलेंगे, जहां दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

केरल की प्रमुख भाषा मलयालम में नेरियमंगलम का अर्थ है 'नेरियम का गाँव।' यहां नेरियम का अर्थ है वहां की प्रकृति में पाया जाने वाला पेड़, और मंगलम का अर्थ है शुभ और सौभाग्य लेकर आना। यहां आसानी से इलायची, काली मिर्च, वनीला, लौंग जायफल और दालचीनी के पेड़ मिल जाते हैं। यहां रबर के पेड़ों की भी खेती होती है, लेकिन यहां के वातावरण के हिसाब से सबसे ज्यादा खेती मसालों की होती है और फिर पूरे भारत में इसे बेचा जाता है।

दो बड़े वाटरफॉल, चीयप्पारा और वलारा, प्रकृति के बीचों-बीच बसे झरने हैं, जो कोच्चि-मुन्नार राजमार्ग पर पड़ते हैं। चीयप्पारा एक इको-टूरिज्म प्लेस है, जहां 1000 फीट से अधिक के ऊंचे पहाड़ से जल तेजी से नीचे गिरता है और तेज आवाज आती है। पानी बिल्कुल साफ और ठंडा होता है। जून से सितंबर के मध्य पानी का स्तर बढ़ जाता है और अधिक संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं जबकि वलारा एक छोटा झरना है, जो मानसून के दौरान ही दिखता है।

बात अगर नेरियमंगलम के मेहराबदार पुल की करें, तो यह फुल एर्नाकुलम और इडुक्की के बीच एक बड़े मार्ग का काम करता है।

चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक, भय-हिंसा और प्रलोभन रहित होगा चुनाव

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार काफी गहमागहमी मची हुई है। एक तरफ टीएमसी भाजपा और चुनाव आयोग पर लगातार गंभीर आरोप लगा रही है। वहीं, भाजपा भी टीएमसी की शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की मांग कर रहा है। ऐसे में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बुधवार को कड़ा संदेश दिया है।

चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, 'चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भयरहित, हिंसारहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ और सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे।

इसके पहले मंगलवार 7 मार्च को राज्य चुनाव आयोग की तरफ से जारी किए गए एक बयान में कहा गया था कि संज्ञान में आया है कि मीडिया के एक वर्ग द्वारा यह संदेश प्रसारित किया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव 2026 के संबंध में मतदान के दिन विभिन्न राजनीतिक दलों के मतदान एजेंटों को मतदान केंद्र के अंदर बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बयान में आगे कहा गया कि यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन एजेंटों की बैठने की व्यवस्था के संबंध में इस प्रकार का कोई नया दिशानिर्देश जारी नहीं किया है, इसलिए मतदान के दिन मतदान एजेंटों के संबंध में पूर्व दिशानिर्देश अपरिवर्तित रहेगा।

गौरतलब है, पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है।

इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं।

बता दें कि पश्चिम बंगाल की कुल 294 सीटों पर मतदान दो चरणों में कराया जाएगा। पहला चरण 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरा चरण 29 अप्रैल को बाकी 142 सीटों के लिए आयोजित किया जाएगा। मतगणना और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

उत्तराखंड : भारी बर्फबारी के बावजूद केदारनाथ यात्रा की तैयारियां तेज गति से जारी

केदारनाथ । उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के बावजूद केदारनाथ धाम यात्रा की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासन ने मौसम की चुनौतियों के सामने घुटने नहीं टेके हैं और धाम व पैदल मार्ग पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहा है।

वर्तमान में केदारनाथ धाम तक खाद्य सामग्री, निर्माण सामग्री और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति घोड़े-खच्चरों के माध्यम से लगातार की जा रही है। मोटी बर्फ की परत जमने और कठिन मौसम के बावजूद श्रमिकों और पशु चालकों की मेहनत से सामान धाम तक पहुंचाया जा रहा है।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा स्वयं तैयारियों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कर रहे हैं और मौके की स्थिति के अनुसार जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे हैं। प्रशासन का पूरा फोकस यात्रा मार्ग को सुरक्षित बनाने, आवास व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने पर है।

प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि भले ही मौसम चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन केदारनाथ यात्रा को सुचारु, सफल और सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बर्फबारी के बीच भी जिस रफ्तार से काम चल रहा है, उससे साफ है कि यात्रा शुरू होने तक सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार कर ली जाएंगी।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बर्फ हटाने, पथरीले रास्तों को सुधारने और टेंट-होटल व्यवस्था की तैयारी भी तेजी से चल रही है। स्वास्थ्य विभाग ने धाम और रास्ते में मेडिकल पोस्ट और इमरजेंसी सेवाएं शुरू करने की योजना बना ली है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी हुई हैं।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा, 'मौसम कितना भी प्रतिकूल हो, हमारी कोशिश है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा मिले। बर्फबारी के बावजूद हमारी टीम दिन-रात काम कर रही है।

आज का पंचांग : बैशाख कृष्ण की सप्तमी तिथि

नई दिल्ली। पंचांग के पांचों अंग (नक्षत्र, योग, वार, तिथि व करण) के अनुसार ही दिन व शुभ-अशुभ समय का निर्धारण होता है। पंचांग के अनुसार गुरुवार 9 अप्रैल को बैशाख मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि है। गुरुवार को सप्तमी तिथि शाम 9 बजकर 19 मिनट तक रहेगी, उसके बाद अष्टमी शुरू हो जाएगी। हालांकि, उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन सप्तमी का ही मान होगा। नक्षत्र की बात करें तो मूल नक्षत्र सुबह 8 बजकर 48 मिनट तक रहेगा, इसके बाद पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र लगेगा। योग परिघ शाम 5 बजकर 58 मिनट तक रहेगा और करण विष्टि सुबह 8 बजकर 12 मिनट तक चलेगा। सूर्योदय सुबह 6 बजकर 2 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 6 बजकर 43 मिनट पर होगा।गुरुवार के शुभ समय की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 32 मिनट से 5 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना गया है। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 42 मिनट से 7 बजकर 5 मिनट तक होगा।वहीं, सायाह्न सन्ध्या सूर्यास्त के बाद शाम 6 बजकर 43 मिनट से 7 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। रवि योग सुबह 6 बजकर 2 मिनट से 8 बजकर 48 मिनट तक चलेगा। निशिता मुहूर्त देर रात 12 बजे से 12 बजकर 45 मिनट (10 अप्रैल) तक होगा। अशुभ समय की जानकारी भी जरूरी है। राहुकाल दोपहर 1 बजकर 58 मिनट से 3 बजकर 33 मिनट तक रहेगा, इसलिए इस दौरान महत्वपूर्ण काम टालना बेहतर होगा। यमगण्ड सुबह 6 बजकर 2 मिनट से 7 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। गुलिक काल सुबह 9 बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 48 मिनट तक होगा। दुर्मुहूर्त सुबह 10 बजकर 16 मिनट से 11 बजकर 7 मिनट तक रहेगा। भद्रा सुबह 6 बजकर 2 मिनट से 8 बजकर 12 मिनट तक चलेगी। गण्ड मूल भी सुबह 6 बजकर 2 मिनट से 8 बजकर 48 मिनट तक रहेगा।

वहीं, वर्ज्य समय सुबह 7 बजकर 1 मिनट से 8 बजकर 48 मिनट, दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से 4 बजकर 11 मिनट और शाम 7 बजकर 28 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक रहेगा।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों ने आईईडी का पता लगाकर उसे निष्क्रिय किया

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों द्वारा लगाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता सुरक्षा बलों ने लगा लिया और उसे सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आईईडी शोपियां में जैनपोरा-चित्रगाम सड़क पर सुबह-सुबह इलाके की नियमित सफाई के दौरान मिला था और इसका उद्देश्य इस सड़क से गुजरने वाले सुरक्षा बलों के वाहनों को निशाना बनाना था। जैनपोरा-चित्रगाम सड़क पर यातायात कुछ समय के लिए रुकने के बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया, जिसने आईईडी को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। विद्रोही या आतंकवादी समूहों द्वारा संपत्ति को नष्ट करने और लोगों को मारने या घायल करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'घर में बने' बम या विनाशकारी उपकरण, आईईडी, आमतौर पर पारंपरिक सैन्य घटकों, रासायनिक पदार्थों या छोड़े गए विस्फोटकों से निर्मित होते हैं।

आईईडी का उपयोग आमतौर पर अपरंपरागत युद्ध में किया जाता है, अक्सर इन्हें सड़क किनारे बम या वाहनों में छिपाकर रखा जाता है। इनमें एक स्विच, एक डेटोनेटर, एक चार्ज (विस्फोटक) और एक कंटेनर होता है, और ये छोटे पाइप बम से लेकर भारी तबाही मचाने में सक्षम बड़े वाहन-जनित आईईडी (वीबीआईईडी) तक हो सकते हैं।

गगनयान से पहले होंगे तीन मानवरहित मिशनः इसरो प्रमुख वी. नारायणन

बेंगलुरु । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान से पहले तीन मानवरहित (अनक्रूड) मिशन भेजे जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय 'स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस' सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के बाद पत्रकारों से बातचीत में नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशों और घोषणाओं के आधार पर गगनयान कार्यक्रम पर काम जारी है।

उन्होंने कहा, 'क्रूड मिशन से पहले तीन अनक्रूड मिशन निर्धारित किए गए हैं। फिलहाल हम पहले मानवरहित मिशन पर काम कर रहे हैं और सभी गतिविधियां सुचारु रूप से चल रही हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि मिशनों की समय-सीमा और अन्य जानकारियां उचित समय पर साझा की जाएंगी।

मिशन ऑपरेशंस के महत्व पर जोर देते हुए इसरो प्रमुख ने कहा कि किसी भी अंतरिक्ष मिशन में यह बेहद अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि लॉन्च व्हीकल केवल 20-25 मिनट तक काम करता है, जबकि मिशन ऑपरेशन लंबे समय तक जारी रहता है। उदाहरण के तौर पर, 15 साल तक काम करने वाले संचार उपग्रहों के लिए लगातार ऑपरेशन जरूरी होता है। नारायणन ने मंगल ऑर्बिटर मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि इस मिशन में करीब 300 दिनों तक ऑपरेशन चलाना पड़ा था, तब जाकर यह सफल हो सका।

मानव अंतरिक्ष मिशन की चुनौतियों पर उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए पहली बार होने जा रहा है, इसलिए कई नई तकनीकों और प्रणालियों का विकास करना होगा। इसमें लॉन्च व्हीकल की ह्यूमन रेटिंग, क्रू एस्केप सिस्टम, पर्यावरण नियंत्रण और सुरक्षा प्रणाली के साथ इंसान, मशीन और सॉफ्टवेयर के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना शामिल है।

सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इसमें मिशन ऑपरेशंस और नई तकनीकों पर विस्तृत चर्चा होगी। करीब 400 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जो छात्रों, स्टार्टअप कंपनियों और इस क्षेत्र में काम कर रहे इंजीनियरों के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे।

'खरबूजे के बीज' : पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड, इम्युनिटी बूस्ट तो ब्लड प्रेशर को करे कंट्रोल

नई दिल्ली। स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए रोजाना के आहार में छोटे-छोटे बदलाव बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट आहार में पोषक तत्वों से भरपूर 'खरबूजे के बीजों' को शामिल करने की सलाह देते हैं, जिसके सेवन से सेहत को एक-दो नहीं कई लाभ मिलते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन पोषक तत्वों से भरपूर खरबूजे के बीजों के बारे में जानकारी देते हुए सेवन की सलाह देता है। खरबूजे के बीज प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं। ये बीज इम्युनिटी बढ़ाने, हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में बेहद उपयोगी हैं। स्वस्थ जीवनशैली के लिए इन्हें अपने रोजाना के भोजन में शामिल कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि स्वस्थ रहने के लिए रोजाना थोड़ी मात्रा में खरबूजे के बीज खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है। ये प्राकृतिक रूप से उपलब्ध और सस्ता सुपरफूड हैं, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के कई स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान देते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, खरबूजे के बीज सेहत का प्राकृतिक खजाना माने जाते हैं। इनमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। फाइबर से भरपूर होने के कारण ये पाचन तंत्र को सुधारते हैं और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। साथ ही, इनमें मौजूद कई विटामिन और खनिज शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने का काम करते हैं। रबूजे के बीजों में मौजूद पोषक तत्व शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं, जिससे सर्दी-जुकाम जैसी आम बीमारियों से बचाव होता है, यह हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हैं। ये शरीर में सोडियम के स्तर को संतुलित रखते हैं और ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में मदद करते हैं। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जिसके कारण ये पाचन क्रिया को सुचारू बनाते हैं और कब्ज की समस्या को दूर करते हैं।

मंगोलिया में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए इस साल 20,000 महिलाओं की होगी स्क्रीनिंग

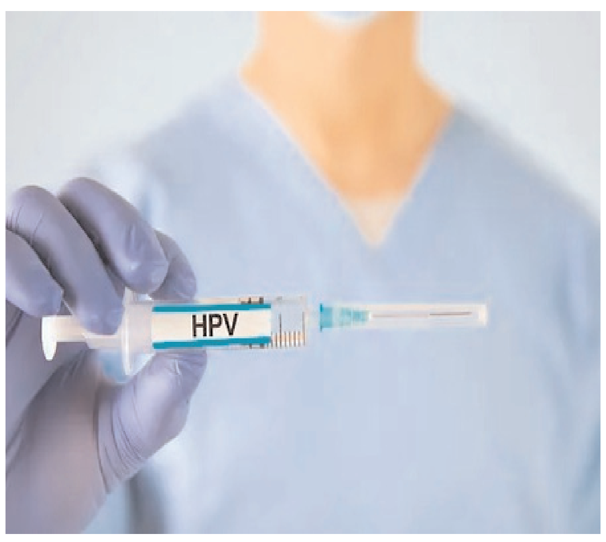

उलान बटोर। मंगोलिया में इस साल गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के प्रमुख कारण ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) की जांच के लिए 30 और 40 वर्ष की आयु की कम से कम 20,000 महिलाओं की स्क्रीनिंग की जाएगी। स्थानीय मीडिया ने देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी है।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम योग्य है। इसके लिए स्क्रीनिंग कराना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से मंगोलिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने लक्षित आयु वर्ग की महिलाओं को इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय संक्रामक रोग केंद्र के अनुसार, मंगोलिया में सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है और पूरे देश में चौथा सबसे आम कैंसर है। 2025 में मंगोलिया, जिसकी आबादी 35 लाख है, में 551 नए सर्वाइकल कैंसर के मामले दर्ज हुए और इससे संबंधित 171 मौतें हुईं।

एचपीवी एक आम यौन संचारित संक्रमण है। लगभग सभी यौन सक्रिय लोग जीवन में कभी न कभी इससे प्रभावित होते हैं, लेकिन आमतौर पर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते। एचपीवी त्वचा, जननांग और गले को प्रभावित कर सकता है। कंडोम इस संक्रमण को रोकने में मदद करता है, लेकिन यह पूरी सुरक्षा नहीं देता क्योंकि यह जननांग की पूरी त्वचा को नहीं ढकता।

अच्छी बात यह है कि एचपीवी अक्सर अपने आप ठीक हो जाता है और इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि कुछ मामलों में यह जननांगों में मस्से या असामान्य कोशिकाओं का कारण बन सकता है, जो आगे जाकर कैंसर में बदल सकती हैं। यही वजह है कि टीकाकरण और समय पर स्क्रीनिंग बहुत जरूरी है।

एचपीवी वैक्सीन से इस वायरस के कारण होने वाले कैंसर को रोका जा सकता है। यह वैक्सीन किसी भी तरह का जीवित वायरस या वायरल डीएनए नहीं रखती, इसलिए यह कैंसर या एचपीवी संबंधित बीमारियों का कारण नहीं बन सकती। हालांकि, वैक्सीन इलाज नहीं करती, बल्कि भविष्य में कैंसर के होने से रोकती है।

इस समय, सर्वाइकल कैंसर ही एकमात्र एचपीवी जनित ऐसा कैंसर है जिसके लिए स्क्रीनिंग टेस्ट उपलब्ध हैं। स्क्रीनिंग का मतलब है बीमारी को लक्षण दिखाई देने से पहले जांचना। इसका मकसद यह है कि प्रारंभिक चरण की असामान्य कोशिकाओं को पकड़कर उन्हें इलाज के जरिए कैंसर बनने से रोकना।

आर्टेमिस II : स्पेस में सूर्य ग्रहण के दौरान एस्ट्रोनॉट्स ने पहने 'सोलर व्यूइंग ग्लासेज', जानें क्यों है जरूरी

नई दिल्ली। ग्रहण एक खूबसूरत प्राकृतिक घटना है। ऐसे में पृथ्वी या अंतरिक्ष से इस घटना को देखना खास है। लेकिन आंखों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में आर्टेमिस II मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा सूर्य ग्रहण देखने के अनुभव को साझा करते हुए सोलर व्यूइंग ग्लासेज की अहमियत पर जोर दिया।

हाल ही में आर्टेमिस II के चारों अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच, जेरेमी हैनसन, रीड वाइजमैन और विक्टर ग्लोवर ने ओरियन स्पेसक्राफ्ट से सूर्य ग्रहण देखा। उन्होंने सूर्य ग्रहण के आंशिक चरणों के दौरान विशेष सोलर एक्लिप्स ग्लासेज पहने, ताकि आंखों को कोई नुकसान न पहुंचे। पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह ढक लेता है। उस छोटे से टोटली एक्लिप्स के समय को छोड़कर बाकी पूरे समय सूर्य को सीधे देखना बहुत खतरनाक है।

नासा के अनुसार, सूर्य के चमकीले हिस्से को बिना सुरक्षा के देखने से आंखों को तुरंत गंभीर और स्थायी नुकसान हो सकता है। इसलिए ग्रहण देखने के लिए विशेष रूप से बने सोलर व्यूइंग ग्लासेज या हैंडहेल्ड सोलर व्यूअर का इस्तेमाल करना जरूरी है। ये सोलर एक्लिप्स ग्लासेज सामान्य धूप के चश्मे से बिलकुल अलग होते हैं। ये हजारों गुना ज्यादा गहरे होते हैं और आईएसओ 12312-2 अंतरराष्ट्रीय मानक का पालन करते हैं। नासा किसी भी स्पेशल ब्रांड को मंजूरी नहीं देता लेकिन सही मानक वाले चश्मे ही सुरक्षित माने जाते हैं।

एक्सपर्ट बताते हैं कि आंशिक और वलयाकार ग्रहण के दौरान सावधानी भी रखनी चाहिए। आंशिक या वलयाकार सूर्य ग्रहण में पूर्णता का समय नहीं आता, इसलिए पूरे समय सोलर व्यूइंग ग्लासेज पहनकर ही देखना चाहिए। अगर चश्मे फटे हुए, खरोंच वाले या खराब हों तो उन्हें तुरंत फेंक दें। बच्चों पर हमेशा नजर रखें।

साथ ही सोलर ग्लासेज पहने हुए कैमरे, दूरबीन, टेलीस्कोप या किसी भी ऑप्टिकल उपकरण से सूर्य को न देखें। इससे फिल्टर जल सकता है और आंखों को भारी नुकसान पहुंच सकता है। ऑप्टिकल उपकरणों के लिए अलग से विशेष सोलर फिल्टर लगाना जरूरी है, जो उपकरण के सामने लगा हो।

अगर सोलर ग्लासेज नहीं हैं तो अप्रत्यक्ष तरीके से देखें। इसके लिए पिनहोल प्रोजेक्टर विधि सबसे आसान है। इसके लिए एक कार्डबोर्ड बॉक्स, सफेद कागज, एल्युमिनियम फॉइल और उस पर छोटा छेद बनाकर सूर्य की छवि को दीवार या कागज पर प्रोजेक्ट करके देखा जा सकता है। सूर्य को अपनी पीठ की ओर रखें और छेद से आने वाली रोशनी को देखें।

गर्भावस्था में हाथ, पैर या चेहरे में सूजन? जानें कारण और आसान घरेलू उपाय

नई दिल्ली। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में कई बदलाव आते हैं और उनमें से एक आम समस्या है हाथ, पैर या चेहरे में सूजन, जिसे एडेमा कहते हैं। यह अक्सर दूसरे और तीसरे ट्राइमेस्टर में देखने को मिलता है। दरअसल, इस समय शरीर में लगभग 50 प्रतिशत ज्यादा खून और बॉडी फ्लूइड्स बनते हैं ताकि बढ़ते हुए बच्चे की जरूरतें पूरी हो सकें। यही अतिरिक्त खून और तरल पदार्थ सूजन का कारण बनते हैं।

सूजन को कम करने और इसे नियंत्रित करने के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले तो अपनी ब्लड प्रेशर की नियमित जांच करते रहें। इससे पता चलता रहेगा कि कहीं हाई ब्लड प्रेशर की समस्या तो नहीं बढ़ रही। इसके अलावा नमक का सेवन कम करना भी बहुत जरूरी है। नमक शरीर में पानी को रोकता है, जिससे सूजन बढ़ सकती है। खाना हल्का और संतुलित होना चाहिए। मसालेदार या खट्टी चीजों से बचना चाहिए। हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करना भी सूजन कम करने में मदद करता है। रोज थोड़ी देर पैदल चलना या स्ट्रेचिंग करना शरीर में फ्लूइड के सही प्रवाह में मदद करता है। सोते समय पैरों को हल्का ऊंचा रखने से भी सूजन कम हो सकती है। आप एक छोटा तकिया या कुशन पैरों के नीचे रख सकते हैं ताकि रक्त प्रवाह सुचारू रहे। लंबे समय तक खड़े या बैठे रहना भी सूजन बढ़ा सकता है, इसलिए बीच-बीच में हल्की मूवमेंट जरूरी है।

इसके अलावा, कुछ आयुर्वेदिक और घरेलू उपाय भी उपयोगी साबित होते हैं, जैसे कि गोखरू चूर्ण 5 ग्राम पानी के साथ दिन में दो बार या पुनर्नवा मंडूर 500 मिलीग्राम दिन में दो बार 15 दिन तक लेने से सूजन कम करने में मदद मिलती है। लेकिन इसे शुरू करने से पहले किसी योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह लेना जरूरी है।

आमतौर पर यह सूजन हल्की होती है और चिंता की बात नहीं होती, लेकिन अगर यह बहुत ज्यादा बढ़ जाए या हाई ब्लड प्रेशर के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प है होम्योपैथी, बिना साइड इफेक्ट के इलाज

नई दिल्ली। आज के समय में हर माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता होती है अपने बच्चे की सेहत। जरा-सी खांसी, बुखार या पेट दर्द होते ही हम तुरंत इलाज की ओर भागते हैं। लेकिन इसी के साथ दवाइयों के साइड इफेक्ट का डर भी रहता है। ऐसे में होम्योपैथी एक ऐसा विकल्प है, जिसे कई लोग सुरक्षित इलाज के रूप में देखते हैं।

होम्योपैथी की सबसे खास बात यह मानी जाती है कि इसमें दवाइयां बहुत हल्की और शरीर के अनुरूप होती हैं। यही वजह है कि बच्चों के लिए इसे अक्सर पसंद किया जाता है। छोटे बच्चों का शरीर नाजुक होता है, इसलिए माता-पिता चाहते हैं कि इलाज ऐसा हो जो असरदार भी हो और नुकसानदायक भी न हो। होम्योपैथी इस जरूरत को काफी हद तक पूरा करती है।

बचपन में बच्चों को बार-बार सर्दी-जुकाम, खांसी, पेट की गड़बड़ी या दांत निकलने के समय परेशानी जैसी कई छोटी-छोटी समस्याएं होती रहती हैं। ऐसे मामलों में कई परिवार होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। माना जाता है कि यह सिर्फ बीमारी को दबाने के बजाय शरीर की अंदरूनी प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बेहतर बनाने पर ध्यान देती है।

एक और वजह जिससे लोग होम्योपैथी की ओर आकर्षित होते हैं, वह है इसका आसान सेवन। इसकी दवाइयां अक्सर मीठी गोलियों के रूप में होती हैं, जिन्हें बच्चे बिना किसी परेशानी के ले लेते हैं। यह बात भी माता-पिता के लिए राहत भरी होती है, क्योंकि बच्चों को कड़वी दवा खिलाना अक्सर मुश्किल हो जाता है।

बच्चों के विकास के दौरान उनकी इम्युनिटी मजबूत होना बहुत जरूरी होता है। इस संदर्भ में होम्योपैथी को कुछ लोग एक सहायक विकल्प के रूप में अपनाते हैं, जिससे बार-बार होने वाली बीमारियों की आवृत्ति कम करने में मदद मिल सके। हालांकि, इसके साथ संतुलित आहार, साफ-सफाई और सही दिनचर्या भी उतनी ही जरूरी है।

हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि हर तरह की बीमारी के लिए एक ही तरीका सही नहीं होता। होम्योपैथी को कई लोग हल्की और शुरुआती समस्याओं में उपयोगी मानते हैं, लेकिन गंभीर या आपात स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना बेहद जरूरी है। सही इलाज वही है, जो बच्चे की स्थिति के अनुसार चुना जाए।

घड़े का पानी शरीर को देता है नेचुरल ठंडक, खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली। गर्मियों की चिलचिलाती धूप और बढ़ते तापमान के बीच फ्रिज से ठंडा पानी पीना राहत जरूर देता है, लेकिन यह शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

इसके मुकाबले मिट्टी के घड़े का पानी एक ऐसा विकल्प है, जो शरीर को धीरे-धीरे ठंडा करता है और अंदरूनी सिस्टम को बिना नुकसान पहुंचाए राहत देता है।

विज्ञान के अनुसार, जब हम बहुत ठंडा पानी पीते हैं, तो शरीर के तापमान पर अचानक झटका पहुंचता है। इससे गले की नसें सिकुड़ सकती हैं और पाचन तंत्र भी धीमा हो जाता है। कई बार ठंडा पानी पीने से गले में खराश, खांसी या पाचन से जुड़ी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। वहीं, आयुर्वेद मानता है कि अत्यधिक ठंडा पानी शरीर की पाचन शक्ति को कमजोर करता है, जिससे खाना ठीक से नहीं पचता और गैस, एसिडिटी जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसके उलट, मिट्टी के घड़े का पानी प्राकृतिक तरीके से ठंडा होता है। इसमें एक खास प्रक्रिया काम करती है, जिसमें घड़े की सतह से पानी धीरे-धीरे बाहर की हवा के संपर्क में आकर वाष्पित होता है। इस प्रक्रिया से पानी ठंडा होता है, और यह ठंडक शरीर के लिए संतुलित होती है।

आयुर्वेद में भी मिट्टी के बर्तनों का खास महत्व बताया गया है। माना जाता है कि मिट्टी में ऐसे गुण होते हैं, जो पानी के पीएच स्तर को संतुलित रखने में मदद करते हैं। घड़े का पानी पेट को ठंडा रखता है, जिससे एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं।

इसके अलावा, घड़े का पानी शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करने में भी मदद करता है। यह शरीर से अनचाहे तत्वों को बाहर निकालता है। जब शरीर का तापमान संतुलित रहता है, तो ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है और त्वचा पर भी इसका सकारात्मक असर दिखता है।

पानी का घड़ा चुनते समय कुछ सावधानी जरूरी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ऐसा घड़ा लेना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक मिट्टी से बना हो और जिसमें किसी तरह का केमिकल या रंग न मिलाया गया हो। अगर बर्तन से अजीब गंध आती है या रंग हाथ में लगता है, तो उसे इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अच्छी क्वालिटी का घड़ा हल्की मिट्टी की खुशबू देता है और उसका अंदरूनी हिस्सा थोड़ा खुरदुरा होता है।

घड़े की मोटाई भी अहम होती है, क्योंकि मोटा घड़ा पानी को ज्यादा देर तक ठंडा रखता है और जल्दी टूटता भी नहीं। इसके साथ ही, खरीदने से पहले उसमें पानी भरकर देख लेना चाहिए कि कहीं से रिसाव तो नहीं हो रहा। सही साइज का घड़ा चुनना भी जरूरी है, ताकि वह घर में आसानी से इस्तेमाल किया जा सके।

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप: सिंधु-प्रणॉय की जीत, लक्ष्य और किदांबी को झटका

निंगबो । बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। बुधवार को 2 बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और एचएस प्रणॉय ने पहले राउंड की कड़ी चुनौती को पार कर लिया, जबकि लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत को बाहर होना पड़ा।

सिंधु को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग ने कड़ी टक्कर दी, जिसके बाद उन्होंने तीन गेम में मुश्किल से जीत हासिल की। ??पहला गेम 15-21 से हारने के बाद, भारतीय शटलर ने खुद को संभाला और दूसरे गेम पर 21-11 से कब्जा कर लिया।

निर्णायक गेम एक तनावपूर्ण मुकाबला बन गया, जिसमें बार-बार मैच का रुख बदल रहा था। जब स्कोर 19-19 पर बराबर था, तो सिंधु ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए आखिरी दो प्वाइंट जीते और एक घंटे सात मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय स्टार अब दूसरे राउंड में चीन की वांग झी यी से भिड़ेंगी।

इस बीच, प्रणॉय ने गुयेन हाई डांग को सीधे गेम में 24-22, 21-12 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। उन्होंने पहले गेम में कई 'गेम प्वाइंट' बचाते हुए 24-22 से करीबी जीत हासिल की। ??इसके बाद दूसरे गेम में पूरी तरह दबदबा बनाया और लय बनाए रखते हुए 21-12 से गेम जीत लिया। अब दूसरे राउंड में उनका मुकाबला चीन के शटलर वेंग होंग यांग से होगा।

इसके विपरीत, लक्ष्य सेन को हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया। 41 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य को 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एक अन्य मैच में, श्रीकांत को सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू के हाथों तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्होंने पहले गेम में कड़े संघर्ष के बाद 21-18 से जीत हासिल की। ??हालांकि, लोह ने दूसरे गेम में वापसी की, रैलियों पर अपना दबदबा बनाया और 21-9 से गेम जीतकर मैच बराबर कर दिया। सिंगापुर के खिलाड़ी ने उसी लय को निर्णायक गेम में भी बनाए रखा, लगातार आक्रामक खेल और सात प्वाइंट्स की बढ़त के साथ मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखते हुए 21-11 से गेम अपने नाम कर लिया।

मोंटे कार्लो मास्टर्स: बेरेटिनी ने मेदवेदेव को शिकस्त देकर बनाई तीसरे दौर में जगह

मोंटे कार्लो । मोंटे-कार्लो मास्टर्स में बुधवार को वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाले माटेओ बेरेटिनी ने वर्ल्ड नंबर-10 खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव को 6-0, 6-0 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। यह मैच सिर्फ 49 मिनट तक चला।

इटैलियन खिलाड़ी ने पूरे मुकाबले में मेदवेदेव पर दबदबा बनाए रखा। इस दौरान मेदवेदेव का प्रदर्शन काफी खराब रहा। वह अपनी ही सर्विस पर एक भी गेम प्वाइंट नहीं बना पाए। इस हार के साथ ऐसा पहली बार हुआ, जब इस रूसी खिलाड़ी ने टूर-लेवल का कोई मैच बिना एक भी गेम जीते गंवाया।

बेरेटिनी ने अब इस टूर्नामेंट में अपने शुरुआती दोनों मैच बिना कोई गेम गंवाए जीत लिए हैं। पहले दौर में, 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, जब रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट चोट के कारण मैच से हट गए थे।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-6 खिलाड़ी ने पिछले साल इसी टूर्नामेंट में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराने के बाद से अब टॉप-10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की है। ऐसा पहली बार था जब बेरेटिनी ने टूर-लेवल पर 6-0, 6-0 से जीत हासिल की। डेनिल मेदवेदेव, जो इस साल दुबई और ब्रिस्बेन में खिताब जीतने के बाद अपना पहला क्ले-कोर्ट मैच खेल रहे थे, इस मुकाबले में लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने एकतरफा मुकाबले में 27 अनफोर्स्ड एरर किए। इस जीत के साथ बेरेटिनीने मेदवेदेव के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 1-3 कर लिया। अब अगले दौर में उनका सामना जोआओ फोंसेका या आर्थर रिंडरकनेच में से किसी एक से होगा। मैच जीतने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक था। मुझे लगता है कि पूरे मैच में मैंने सिर्फ तीन शॉट मिस किए, और डेनिल जैसे मुश्किल खिलाड़ी के खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं होता।

आईपीएल 2026: केएल राहुल की मेहनत बेकार, जीटी ने डीसी को महज 1 रन से हराया

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गई। बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए सीजन के 14वें मैच में डीसी को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 1 रन से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

डीसी ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच 6-6 विकेट के अंतर से जीते थे। डीसी फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। दूसरी ओर, जीटी की टीम पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी थी, जिसके बाद आखिरकार जीटी ने जीत का खाता खोला है। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में छठे स्थान पर पहुंच गई है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 210 रन बनाए। इस टीम को 19 रन पर साई सुदर्शन (12) के रूप में जल्द पहला झटका लग गया था। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 60 रन की साझेदारी की।

बटलर 27 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 52 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गिल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 60 गेंदों में 104 रन की पारी खेली। गिल 45 गेंदों में 5 छक्कों और 4 चौकों के साथ 70 रन बनाकर आउट हुए। वाशिंगटन सुंदर ने 32 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 55 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए। लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने 1-1 सफलता हासिल की।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 209 रन ही बना सकी। इस टीम को पाथुम निसांका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। निसांका 24 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 41 रन बनाकर आउट हुए।

10वें ओवर की अंतिम दो गेंदों पर राशिद खान ने नितीश राणा (5) और समीर रिजवी (0) को आउट करते हुए डीसी को परेशानी में डाल दिया। यहां से केएल राहुल ने मोर्चा संभालते हुए डेविड मिलर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 रन जुटाए।

मिलर ने डीसी के खाते में 25 रन का योगदान दिया, जिसके बाद राहुल ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ छठे विकेट के लिए 26 रन जोड़े। राहुल 52 गेंदों में 4 छक्कों और 11 चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्टब्स ने 7 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

डीसी को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन की दरकार थी। विपराज निगम ने प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर की पहली गेंद को चौके के लिए भेजा, लेकिन अगली गेंद पर अपना विकेट दे बैठे। इसके बाद कुलदीप यादव बल्लेबाजी के लिए आए और ओवर की तीसरी गेंद पर सिंगल निकाला।

ओवर की चौथी गेंद पर मिलर ने छक्का लगाया। टीम को अंतिम दो गेंदों में 2 रन की दरकार थी, लेकिन मिलर ने पांचवीं गेंद पर सिंगल लेने से मना कर दिया। ऐसे में अंतिम गेंद पर टीम को 2 रन की जरूरत थी, लेकिन इस पर कुलदीप यादव रन आउट हो गए। इसी के साथ जीटी ने मैच 1 रन से अपने नाम किया।

एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को 2-1 से हराया

मैड्रिड । एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की दिशा में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है।

बायर्न के लिए लुइस डियाज और हैरी केन ने गोल किए, जबकि मैड्रिड की ओर से किलियन म्बाप्पे ने एकमात्र गोल दागा। मैच में बायर्न ने कई मौके बनाए और टीम को महसूस होगा कि वह बड़े अंतर से जीत सकती थी।

मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने युवा मिडफील्डर थियागो पिटार्च को मौका दिया, जबकि ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड और अल्वारो कैरेरास को फुलबैक के रूप में उतारा। वहीं बायर्न को केन की फिटनेस से बड़ी मजबूती मिली।

मैच की शुरुआत में बायर्न को केन के शुरुआत करने के लिए फिट होने से बढ़ावा मिला। केन ने तुरंत असर डाला, लेकिन डेयोट उपामेकानो मौका नहीं भुना सके। एक फ्री किक को डेयोट उपामेकानो की तरफ हेड किया, लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया। इसके बाद मैड्रिड ने पलटवार किए, जहां मैनुअल न्यूएर ने शानदार बचाव करते हुए ।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा, सविता और दीपिका की वापसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के आगामी दौरे के लिए 24 सदस्यों वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की है। घोषित टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं को भी जगह दी गई है। 13 से 17 अप्रैल तक 4 मैचों की यह सीरीज ब्यूनस आयर्स में खेली जाएगी। हॉकी विश्व कप और एशियन गेम्स को देखते हुए यह दौरा काफी अहम है।

टीम की कप्तान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे हैं। सबसे ज्यादा बेसब्री से फॉरवर्ड दीपिका की वापसी का इंतजार है, जो रिहैब के बाद वापस आ रही हैं। उनकी वापसी से मुख्य कोच खास तौर पर खुश हैं, क्योंकि दीपिका भारत की मेन ड्रैग-फ्लिकर के तौर पर अपनी भूमिका फिर से शुरू कर रही हैं। अनुभवी दीपिका की वापसी से भारतीय टीम अब ज्यादा संतुलित दिख रही है।

उनकी गैरमौजूदगी में, नवनीत कौर, मनीषा चौहान, उदिता और अन्नू जैसी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खास तौर पर, अन्नू ने क्वालिफायर के दौरान अपनी शानदार ड्रैग-फ्लिकिंग स्किल्स दिखाईं।

पिछले एक साल में, नवनीत कौर ने खुद को भारतीय महिला हॉकी में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है और आने वाले एक अहम सीजन के लिए भारत की तैयारियों में अहम भूमिका निभाएंगी।

भारत की अनुभवी गोलकीपर और भारतीय हॉकी की सबसे बेहतरीन गोलकीपरों में से एक, सविता, हाल के क्वालिफायर में नहीं खेल पाने के बाद भी टीम में वापस आ गई हैं। उनकी वापसी सही समय पर हुई है। अर्जेंटीना की टीम भारतीय डिफेंस को पूरी तरह से परखेगी। उस चुनौती का सामना करने के लिए सविता बेहतर विकल्प हैं। हालांकि, सविता की गैरमौजूदगी में क्वालिफायर में बिचू देवी ने बतौर गोलकीपर शानदार प्रदर्शन किया था। युवा गोलकीपर ने अपनी उम्र से अधिक परिपक्वता और शांति दिखाई थी, जिससे यह पक्का हो गया कि भारत के पास अब गोलकीपिंग में मजबूती है। सविता के साथ उनकी लगातार मौजूदगी गोलकीपर की पोजिशन के लिए प्रतियोगिता को बढ़ावा देती है। डिफेंडर ज्योति और फॉरवर्ड मुमताज खान, जो दोनों क्वालिफायर में नहीं खेल पाई थीं, उनकी टीम में वापसी हुई है।

बलजीत कौर पिछले एक साल में भारतीय हॉकी के लिए एक अहम परफॉर्मर रही हैं। उन्होंने लगातार अपनी गति और अंदाज से विपक्षी टीमों पर दबाव बनाया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को गोल करने वाली एक भरोसेमंद एथलीट के रूप में साबित किया है। उनका टीम में लगातार होना कोचिंग स्टाफ में उनके लगातार भरोसे को दिखाता है।

मिडफील्डर वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2026: आरआर के लिए यशस्वी का 'स्पेशल शतक', सैमसन, बटलर और वॉटसन के क्लब में शामिल हुए

गुवाहाटी। बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को तीनों फॉर्मेट में खेलने के लिए उपयुक्त माना जाता है। वह भारतीय टीम के टेस्ट स्क्वाड का नियमित हिस्सा हैं, लेकिन अच्छे प्रदर्शन के बावजूद वनडे और टी20 में उनकी जगह स्थिर नहीं है। जायसवाल बिना इससे निराश हुए जहां भी मौका मिलता है, पूरी क्षमता के साथ अपनी प्रतिभा दिखाते हैं।

आईपीएल 2026 में मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में जायसवाल ने कुछ ऐसा ही किया और एक अनोखा कीर्तिमान अपने नाम किया।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में यशस्वी जायसवाल ने मात्र 32 गेंदों पर 77 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। चौथा छक्का लगाते ही आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए यशस्वी जायसवाल ने अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।

जायसवाल से पहले आरआर के तीन ही बल्लेबाज यह उपलब्धि हासिल कर सके हैं। पूर्व कप्तान संजू सैमसन 192 छक्कों के साथ पहले स्थान पर हैं। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर 135 छक्कों के साथ दूसरे, और आरआर को 2008 में पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले शेन वॉटसन 109 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

संजू सैमसन आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा बन चुके हैं। जोस बटलर आईपीएल 2025 से गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं, जबकि शेन वॉटसन संन्यास ले चुके हैं। वह आईपीएल 2026 में केकेआर के सहायक कोच हैं।

यशस्वी जायसवाल आईपीएल 2020 से ही राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आरआर के लिए अब तक खेले 70 मैचों की 69 पारियों में 2 शतक और 17 अर्धशतकों की मदद से जायसवाल 2,336 रन बना चुके हैं।

नांद्रे बर्गर: मुफ्त में पढ़ाई के लिए क्रिकेट चुना, अब बिखेर रहे आईपीएल में चमक

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी धारदार गेंदबाजी के साथ तहलका मचा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को बारिश से प्रभावित मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 2 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 21 रन देकर 2 विकेट निकाले।

इस सीजन लंबी कद-काठी वाले बर्गर 3 मुकाबलों में 15.20 की औसत के साथ 5 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने सीजन के पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विरुद्ध 26 रन देकर 2 विकेट निकाले थे, जिसके बाद गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 29 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। तेज गति से गेंद को स्विंग कराने में माहिर नांद्रे बर्गर को आईपीएल 2024 के ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 50 लाख रुपए के बेस प्राइज में खरीदा था। उस सीजन बर्गर ने 6 मैच खेले, जिसमें कुल 145 रन देकर 7 विकेट निकाले।

इसके बाद आईपीएल 2025 में चोटिल संदीप शर्मा के स्थान पर फ्रेंचाइजी ने 3.5 करोड़ रुपए में उन्हें एक बार फिर अपने साथ जोड़ा। उस समय आईपीएल 2025 के लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स के सिर्फ 2 ही मैच शेष थे। ऐसे में बर्गर बीते सीजन एक भी मैच नहीं खेल सके।

आईपीएल 2026 में नांद्रे बर्गर राजस्थान रॉयल्स के लिए 'तुरुप का इक्का' साबित हुए हैं।

इस सीजन के पहले ही मैच में बर्गर सीएसके पर आरआर की जीत के हीरो रहे, जिन्होंने संजू सैमसन (6) और आयुष म्हात्रे (0) जैसे खिलाड़ियों को आउट करते हुए सीएसके को महज 127 रन पर रोका। इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने 12.1 ओवरों में 8 विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

11 अगस्त 1995 को साउथ अफ्रीका के क्रूगेर्सड्रॉप में जन्मे बर्गर को बचपन से क्रिकेट में दिलचस्पी नहीं थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने महिला क्रिकेटरों के लिए किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, अनकैप्ड आइंसवर्थ को मिली जगह

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2026-27 सत्र के लिए महिला क्रिकेटरों के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। कॉन्ट्रैक्ट में लूसी हैमिल्टन और क्लो आइंसवर्थ जैसे नए चेहरे शामिल किए गए हैं।

18 सदस्यों वाली इस टीम में पिछले साल की तुलना में 3 बदलाव हुए हैं। तस्मानिया की ऑलराउंडर निकोला कैरी को फिर से मौका दिया गया है। बाएं हाथ की युवा तेज गेंदबाज हैमिल्टन ने रैंक में तेजी से आगे बढ़ने के बाद अपना पहला कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। 19 साल की इस खिलाड़ी ने मार्च में सिर्फ तीन सप्ताह के अंदर तीनों फॉर्मेट में सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था।

2025 में अंडर-19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने के बाद वह होबार्ट में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान सीनियर टीम में शामिल हुईं, जिसके तुरंत बाद वाका ग्राउंड पर उनका टेस्ट डेब्यू हुआ। उन्होंने अपने इस शानदार महीने का अंत सेंट विंसेंट में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच से किया। पश्चिम ऑस्ट्रेलिया की 20 साल की तेज गेंदबाज आइंसवर्थ ने अब तक राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू नहीं किया है, इसके बावजूद उन्हें कॉन्टैक्ट में शामिल किया गया है। 2023 में पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ आने के बाद से उन्हें एक होनहार खिलाड़ी माना जा रहा है। उन्होंने विमेंस बिग बैश लीग के तीन सीजन में 22.30 की औसत और सात से कम के इकॉनमी रेट से 40 विकेट लिए हैं।

कैरी की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापसी इस साल की शुरुआत में भारत के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलियाई सेटअप में उनकी वापसी के बाद हुई है।

32 साल की कैरी ने 2023 में तस्मानिया के साथ घरेलू क्रिकेट पर ध्यान देने के लिए कॉन्ट्रैक्ट से बाहर निकलने का फैसला किया था। इस फैसले से उन्हें अपनी स्किल्स को बेहतर बनाने और विदेशी फ्रेंचाइजी लीग में एक्सपोजर पाने का मौका मिला। उनके बेहतर प्रदर्शन ने आखिरकार नेशनल टीम में वापसी का रास्ता बनाया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415